नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# दन्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 184 | नई दिल्ली, शनिवार 31 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | खुद से मुझे कोई गिला शिकवा नहीं... पेज-12

## एक नजर

### डॉ. सोमनाथन ने कैबिनेट सचिव का पदभार संभाला

**नई दिल्ली।** प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. टी.वी. सोमनाथन ने शुक्रवार को केंद्र में कैबिनेट सचिव का पदभार संभाला। डॉ. सोमनाथन ने राजीव गौबा की जगह ली है जो सेवानिवृत्ति हो गए हैं।कैबिनेट सचिव के रूप में शामिल होने से पहले, वह वित्त मंत्रालय में वित्त सचिव और व्यय विभाग के सचिव का कार्यभार देख रहे थे। डॉ. सोमनाथन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) के 1987 बैच के तमिलनाडु कैडर के अधिकारी हैं। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के कार्यकारी विकास कार्यक्रम को भी पूरा किया है, और वह मान्यताप्राप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट, कॉस्ट अकाउंटेंट और कंपनी सचिव भी हैं। डॉ. सोमनाथन ने केंद्र में प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव और अतिरिक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया और वाशिंगटन में विश्व बैंक में कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति की गई। तमिलनाडु राज्य सरकार में डॉ. सोमनाथन ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वह चेन्नई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भी रह चुके हैं। डॉ. सोमनाथन ने अर्थशास्त्र, वित्त और सार्वजनिक नीति पर पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में 80 से अधिक शोध-पत्र और तीन पुस्तके लिखी हैं।

### मोदी-बाइडेन के बीच बंगलादेश के मुद्दे पर व्याक चर्चा हुई:भारत का स्पष्टीकरण

**नई दिल्ली।** भारत ने आज जोर देकर स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडेन के बीच टेलीफोन पर बातचीत में बंगलादेश के मुद्दे पर काफी चर्चा हुई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने श्री मोदी और श्री बाइडेन के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद अमेरिका की प्रेस विज्ञप्ति में बंगलादेश का मुद्दा नहीं आने पर उठे विवाद पर विस्तार से स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि श्री मोदी और श्री बाइडेन के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद प्रेस विज्ञप्तियों को लेकर वे दावे संवेदनशील और प्रेरित हैं तथा नेताओं के बीच इस तरह के संपर्कों को कैसे व्यवस्थित किया जाता है और फिर आगे बढ़ाया जाता है, इसकी प्रक्रिया से अनभिज्ञता को दशार्ते हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि सबसे पहले, नेताओं के बीच ऐसी बातचीत के बाद जारी की जाने वाली प्रेस विज्ञप्तियां संयुक्त वक्तव्य की तरह नहीं होती हैं जहां हर शब्द पर बातचीत की जाती है और पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की जाती है। दूसरे, ऐसी प्रेस विज्ञप्तियां ऐसी बातचीत का व्यापक विवरण नहीं होती हैं। अंत में, दो पक्षों के लिए अपने अपने संबंधित रीडआउट में एक ही बातचीत के विभिन्न पहलुओं पर जोर देना असामान्य नहीं है। किसी न किसी प्रेस विज्ञप्ति में किसी पहलू का उल्लेख नहीं होना, इस बात का प्रमाण नहीं है कि उस पहलू पर बात ही नहीं हुई। प्रवक्ता ने कहा, "मैं प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत की विषयवस्तु से भली-भांति परिचित हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि हमारी प्रेस विज्ञप्ति में, बातचीत में जो कुछ हुआ, उसका सटीक और विश्वसनीय रिकॉर्ड है। बंगलादेश के विषय पर, जिसे कुछ पक्षों द्वारा उजागर किया गया है, दोनों नेताओं के बीच काफी चर्चा हुई।"

# पेरिस पैरालंपिक में मेडलों की बारिश

## भारतीय खिलाड़ियों ने एक दिन में जीता एक गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज

**पेरिस, एजेंसी।** शीर्ष भारतीय निशानेबाज अवनी लेखरा शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 शूटिंग इवेंट में स्वर्ण जीता है। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में अवनि ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही पेरिस पैरालंपिक में भारत के पदकों का खाता खुल गया है। भारत पेरिस पैरालंपिक गेम्स में दो पदक के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गया है।

अवनि लेखरा ने पेरिस पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 के फाइनल में 249.7 के स्कोर के साथ टोक्यो 2020 के अपने ही पैरालंपिक रिकॉर्ड 249.6 को बेहतर बनाया। वह पैरालिंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। अवनि तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में एसएच1 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने के बाद देश की सबसे अधिक सुर्खियां बटोरने वाली पैरा खिलाड़ी बनी थी। उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीता था।

प्रीति पाल ने पैरालंपिक्स 2024 में ब्रॉन्ज

मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है. उन्होंने महिला 100 मीटर टी35 कैटेगरी रेस में मेडल जीता है. यह 30 अगस्त को भारत द्वारा जीता गया कुल तीसरा मेडल है. प्रीति ने इतिहास भी रचा है क्योंकि वो पैरालंपिक खेलों के ट्रैक इवेंट में कोई मेडल जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गई हैं।

भारत की प्रीति पाल ने महिला T35 100 मीटर इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। पहली बार पैरालंपिक इतिहास के खेलों में भारत ने मेडल जीता है और यह मेडल प्रीति पाल ने देश को दिलाया। पेरिस पैरालंपिक्स 2024 में प्रीति ने अपने निजी सर्वश्रेष्ठ समय 14.21 सेकंड में रेस पूरी की।

वहीं मोना अग्रवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश व प्रदेश का मान बढ़ाया है।

पेरिस पैरालंपिक्स 2024 में मनीष नरवाल ने भारत को चौथा मेडल दिलाया है. उन्होंने शूटिंग की 10 मीटर एयर पिस्टल SH1 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता है.

### मुर्मु, मोदी ने अवनि, मोना और प्रीति को दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच पर अवनि को बधाई देते हुए लिखा ह्लपेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रिकॉर्ड तोड़ स्वर्ण पदक जीतकर पहला पदक भारत की निशानेबाजी स्टार अवनि लेखरा को हार्दिक बधाई। यह अवनि का लगातार तीसरा पदक और पैरालंपिक खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक है। उसने अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया है। भारत को उनकी इस ऐतिहासिक और असाधारण उपलब्धि पर गर्व है। उसकी दृढ़ता और दृढ़ संकल्प सभी के लिए प्रेरणादायी है।

राष्ट्रपति ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मोना अग्रवाल को भी बधाई देते हुए कहा, मैं मोना अग्रवाल को पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर हार्दिक बधाई देती हूँ। विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए उनकी उपलब्धि अटूट समर्पण और प्रेरक दृढ़ता का उदाहरण है। उन्होंने हर भारतीय को बहुत गर्व और खुशी दी है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 100 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर प्रीति पाल को हार्दिक बधाई। राष्ट्रपति ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि अपने पहले पैरालंपिक में उनका शानदार प्रदर्शन असाधारण है। उन्होंने पैरा खेलों में ट्रैक इवेंट में भारत के लिए पहला पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। पूरे देश को आप पर गर्व है। मुझे यकीन है कि आप भविष्य में और भी कई उपलब्धियाँ हासिल करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत ने पैरालंपिक2024 में अपने पदकों का खाता खोला। अवनि लेखरा को आर2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 स्पर्धा में पदक जीतने पर बधाई। अवनि लेखरा ने इतिहास रच दिया हैं। अवनि लेखरा तीन पैरालंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। उनका समर्पण भारत को गौरवान्वित करता रहता है।

एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा, ह्लमोना अग्रवाल को पेरिस पैरालंपिक 2024 में आर 2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि उनके समर्पण और उत्कृष्टता की खोज को दशार्ती है। भारत को मोना पर गर्व है।

## रूस-यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान के लिए भूमिका निभाने तैयार है भारत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने आज फिर कहा कि वह रूस एवं यूक्रेन के बीच संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के उद्देश्य से सभी पक्षों को रचनात्मक, समाधान-उन्मुख और व्यावहारिक संवाद एवं कूटनीति के लिए एक साथ लाने के लिए भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में यूक्रेन संबंधी सवालों के जवाब में कहा, यूक्रेनी पक्ष विभिन्न मामलों पर अपना दृष्टिकोण रखता है और उसे मीडिया के साथ साझा कर रहा है। जहां तक ??हमारा सवाल है, हम यात्रा के दौरान विचारों के आदान-प्रदान सहित हमारे बीच हुईं द्विपक्षीय चचाओं से निर्देशित होंगे। हमारा मानना है कि इसी प्रकार से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की संभावना पर अधिक दूरदर्शी चचाओं को सुविधाजनक बनाने के अलावा मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का मार्ग प्रशस्त होगा।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने कहा, हमने हमेशा इस संघर्ष का बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए सभी पक्षकारों के साथ रचनात्मक, समाधान-उन्मुख और व्यावहारिक जुड़ाव की वकालत की है। यह रूस और यूक्रेन दोनों तक हमारी उच्चतम स्तर पर पहुंच से स्पष्ट है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पहले ही शांति के हित में रचनात्मक भूमिका निभाने की भारत की इच्छा का संकेत दे चुके हैं। हालाँकि, इस स्तर पर विशिष्ट तौर-तरीकों और रास्तों पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। शांति वार्ता कब और कैसे शुरू की जाए इसका निर्णय संघर्ष के दोनों पक्षों का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा, मित्र और साझीदार के रूप में हम किसी भी व्यवहार्य और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान या प्रारूप का समर्थन करेंगे जो शांति बहाल

### छत्रपति की प्रतिमा गिरने पर बोले प्रधानमंत्री

## मैं शिवाजी महाराज के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं

**पालघर, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के तटीय सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर भारत के इस वीर सपूत के साथ ही, इस घटना से आहत लोगों से भी शुक्रवार को माफी मांगी।

महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाली वधावन बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखने के बाद मोदी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज मेरे लिए सिर्फ नाम नहीं हैं, हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज आराध्य देव हैं। पिछले दिनों सिंधुदुर्ग में जो हुआ, आज मैं सिर झुकाकर मेरे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज जी के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं।

उन्होंने कहा, हमारे संस्कार अलग हैं। हम वह लोग नहीं हैं जो आए दिन भारत मां के महान सपूत, इसी धरती के लाल वीर सावरकर को अनाप-शनाप गालियां देते रहते हैं, अपमानित करते रहते हैं, देशभक्तों की भावनाओं को कुचलते हैं।

उन्होंने कहा कि वे लोग वीर सावरकर को गालियां देने के बाद भी माफी मांगने को तैयार नहीं हैं और ना ही उनको कोई पश्चाताप होता है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की जनता उनके संस्कार को अब जान गई है।

उन्होंने कहा, जैसे ही मैं यहां उतरा, मैंने सबसे पहले शिवाजी से प्रतिमा गिरने की घटना के लिए माफी मांगी। मैं उन लोगों से भी माफी मांगता हूं जो इससे आहत हुए हैं।

मोदी ने पिछले साल दिसंबर में सिंधुदुर्ग जिले में नौसेना दिवस समारोह के दौरान प्रतिमा का अनावरण किया था। प्रतिमा का उद्देश्य समुद्री रक्षा के प्रति छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का सम्मान करना था।

राज्य सरकार ने घोषणा की है कि राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों वाली नौसेना की अध्यक्षता में एक संयुक्त तकनीकी समिति सोमवार को मूर्ति गिरने के कारणों की जांच करेगी।

मोदी ने कहा कि विकसित महाराष्ट्र, विकसित भारत के संकल्प का एक अनिवार्य हिस्सा है।

उन्होंने कहा, इसलिए पिछले 10 वर्षों में हमने महाराष्ट्र की प्रगति के लिए लगातार बड़े फैसले लिए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य और पूरे देश को महाराष्ट्र की क्षमताओं का लाभ मिले, वधावन बंदरगाह की आधारशिला आज रखी गई है।

मोदी ने कहा कि जब उन्हें भाजपा का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया तो वह शिवाजी के तत्कालीन राज्य की राजधानी रायगढ़ गए और मराठा सम्राट की समाधि के सामने उन्होंने ध्यान लगाया था।

सिंधुदुर्ग जिले की मालवण तहसील में राजकोट किले में स्थापित मराठा योद्धा की प्रतिमा गिरने के बाद मोदी की यह पहली टिप्पणी है।

## मोदी ने लंबे समय तक सत्ता में बने रहने का दिया संकेत

### कहा- दसवें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को भी संबोधित करने आऊंगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) को संबोधित करते हुए संकेत दिए कि उनका इरादा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने का है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, यह पांचवां ग्लोबल फिनटेक फेस्ट है। मैं दसवें फिनटेक फेस्ट को संबोधित करने के लिए भी यहां आऊंगा।

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भारत का फिनटेक इकोसिस्टम भारत के लोगों को गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली प्रदान करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, ह्लमुझे विश्वास है कि भारत का फिनटेक इकोसिस्टम पूरी दुनिया के जीवन को आसान बनाएगा। हमारा सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है।ह्व

देश में फिनटेक उद्योग द्वारा लाए गए बदलावों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि

इसने न केवल भारत के तकनीकी मोर्चे को बदल दिया गया है, बल्कि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई को पाटकर व्यापक सामाजिक प्रभाव भी डाला है। मोदी ने आगे बताया कि वही बैंकिंग सेवाएं जो पहले पूरा दिन ले लेती थीं और किसानों और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए बाधाएं पैदा करती थीं, अब फिनटेक की मदद से मोबाइल फोन पर आसानी से उपलब्ध हैं।

वित्तीय सेवाओं के लोकतंत्रीकरण में फिनटेक की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने आसानी से उपलब्ध ऋण, क्रेडिट कार्ड, निवेश और बीमा के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि फिनटेक ने ऋण तक पहुंच को आसान और समावेशी बना दिया है। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना का उदाहरण दिया, जिसने स्ट्रीट वेंडर्स को बिना किसी जमानत के ऋण प्राप्त करने और डिजिटल लेनदेन की मदद से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाया है। उन्होंने शेयर बाजारों और म्यूचुअल फंड, निवेश रिपोर्ट और डीमैट खाते खोलने की आसान पहुंच का भी उल्लेख किया। डिजिटल इंडिया के उदय का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दूरस्थ स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल शिक्षा और कौशल सीखने जैसी सेवाएं फिनटेक के बिना संभव नहीं होंगी। मोदी ने कहा, ह्लभारत की फिनटेक क्रांति जीवन की गरिमा और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि मुझे देश के फिनटेक इकोसिस्टम पर भरोसा है और यह भारतीयों को गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करेगा। उन्होंने भारत में फिनटेक क्षेत्र की महत्वपूर्ण वृद्धि पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लपिछले 10 साल में फिनटेक स्पेस में 31 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश हुआ है। 10 साल में हमारे फिनटेक स्टार्टअप में 500 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

कोरोना के दौरान पूरे वर्ष 247 बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए फिनटेक स्टार्टअप्स को श्रेय देते हुए मोदी ने उनसे आग्रह किया कि वे पूरी दुनिया को अधिक आसानी से व्यापार करने में मदद करें और इस प्रकार पूरी दुनिया को बेहतर जीवन जीने में मदद करें।

मोदी ने फिनटेक क्रांति की सराहना करते हुए कहा कि इसने न केवल अधिक लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाया है, बल्कि लोगों के लिए सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में भी वृद्धि की है। उन्होंने पारंपरिक मुद्रा से लेकर आधुनिक क्यूआर कोड तक की प्रगति पर जोर दिया और इस प्रगति का श्रेय तकनीकी नवोन्मेषकों के काम को दिया।

उन्होंने महामारी के दौरान भी निर्बाध बैंकिंग सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र की सराहना करते हुए कहा कि यूपीआई हमारी फिनटेक क्षमता का वैश्विक प्रमाण बनकर उभरा है।

## न्यायमूर्ति हिमा कोहली महिला अधिकारों की प्रखर रक्षक : प्रधान न्यायाधीश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति हिमा कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि वह न सिर्फ एक महिला न्यायाधीश हैं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की प्रखर रक्षक भी हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति कोहली के सम्मान में एक रस्मी पीठ की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति कोहली एक सितंबर को सेवानिवृत्त होने वाली हैं।

न्यायमूर्ति कोहली शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों में वरिष्ठता के क्रम में नौवें स्थान पर थीं। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद उच्चतम न्यायालय में केवल दो महिला न्यायाधीश- न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी, रह जाएंगी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, न्यायमूर्ति कोहली के साथ बैठना सुखद रहा। हमने बहुत गंभीर विचारों और दृष्टिकोण का आदान-प्रदान किया। कई बार ऐसा हुआ, जब उन्होंने मेरा समर्थन किया।

हिमा, आप सिर्फ एक महिला न्यायाधीश ही नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की प्रखर रक्षक भी हैं।

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि न्यायमूर्ति कोहली ने अपना पूरा जीवन न्याय के लिए समर्पित कर दिया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, हमने हमेशा पीठ का बहुत सख्त रूप देखा, लेकिन हम न्यायमूर्ति कोहली के बहुत नरम, मानवीय और दयालु पक्ष के भी गवाह बने। उन्हें उनके फैसलों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। जहां भी जरूरत पड़ी, उन्होंने करुणा के साथ न्याय दिया।

'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि शीर्ष अदालत की न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति कोहली का कार्यकाल बहुत छोटा था। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति कोहली की निगाहें सख्त हैं, लेकिन दिल सहानुभूतिपूर्ण है।

सिब्बल ने कहा, मैं हमेशा अपने सहकर्मियों से कहता हूं कि जब हम अदालत जाएं, तो जानें कि हमारा न्यायाधीश कौन है। जब हम आपकी अदालत में आते हैं और आप चश्मे से नजर उठाकर हमें देखती हैं, तो हम जान जाते हैं कि हम संकट में हैं। आप एक खुशमिजाज न्यायाधीश रही हैं। कोई भी आपसे चालाकी नहीं कर सकता, कोई भी आपको 'गुगली' नहीं डाल सकता। दो सितंबर 1959 को दिल्ली में जन्मी न्यायमूर्ति कोहली ने सेंट थॉमस स्कूल से शुरूआती पढ़ाई की और फिर सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में स्नातक की डिग्री ली।

# उप-राज्यपाल सक्सेना ने 629 नव नियुक्त कर्मियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के विज्ञान भवन में 629 नये सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, इनमें 27 डॉक्टर भी शामिल हैं। उप-राज्यपाल ने उम्मीद जतायी कि आगामी सात महीनों में 20 हजार और लोगों को नौकरी मिल सकेगी। उन्होंने एलान किया कि आने वाले समय में दिल्ली में बंपर भर्तियां होने वाली हैं। श्री सक्सेना ने कहा, पिछले दो सालों में हमने 17,000 से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र दिये हैं। आज 629 लोगों को नियुक्ति पत्र दिये गये हैं, जो अलग-अलग विभागों से हैं। इनमें 27 डॉक्टर भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिले और ये प्रक्रिया जारी रहेगी। हमारा लक्ष्य मार्च 2025 तक कम से कम 20,000 और लोगों को नियुक्त करना है। अलग-अलग विभागों में 25,000 से ज्यादा पद खाली हैं। जैसा कि मैंने कहा, इसकी प्रक्रिया बहुत तेजी से चल रही है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों को पांचवी बार यह नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। इन कर्मचारियों को शिक्षा निदेशालय, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, अग्निशमन विभाग, दिल्ली चिकित्सा विभाग जैसे विभागों और

निकायों में नियुक्त किया गया है। उप-राज्यपाल ने नये कर्मचारियों को संबोधित करते हुये कहा कि वह 629 नवनियुक्त कर्मचारियों का स्वागत करते हैं और उनके परिवार के सदस्यों को शुभकामनायें देते हैं, जिनके सहयोग और परिश्रम के कारण नियुक्ति पत्र पाने वालों के चेहरे में खुशी की झलक दिख रही है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से कहा कि आज का दिन उनकी चुनौतियों पर जीत हासिल करने का जश्न का दिन है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में पांचवी बार इस कार्यक्रम का आयोजित किया गया है। इसके लिये दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार, डीएसएसएसबी, डीडीए, यूपीएससी और सर्विस विभाग को दिल से बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 के विकसित भारत बनाने का जो सपना देखा, यह उसी का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुये खुशी हो रही है, प्रधानमंत्री ने जो दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन हमें दिये उससे दिल्ली सरकार और उसके विभिन्न संगठनों में नई नियुक्तियों का सिलसिला जारी रहेगा और रोजगार दिया जा रहा है, वह दिल्ली की समृद्धि में आगे बढ़कर हमारे साथ काम किये जा रहे हैं। राजधानी के विभिन्न कल्याणकारी को समय-समय पर पूरा किया जा रहा है और हमारी ये कोशिश है कि दिल्ली के जितने भी विभाग है, उनमें जितने भी पद खाली हैं, उन्हें जल्द से जल्द भरा जा सके। श्री सक्सेना ने कहा कि सरकार के इस महत्वपूर्ण कदम से न केवल युवाओं को रोजगार मिल सकेंगे बल्कि हमारी सेवायें भी पहले से बेहतर हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि डीएसएसएसबी ने पिछले दो वर्षों में 17 हजार से ज्यादा नियुक्तियां प्रदान की हैं, जो पिछले 10 वर्षों में भी नहीं हुआ था। उन्होंने कहा डीएसएसएसबी के मुख्य सचिव के नेतृत्व में जिस तरह से तेजी से काम कर रहा है और जिस तरह से खाली पदों को भरने का काम कर रहा है, वह सराहना के योग्य है। श्री सक्सेना ने कहा, जैसा कि आपको बताया गया है कि 20 हजार से ज्यादा डोजियर्स जारी हो चुके हैं इससे भरने के लिए चार से पांच महीने लग जायेंगे। इसके अलावा करीब 10000 भर्तियों के लिये विज्ञापन दिये जा चुके हैं, जिसका कार्य भी करीब तीन महीने के अंदर पूरा कर लिया जायेगा। उप-राज्यपाल ने कहा कि आज जिन 629 कर्मियों को यहां नियुक्ति पत्र दिये गये हैं, उनमें डीएसएसएसबी द्वारा नियुक्त 558 कर्मी हैं। डीडीए द्वारा नियुक्त करीब 40 कर्मी हैं और यूपीएससी द्वारा नियुक्त करीब 27 डॉक्टर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा सरकारी नौकरी एक सरकारी नौकरी नहीं, बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, यह जिम्मेदारी जनता के हितों के लिये काम करने की है। उन्होंने कहा, आपको अपनी सत्यनिष्ठा से विभाग के लिये कार्य करने, बल्कि समाज में अपनी पहचान बनाना है। सरकारी नौकरी प्राप्त कर लेना आपकी लर्निंग प्रक्रिया का अंत नहीं है, बल्कि एक नई शुरूआत है। श्री सक्सेना ने कहा कि कोई पद छोटा नहीं होता, यह हमारी आपकी सोच होती है, हर पद की अपनी गरिमा होती है, हर पद की अपनी महत्ता होती है। किसी भी छोटे से छोटे पद पर रहने वाला इंसान एक बहुत बड़ा कार्य कर सकता है। समाज के लिये एक बहुत बड़ा स्त्रोत बन सकता है। इसलिये आपको इसी भावना से काम करना चाहिये। उप-राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद के शब्दों को दोहराते हुये कहा, यह बात आपको अच्छी लगेगी कि नदी में मरी हुई मछली नदी की धारा के साथ बहती चली जाती है और जिंदा मछली हमेशा नदी की धारा के विपरीत दिशा में तैरती है।

अगर आप जीवित हैं, गलत का पुरजोर विरोध करें। आप जिस पद पर हैं, उसकी गरिमा को बनाये रखें। आप अपना शत-प्रतिशत देने का हमेशा प्रयास करें। इस अवसर पर दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार, प्रमुख सचिव ए के सिंह और डीएसएसएसबी के अध्यक्ष शूरवीर सिंह तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## बंद कमरे से मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली के प्रेम नगर थाना इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में बंद कमरे में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार प्रेम नगर थाना क्षेत्र के अगर नगर इलाके के एक घर से शुक्रवार सुबह तेज बदबू आने लगी। जैसे ही आसपास के लोगों को बदबू लगी तो लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि घर का दरवाजा बंद है। इसके बाद पुलिस दरवाजा तोड़कर घर में दाखिल हुई। वहां एक व्यक्ति का शव पड़ा था।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 35 साल के रिंकू के रूप में हुई है। आसपास के लोगों ने बताया कि वह सिलाई का काम करता था और कभी कभार ही घर आता था। घर में अकेला ही रहता था। हालांकि, वह शादीशुदा था और इसके बच्चे भी थे। फिलहाल अभी यह कह पाना मुश्किल है कि ये हत्या है या आत्महत्या या फिर कोई हादसा। क्योंकि जिस परिस्थिति में शव बरामद किया गया है वह जांच का विषय है। लिहाजा पुलिस की जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि आखिर ये पूरा मामला है क्या? हालांकि जिस तरह से शव से बदबू आ रही थी उससे यह आशंका जताई जा रही है कि करीब दो से तीन दिन पहले इसकी मौत हुई होगी। बहरहाल इस संबंध में अभी तक पुलिस की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

## साढ़े 6 साल की बच्ची के मौसा-मौसी ने रची किडनैपिंग की खौफनाक साजिश

### दिल्ली पुलिस ने नेपाल बॉर्डर से किया रेस्क्यू

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पुलिस की टीम ने भारत-नेपाल बॉर्डर से एक नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद किया है। सेंट्रल जिला डीसीपी एम. हर्षवर्धन के मुताबिक, 27 अगस्तय को आईपी इस्ट्रेट थाने में शिकायतकर्ता ने अपनी साढ़े 6 साल की बेटी के किडनैप होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसकी बेटी रात करीब 8 बजे जनरल स्टोर जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वह न तो जनरल स्टोकर पहुंची और न ही घर वापस लौटी। डीसीपी ने आगे बताया कि उसकी बेटी को कोई बहला-फुसलाकर ले गया होगा। इस शिकायत पर आईपी इस्टे ट थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। बाद में शिकायतकर्ता को व्हाट्सएप पर एक मलेशियाई नंबर से फिरौती के लिए वॉयस मैसेज मिला। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान कृष्ण (35) (मूल निवासी-सीतामढी, बिहार), शाहिदा (29), अलीपुर (दिल्ली), पिंटू (24) डेमहुआ, (सीतामढी), सुशील (23) भवानीपुर, (सीतामढी) और सुनीता (36) परिहार गांव (सीतामढी) के रूप में हुई है। एडिशनल डीसीपी-1 सचिन शर्मा ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नाबालिग बच्ची को छुड़ाने और अपहरण में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू की।

टीम ने आरोपियों का पता लगाने के लिए 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चेक किया। शिकायतकर्ता को जिस नंबर से मैसेज आया था टीम ने उसका टेक्नीकल विश्लेषण किया। विदेशी नंबर के तकनीकी विश्लेषण से पता चला कि मामले का सीतामढ़ी बिहार कनेक्शन है। स्थानीय खुफिया जानकारी और फैमि?ली मैंबर्स के साथ बातचीत करने के बाद पता चला कि बच्ची का एक रिश्तेदार सीतामढी जिले का भी रहने वाला है। पूछताछ के दौरान कृष्ण गोलमोल जवाब दे रहा था।

## दिल्ली में लगागार बारिश से तामपान में गिरावट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में गुरुवार को भी दिनभर हल्की बारिश होती रही, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया। वहीं शुक्रवार के लिए भी हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने की संभावना जताई गई है। शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। आज सुबह दिल्ली का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले गुरुवार को बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं लोग जलभराव व जाम की समस्या से भी जूझते नजर आए। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार सुबह औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 96 दर्ज किया गया। वहीं एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 84, गुरुग्राम में 90, गाजियाबाद में 86, ग्रेटर नोएडा में 130 और नोएडा में एक्यूआई 86 दर्ज किया गया। वहीं दिल्ली के इलाकों की बात करें तो आईटीओ में 194, नॉर्थ कैंपस 120, अशोक विहार में 137, जहांगीरपुरी में 161, रोहिणी में 106, वजीरपुर में 123, आनंद विहार में 170, बुराड़ी क्रॉसिंग में 146 और न्यू मोती बाग में एक्यूआई 191 दर्ज किया गया।

## महिला ने दांतों से ननंद का स्तन काटकर किया अलग, कपड़े सुखाने को लेकर हुआ था विवाद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एक महिला ने दांतो से ननंद का स्तन काटकर अलग कर दिया। दोनों में कपड़े सुखाने को लेकर विवाद हुआ था मामला खजूरी खास इलाके का है जहां दरवाजे पर कपड़े सुखाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपनी बहन की जमकर पिटाई कर दी। पीटते- पीटते उसे जमीन पर गिरा दिया। आरोप है युवक की पत्नी अपनी ननंद के ऊपर बैठ गई और दांतों से उसका स्तन काटकर अलग कर दिया। घायल हालत में युवती को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। खजूरी खास थाना ने मारपीट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता परिवार के साथ खजूरी थाना क्षेत्र में रहती है। परिवार में माता-पिता समेत अन्य सदस्य हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने बताया कि उसने कुछ कपड़े धोकर घर के दरवाजे पर सुखाए थे। आरोप है कि तीसरे नंबर की भाभी आई और उसने कपड़े उतारक फेंक दिए। ऐसा करने से मना करने पर वह झगड़ा करने लगी। उसकी भाभी ने आवाज लगाकर अपने पति को बुला लिया। युवक ने आते ही अपनी बहन पर थप्पड़ व लाते बरसा दी। पीटते-पीटते बहन को जमीन पर गिरा दिया। गिरने के बाद भाई ने युवती के दोनों हाथ पकड़ लिए और उसकी भाभी उसके पेट पर बैठ गई। भाभी ने अपनी ननद का एक स्तन दांतों से काट-काटकर अलग कर दिया। युवती के शोर मचाने पर परिवार के बाकी सदस्य आए और उसे बचाया। युवती के काफी खून बहने लगा। परिवार के सदस्य इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए और वारदात की सूचना बाद में पुलिस को दी।

## मेयर शैली ओबरॉय ने की निगम पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने सेंट्रल जोन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा और संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए निगम पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक की। इस बैठक में उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और नागरिकों से संबंधित समस्याओं के विषय में जानकारी ली। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपायुक्त एंजेल भाटी और अन्य वरिष्ठ जोनल अधिकारी भी उपस्थित रहे। पार्षदों ने मेयर को अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। जैतपुर में स्थानीय पार्षद ने मांस की अवैध दुकानों की बढ़ती हुई संख्या की समस्या से मेयर को अवगत कराया। वहीं मेयर ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि मांस की अवैध

दुकानों का सर्वे करें और इन दुकानों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करें। साथ ही अधिकारियों को आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के प्रयास करने के भी निर्देश दिए।

जोन के अधिकतर पार्षदों ने कूड़े उठाने वाले ऑटो टिपरों की संख्या कम होने की भी शिकायत की। उन्होंने कूड़ा उठाने वाली एजेंसी के कामकाज को लेकर नाराजगी जाहिर की। इस संबंध में मेयर ने कहा कि वह सफाई व्यवस्था को लेकर बेहद गंभीर हैं। उन्होंने उपायुक्त को निर्देश दिए कि जोन की सफाई व्यवस्था में आ रही समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। इसके अलावा मेयर ने पार्कों की रखरखाव संबंधी शिकायत पर कहा कि सभी वार्डों में जरूरत के मुताबिक मालियों की तैनाती की जाए, ताकि पार्कों का सही तरीके से रखरखाव किया जा सके।

## बांग्लादेश हिंसा में मरने वाले हिंदुओं को श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बांग्लादेश में हिंसा के दौरान मारे गए हिंदुओं को दिल्ली संत महामंडल की ओर से शुक्रवार को पहाड़गंज स्थित उदासीन आश्रम में श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद संतों की सभा हुई। आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में जिस प्रकार से हिदुओं को निशाना बनाकर उनकी हत्या और लूटा गया, उससे हर हिंदू आक्रोषित है। भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार पर राजनैतिक दबाव बनाकर वहां रहने वाले हिंदुओं की रक्षा करनी चाहिए। उदासीन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी राघवानंद महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उससे हर हिंदू चिंतित है। श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि हिंसा पर विश्व के सभी देश चुप रहे और किसी ने विरोध तक नहीं किया। इस सबका कारण यह है कि हिंदू जातियों में बंटा हुआ है। जातियों में बंटा होने के कारण ही उसे कमजोर माना जाता है। भेदभाव को मिटाकर एकजुट होना होगा और इसके लिए संतों को आगे आना होगा।

संस्था के महामंत्री महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में दुकानों व मकानों को ही नहीं मंदिरों तक को जलाया जा रहा है। ऐसे में भारत सरकार को हिंदुओं की रक्षा करनी चाहिए। संस्था के संगठन मंत्री महामंडलेश्वर कंचन गिरी महाराज ने कहा कि हिंदुओं की रक्षा के लिए भारत सरकार को वहां सरकार व सेना के अधिकारियों से सीधे बात करनी चाहिए। उन्हें स्पष्ट बता देना चाहिए कि यदि हिंदुओं पर अत्याचार नहीं रूके तो भारत को सख्त कदम उठाने को मजबूर होना पड़ेगा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कपिल खन्ना ने कहा कि बांग्लादेश को यह बात स्पष्ट बता देनी चाहिए कि यदि हिंदुओं के साथ भविष्य में ऐसा करने की हिम्मत भी की गई तो भारत सख्त कदम उठाने को मजबूर होगा।

## अदालत एमसीडी वार्ड समिति का चुनाव स्थगित करने के पक्ष में नहीं, आप पार्षदों ने याचिकाएं वापस लीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी (आप) के दो पार्षदों ने शुक्रवार को अदालत में दायर अपनी उन याचिकाओं को वापस ले लिया जिसमें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) वार्ड समिति के चुनाव को स्थगित करके फिर से चुनाव कार्यक्रम निर्धारित करने का अनुरोध किया गया है। उच्च न्यायालय के यह संकेत देने पर कि वह किसी तरह की राहत देने के लिए इच्छुक नहीं है, दोनों पार्षदों ने याचिकाएं वापस ले लीं। उन्होंने चुनाव पुनर्निर्धारित करने का अनुरोध करते हुए आरोप लगाया था कि 12 क्षेत्रीय वार्ड समितियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा एमसीडी की स्थायी समिति के लिए प्रत्येक समिति से एक-एक सदस्य के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया था। एमसीडी की क्षेत्रीय स्तर की वार्ड समिति के चुनाव चार सितंबर को होने हैं और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अगस्त है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कौरव ने कहा, यह एमसीडी आयुक्त द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम है। न्यायालय बीच में आकर आयुक्त को किसी विशेष तरीके से कार्यक्रम निर्धारित करने का निर्देश नहीं दे सकता। अगर आप ईमानदार हैं और चुनाव लड़ना चाहते हैं, तो आपको निगम जाना चाहिए था। आपको न्यायालय आने के बजाय वहां (निगम कार्यालय) उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करनी चाहिए थी। आपका अनुरोध बहुत ही असामान्य है। मैं इसके प्रति इच्छुक नहीं हूं। लगभग 45 मिनट की सुनवाई के बाद, जब अदालत ने संकेत दे दिए कि वह कोई राहत देने के पक्ष में नहीं है तो दोनों पार्षदों के वकील ने अपनी याचिकाएं वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। न्यायाधीश ने कहा, हां हां, शत प्रतिशत मैं इसके प्रति इच्छुक नहीं हूं। इसमें कोई संदेह नहीं है। दक्षिण पुरी वार्ड से आप पार्षद प्रेम चौहान और डाबरी वार्ड से तिलोत्तमा चौधरी ने याचिकाएं दायर की थीं। चौहान ने दावा किया कि वह अस्वस्थ और अनिच्छुक हैं, जबकि चौधरी ने कहा कि वह फिलहाल दिल्ली से बाहर हैं और उनके पास इंतजाम करने और कागजी कार्रवाई करने के लिए समय नहीं है। चौहान की तरफ से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने कहा कि वह लंबे समय तक चुनाव स्थगित करने की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि सिर्फ दो से तीन दिन और देने का आग्रह कर रहे हैं। चौहान की तरफ से पेश अधिवक्ता मेहरा ने कहा, मैं स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के पक्ष में हूं और चाहता हूं कि अधिकतम भागीदारी हो।

## एक नजर

### विरासत संरक्षण के लिए अंबेडकर विश्वविद्यालय ने की साझेदारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय ने विरासत संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस संबंध में समझौतापत्र पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। साझेदारी के जरिए विरासत दस्तावेजीकरण, प्रशिक्षण, संग्रह, क्षमता निर्माण, संरक्षण और बहाली के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए व्यापक ढांचे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। समझौते के माध्यम से अकादमिक अनुसंधान को व्यावहाकि क्षेत्र के अनुभव के साथ एकीकृत किया जाएगा। इससे छात्रों को अपने सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू करने के लिए अवसर मिलेगा। समझौता पत्र को कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर और डीडीए उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप दिया।

### जंतर-मंतर पर 360 गांवों की महापंचायत होगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के मुद्दे को लेकर 15 सितंबर को जंतर-मंतर पर दिल्ली के 360 गांवों की महापंचायत होगी। पालम 360 खाप के प्रमुख सुरेंद्र सोलंकी की अध्यक्षता में बवाना गांव में हुई बैठक में अलग-अलग गांवों के प्रधानों ने यह फैसला लिया। सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि गांवों के प्रतिनिधियों और प्रधानों ने महापंचायत करने का निर्णय किया है। इसमें शहर के ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े ग्यारह प्रमुख मुद्दों को उठाया जाएगा। दिल्ली में ऐसा कानून लागू है, जो पूरे देश में कहीं नहीं है। दिल्ली भूमि सुधार (डीएलआर) अधिनियम में संशोधन की मांग है। शहर के गांवों की जमीन बहुत कम कीमत पर अधिग्रहित की गई। बदले में गांवों को बुनियादी नागरिक सुविधाएं ठीक से नहीं दी गई हैं। जिससे मूल निवासी दयनीय स्थिति में रहने को मजबूर हैं। प्रमुख मांगों में भूमि का म्यूटेशन शुरू करना, मास्टर प्लान 2041 को लागू करना, धारा 74/4 के तहत गरीब किसानों को भूखंड और कृषि भूमि का आवंटन करना शामिल है। यह मांगे बहुत लंबे समय से लंबित है। इससे भूमिहीन किसानों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

### मुखर्जी नगर हत्याकांड का फरार आरोपित गिरफ्तार, क्रिकेट बैट से पीट-पीटकर किया था घायल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने मुखर्जी नगर में हत्या के मामले में भगोड़ा घोषित आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गुड़ मंडी के नितिन यादव उर्फ टीटी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित को इसी साल आठ मई को भगोड़ा घोषित किया गया था, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए भलस्वा डेरी के इब्राहिमपुर गांव में एक डेरी फार्म में छिपा हुआ था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार के मुताबिक, मामूली कहासुनी पर शिकायतकर्ता को आरोपित और उसके दोस्त ने लाठी और क्रिकेट बैट आदि से बुरी तरह पीटकर भाग गए थे, जिससे शिकायतकर्ता को गंभीर चोटें आई थीं। दिल्ली के मुखर्जी नगर थाने में मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश की जा रही थी। आरोपित को पकड़ने के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस के अनुसार, हेड कांस्टेबल मुकेश और सचिन को सूचना मिली कि आरोपित गांव भलस्वा डेरी के इब्राहिमपुर में एक डेरी फार्म पर छिपा हुआ है। टीम ने मौके पर पहुंच आरोपित नितिन यादव उर्फ टीटी को गिरफ्तार कर लिया।

### महाराजा अग्रसेन कॉलेज में नए छात्रों का स्वागत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महाराजा अग्रसेन कॉलेज में शुक्रवार दिन में नए सत्र के विद्यार्थियों के लिए ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य संजीव कुमार तिवारी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नए सत्र के छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना और दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलगीत के साथ की गई। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए अकादमिक जीवन में कॉलेज के स्नातक के दिन बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। स्कूल से कॉलेज की यात्रा की रोमांचक अनुभूतियों में विद्यार्थियों को विचलित हुए बगैर लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। उन्होंने नई शिक्षा के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेल कॉलेज विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त सह शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से भी विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए प्रयासरत है। राजेन्द्र बिष्ट, प्रो. आभा मित्तल, डॉ. इंद्राणी गुप्ता व अन्य लोग भी इस मौके पर मौजूद रहे।

### दिल्ली के ओखला इलाके में अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर, भारी पुलिस फोर्स तैनात

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के ओखला फेज-2 जेजे क्लस्टर में अधिकारियों ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तोड़फोड़ अभियान चलाया। निवासियों ने आरोप लगाया कि वे कई सालों से यहां रह रहे हैं और उन्हें अपना सामान बाहर निकालने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इलाके के निवासी धीरज ने कहा कि उन्हें दो दिन पहले तोड़फोड़ के संबंध में नोटिस मिला था। उन्होंने कहा, "अधिकारी सुबह करीब 10 बजे बुलडोजर लेकर यहां आए। उन्होंने हमें अपना सामान बाहर निकालने का समय नहीं दिया। यहां करीब 50 झुग्गियां तोड़ी जा रही हैं।

हम पिछले कई सालों से इस इलाके में रह रहे हैं।" एक अन्य निवासी अनिल कुमार ने कहा, "पिछले 40 सालों से कई परिवार यहां रह रहे हैं। हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। हमें वैकल्पिक जगह का इंतजाम करने का भी समय नहीं मिला, जहां हम अपना सामान बाहर निकाल सकें। पुलिस के अनुसार, तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराए गए हैं। कार्रवाई अभी भी जारी है। बता दें, 28 अगस्त को दिल्ली नगर निगम ने करोल बाग जोन के अंतर्गत आने वाले देशबंधु गुप्ता रोड इलाके में कोर्ट के आदेश पर कब्जा हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान अवैध कब्जा हटाने के दौरान भारी संख्या में सुरक्षा बल भी तैनात किया गया था। बावजूद इसके स्थानीय लोगों ने सुरक्षा बलों पर पथराव किया, जिसमें सीआरपीएफ की एक महिला सब इंस्पेक्टर को गंभीर चोट आई। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को भी हिरासत में लिया है।

### अधेड़ को पीट-पीट कर मार डाला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शाहदरा के बलबीर नगर में गुरुवार शाम एक शख्स की अज्ञात लोगों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। आरोपियों ने अधेड़ के पैर के नाखून तक उखाड़ दिए। मामले की सूचना मिलने पर पहुंची शाहदरा थाना पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 50 वर्षीय ऋषि अपने परिवार के साथ रोहताश नगर में रहते थे। वह नवीन शाहदरा में ही प्लंबर का काम करते थे। गुरुवार शाम करीब 7.30 बजे बलबीर नगर में रहने वाले सोनू मदान और राजू मदान ने ऋषि को फोनकर अपने घर टंकी ठीक करने के लिए बुलाया। एक घंटे बाद ही ऋषि ने अपने बेटे अनूप को कॉल कर बताया कि उनको बुरी तरह पीटा गया है। जल्दी आकर ले जाओ। अनूप जख्मी हालत में पिता को नवीन शाहदरा स्थित शांति नर्सिंग होम लेकर गया। हालत गंभीर होने पर तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाने को कहा गया, लेकिन वहां समय पर उपचार न मिलने की वजह से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को जीटीबी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि ऋषि को किसने और क्यों पीटा।

# फर्जी ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर बेचने वाले गैंग का खुलासा

**ऋषि तिवारी**

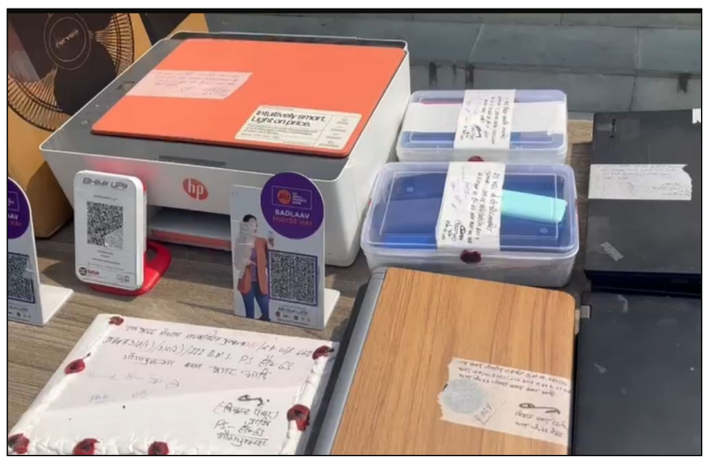

**नोएडा।** सेक्टर–63 नोएडा पुलिस ने फर्जी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एलगो ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर के नाम पर ठगी करने वाले महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह रोबोटेक प्रो आईटी एलएलपी और इंट्रावीजर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम से साफ्टवेयर का फर्जी का प्रचार करके सोशल मीडिया प्लेटफोर्म से शेयर ट्रेडिंग करने वाले लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 33 लैपटॉप, 23 की पैड मोबाइल, 10 एन्ड्रोइड मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किया है। यह कॉल सेंटर खोलकर लोगों से धोखाधड़ी कर रहे थे। एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि तेलंगाना निवासी कामिनी वेनू ने सेक्टर-63 कोतवाली पुलिस से खुद के साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत की थी। इंस्टाग्राम पर उन्होंने कंपनी का विज्ञापन देखा। जिसमें आर्टीफिसीयल इंटेलिजेंस ट्रेडिंग साफ्टवेयर के बारे में बताया गया। प्रलोभन में आकर 35,000 का पैकेज लिया और उनसे तीन बार में 10 लाख रुपये ठग लिए। उनसे दावा किया गया कि कंपनी में उनका पैसा नहीं डूबेगा। पहली बार में दो, तीन और तीसरी बार में उन्होंने पांच लाख का पैकेज लिया, लेकिन हर बार उनका पैसा डूब गया। धोखाधड़ी का शिकार होने का शक होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सेक्टर–63 में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर से झांसी निवासी अमर सिंह बौद्ध, झारखंड निवासी पुरुषोत्तम, छपरा बिहार निवासी प्रमोद और दीपक और दिल्ली के सीलमपुर निवासी एकता को गिरफ्तार किया है। इन कंपनी के डायरेक्टर रोबिन चंदेल, शिवम अग्रवाल, रुपाली अग्रवाल, कंपनी की एचआर प्रेरणा मोर्या, सेल्स मैनेजर शालिनी अभी फरार है।

यह गिरोह शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले लोगों को टारगेट करता था। उन्हें ये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एलगो ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर के जरिए पैसा लगाने का झांसा देते थे। जो शेयर बाजार के विभिन्न टेक्निकल फाइनेंशियल डेटा को एनालाइज करके शेयर चुनता है और फिर उस पर शेयर ट्रेडिंग करता है। इनके द्वारा बनाये गये एलगो सॉफ्टवेयर द्वारा ग्राहकों को मार्केट एनालेसिस करके अधिक से अधिक मुनाफा कमाकर देने का दावा किया जाता था। जिसका प्रचार दोनों कंपनियों के नाम पर करते थे। सॉफ्टवेयर के नाम पर यह फेसबुक और इंस्टाग्राम प्रचार करते और लोग इनके झांसे में आ जाते थे, उनसे वह 14 हजार से एक लाख 20 हजार रुपये तक वसूला करते थे।

साथ ही सॉफ्टवेयर के सर्विस चार्ज के रूप में 11 हजार 999 प्रति माह, 18 प्रतिशत जीएसटी कुल करीब 14000 रुपए प्रति माह के रूप में ले लिया जाता था। यह गिरोह बड़े ही शातिर तरीके से ठगी का पूरा खेल खेलता था। साफ्टवेयर को लॉगिन करने के लिए ग्राहकों को लिंक भेजकर उसका आईडी और पासवर्ड डालवाया जाता था। कंपनी से जुड़ने के बाद शेयर इंडैक्स या लॉट बता दिया जाता था। जो ग्राहक इन लोगों द्वारा भेजे गये सॉफ्टवेयर पर भर देता था। उसे कितनी संख्या में खरीदना है ये भी भर देता था। जिसके बाद सॉफ्टवेयर ग्राहक द्वारा भरे गये डेटा के अनुसार ट्रेडिंग करता था। इसमें कही भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग नहीं होता था।

इसके बाद जब ग्राहक को ज्यादा नुकसान हो जाता था ओर वह कंपनी से अपने पैसे वापस मांगता था। पैसे देने से मना कर दिया जाता था। सॉफ्टेवयर के नाम पर उनसे ठगी की जाती थी।

## सांसद ने किया आशा कार्यकताओं को सम्मानित

**ऋषि तिवारी**

**नोएडा।** शुक्रवार को नोएडा के सेक्टर-3 स्थित आईएमए भवन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित एक विशेष आशा सम्मेलन में जिले की आशा कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर सुनील कुमार शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आशा सम्मेलन के दौरान गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा की आशा कार्यकताओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की भी विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डीपीएम मंजीत कुमार, एसीएमओ डॉक्टर ललित कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉक्टर उबैद कुरेशी और डैम नीरज समेत कई लोग मौजूद रहे।

## जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सर्किल दरों पर आम जनमानस की आपत्तियों को लेकर बैठक

**गाजियाबाद, एजेंसी।** महात्मा गांधी सभागार, जिलाधिकारी/कलेक्टर, गाजियाबाद इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जनपद गाजियाबाद स्थित सम्पत्तियों की सर्किल दरों के पुनरीक्षण को लेकर बैठक हुई। बैठक में प्रस्तावित सर्किल दरों पर दिनांक 13 अगस्त से दिनांक 24 अगस्त 2024 के बीच आम जनमानस हेतु आपत्तियों के लिये आमंत्रित किया गया। जिलाधिकारी/कलेक्टर, गाजियाबाद इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा प्रस्तावित सर्किल दरों पर आपत्तिकताओं द्वारा प्रेषित आपत्तियों को व्यक्तिगत रूप से सुना गया। उक्त आपत्तियों के माध्यम से आपत्तिकताओं द्वारा अपनी-अपनी आपत्तियों के सम्बन्ध में तथ्य प्रस्तुत किये गए। जिलाधिकारी/कलेक्टर, गाजियाबाद द्वारा समस्त आपत्तिकताओं की आपत्तियों को सुनने के उपरान्त समस्त उप निबंधक जनपद गाजियाबाद को निर्देशित किया गया कि उक्त आपत्तियों पर गहनता से विचार कर शीघ्र ही निस्तारण आख्या जिलाधिकारी/कलेक्टर, गाजियाबाद के समक्ष प्रस्तुत की जाए, जिससे जनपद गाजियाबाद स्थित सम्पत्तियों की सर्किल दरों को अन्तिम रूप से प्रभावी किया जा सके। बैठक में एडीएम एलए विवेक मिश्र, सहायक महानिरीक्षक निबंधन पुष्पेन्द्र कुमार, एसडीएम सदर अरूण दीक्षित, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित आपत्तिकर्ता उपस्थित रहे।

## श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य) में ओरिएंटेशन कार्यक्रम

**दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल महाविद्यालय ( सांध्य) ने अपने नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया।**

**नई दिल्ली।** कॉलेज के प्राचार्य प्रो.नचिकेता सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कॉलेज में अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालयी जीवन से आपका परिचय कराना होता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आपको श्यामलाल कॉलेज (सांध्य) के इतिहास, उसकी संगठनात्मक संरचना, कॉलेज में प्राप्त शिक्षा के लाभ का मूल्यांकन करने के साथ ही, यहाँ की नीतियाँ से अवगत होने में मदद मिलेगी। आज का यह अभिमुखी कार्यक्रम कॉलेज प्रशासन और नए विद्यार्थियों के बीच आपसी संबंध को विकसित करने का निमित्त मात्र है। आज हम आमने- सामने बैठकर एक झुदूसरे को जानने की कोशिश करें, यही इसका उद्देश्य है। उन्होंने आगे शिक्षा को जीवन से जोड़ते हुए कहा कि जीवन में कामयाबी हर व्यक्ति का सपना होता है, जिसे पूरा करने के लिए कठिन परिश्रम एवं अनुशासन की बहुत जरूरत होती है।

इस कॉलेज की खासियत है कि हम अपने यहाँ के अनुशासनात्मक माहौल को जीवंत,सौहार्दपूर्ण और समावेशी बनाने के लिए हमेशा हर संभव कोशिश करते हैं। अतः आप सभी नवागन्तुक विद्यार्थियों से कॉलेज प्रशासन अपेक्षा करता है कि आप कॉलेज के इस माहौल को बनाये रखने में हम सबका सहयोग करेंगे। क्योंकि शिक्षा का मतलब सिर्फ. ज्ञान और कौशल को हासिल करना ही नहीं होता , बल्कि यह हमें ऐसे जीवन के लिए तैयार भी करती है,जो समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में काम आए। यही सोच भविष्य में आपके बहुत काम आएगी, चाहे आप उच्च शिक्षा प्राप्त करें या अपने पसंद के कार्यक्षेत्र में काम करें।

यही वजह है कि हम सभी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए पाठ्येतर गतिविधियों के महत्व को समझते हैं,इसीलिए हम अपने विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए हमेशा प्रोत्साहित करते हैं। कॉलेज के पुस्तकालय इंचार्ज के साथ सभी कमेटियों के कन्वेनरों ने अपनी अपनी कमेटियों की विशेषताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में मंचासीन प्रो. अनिल राय और प्रो.प्रमोद कुमार ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए भविष्य की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में सभी संकायों के प्रभारी और शिक्षक,नॉन-टीचिंग स्टाफ के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

## किसानों का अनिश्चितकालीन धरना जारी, एसीईओ ने प्रतिनिधियों के साथ की वार्ता

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** प्राधिकरण दफ्तर पर पिछले लगभग तीन माह से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसानों के प्रतिनिधियों के साथ एसीईओ ने वार्ता की। इस दौरान सभी किसानों को अतिरिक्त मुआवजा, आबादी भूखंड, लीजबैक आदि मुद्दों पर हुई चर्चा सकारात्मक रही। एसीईओ ने प्राधिकरण स्तर से जुड़ी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। हालांकि किसानों का धरना जारी रहेगा। समस्याओं के समाधान होने के बाद ही धरना समाप्त करने का ऐलान किया है। बता दें कि भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के नेतृत्व में जमीन अधिग्रहण से प्रभावित डाढ़ा, सिरसा, मायचा, ऐच्छर, साकीपुर और जुनपत समेत 48 गांवों के किसान पिछले 7 जून से धरने पर बैठे हुए हैं। दो बार ट्रैक्टर मार्च और कई दौर की वार्ता के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। किसान पुश्तैनी-गैर पुश्तैनी का भेद खत्म करने, जमीन अधिग्रहण के एवज में 10 फीसदी आबादी भूखंड, 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा, लीजबैक और रोजगार आदि मांग कर रहे हैं।

किसानों को मनाने के लिए सीईओ रवि कुमार एनजी के निर्देश पर प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मायचा और डाढ़ा गांव के किसानों के मुद्दे पर प्रमुखता के आधार पर चर्चा की गई। एसीईओ ने सभी नीतिगत समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

## पुलिस ने रॉ के फर्जी डीआईजी को किया गिरफ्तार

**ऋषि तिवारी**

**नोएडा।** सेक्टर–49 कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को खुद को 2000 बैच का आईपीएस अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह एक नोएडा के होटल में ठहरा हुआ था और बिल देने के नाम पर उसने रॉ में डीआईजी होने का दावा किया और पैसे देने से इनकार कर दिया। शक होने पर होटल के मैनेजर ने पुलिस को सूचना दी तो पूरा मामला खुलकर सामने आया और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी इंद्रनील रॉय के रूप में की है।इंद्रनील अपनी पत्नी और बच्चे के साथ एक सेक्टर–51 स्थित एक होटल में रुका हुआ था। होटल प्रबंधन ने चेक-आउट के समय बिल का भुगतान करने को कहा, तो उसने खुद को आईपीएस ?अधिकारी बताया। उसने खुद को रॉ में डीआईजी के पद पर तैनात होने का दावा किया। होटल के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों को उसने एक फर्जी आई कार्ड भी दिखाया। पैसे न देकर वह बार–बार होटल के कर्मचारियों को अपने पद का रौब दिखा रहा था। फर्जी आईपीएस से बार–बार होटल का बिल मांगने पर उसने कर्मचारियों को अच्छी नौकरी लगवाने का भी झांसा दिया। सही पैसे मिलने पर उनकी सरकारी नौकरी लगवा सकता है। होटल के मैनेजर की सूचना पर पुलिस होटल पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि वह पहले एक ट्रांसपोर्ट का बिजनेस करता था। कुछ साल से उसके बिजनेस में मुनाफा नहीं हो रहा था।

## सीवर ओवर फ्लो और डेमेज सीवर लाइन की समस्या के लिए प्रबंधक से मिले आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे

**नोएडा** सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में सीवर ओवरफ्लो एवं सीवर लाइन डेमेज होने की समस्या को लेकर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे जल तृतीय के प्रबंधक पीपी सिंह से मिले और समस्याओं से संबंधित पत्र उनको सौंपा। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि लगभग ढाई महीने से लगातार सीवर ओवरफ्लो की समस्या पॉकेट 7 में चल रही है लेकिन औपचारिकता के अलावा कोई ठोस उपाय नहीं किया गया जिसके चलते जगह जगह सीवर जाम और उससे

निकलती गंदगी से लोगों का जीना दूभर हो गया। दो माह की औपचारिकता के बाद प्राधिकरण कर्मियों ने बताया कि ब्लॉक 16 और 17 के पार्क में पेड़ की जड़ों के कारण सीवर लाइन डेमेज हो गई है जिसके लिए तुरंत पत्र दे दिया गया लेकिन फिर भी कुछ नहीं हुआ और बताया गया कि इसकी फाइल बन गई है। अब अगर 8 से 10 मीटर सीवर लाइन का टेंडर होता है तो इसको बनने में तो पूरा एक साल लग जाएगा तब तक क्या पॉकेट के लोग नार्कीय जीवन जीने को विवश होंगे। ब्लॉक 14 का पार्क तो सीवर के पानी से भरा हुआ है जिसमें मच्छर पनप रहे हैं जिससे महामारी फैल सकती है जिसकी जिम्मेदारी प्राधिकरण की होगी।

## गाजियाबाद में तीन करोड़ की घड़ियों की चोरी चादर गैंग ने चुराई, दो बदमाश गिरफ्तार

**गाजियाबाद, एजेंसी।** इंदिरापुरम में 10 अगस्त की रात घड़ी के शोरूम का शटर उखाड़कर तीन करोड़ की कीमत की घड़ियां चोरी करने की घटना का क्राइम ब्रांच, स्वाट टीम और इंदिरापुरम पुलिस ने बृहस्पतिवार को खुलासा किया है। बिहार के घोड़ासहन के चादर गैंग के 10 बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने गिरोह के दो बदमाशों संतोष कुमार जायसवाल और रोहित कुमार पासवान को गिरफ्तार कर उनके पास से 46.36 लाख की कीमत की 125 ब्रांडेड घड़ियां बरामद की हैं। आठ फरार बदमाशों की तलाश के लिए टीमें लगी हैं। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि बिहार के मोतिहारी के घोड़ासहन निवासी संतोष और रोहित ने पूछताछ में बताया कि वे पहले मुर्गा मछली फ्राई करने की रेहड़ी लगाते थे लेकिन ज्यादा कमाई नहीं होने के कारण काम छोड़ दिया। घोड़ासहन में चोरी करने के कई गिरोह चलते हैं जो अलग-अलग राज्यों में घटनाएं करते हैं। संतोष ने बताया कि उसकी मुलाकात सचिन व सिराज से हुई और उनके साथ काम करने लगा। पूर्व में उसने सिराज के गैंग के साथ उत्तराखंड के ज्वालापुर हरिद्वार में मोबाइल के शोरूम में वारदात की थी। जिसमें गिरोह के नौ सदस्य गिरफ्तार हुए। वह फरार था तो उस पर एक लाख का इनाम भी रखा गया था। जिसके बाद वह पकड़ा गया। जेल से बाहर आने के बाद फिर से गिरोह बनाकर बनाकर वारदात करने लगे।

## एयरपोर्ट के पास स्थायी पशु पुर्नवास केंद्र बनेगा

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 10 हेक्टेयर में स्थायी पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र का निर्माण होगा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने केंद्र की भूमि की लीज 30 साल के लिए बढ़ा दी है। केंद्र में ही एयरपोर्ट से प्रभावित होने वाले वन्यजीवों के सरंक्षण के इंतजाम किए जा सकेंगे। प्राधिकरण ने प्रभागीय वनाधिकारी से केंद्र के निर्माण को लेकर टेंडर की प्रगति रिपोर्ट भी मांगी है। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण शुरू होने से पहले वन्य जीव संस्थान देहरादून से एक अध्ययन करवाया गया था। एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर क्षेत्र में आने वाले जीव-जंतुओं के संरक्षण पर रिपोर्ट मांगी गई थी। इस इलाके के वन्यजीवों के संरक्षण की योजना और उनकी संख्या को भी जाना गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि जेवर में 258 काले हिरण और 176 सारस हैं। एयरपोर्ट निर्माण के चलते इनका पारिस्थितिकी तंत्र बिगड़ेगा। इसके चलते इनके संरक्षण की जरूरत है। सेक्टर-17ए में धनौरी वेटलैंड के पास वन्य जीव संरक्षण केंद्र बनाने की योजना बनी थी। पहले इसे पांच वर्ष के लिए अस्थायी तौर पर विकसित किया जाना था। इसके बाद वन्य जीवों का दूसरी जगह पर विस्थापन किया जाता, लेकिन अब प्राधिकरण ने जमीन की लीज को 30 वर्ष तक बढ़ा दिया है। इससे यहां पर स्थायी पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र बन सकेगा। इसके लिए प्राधिकरण ने जुलाई 2023 में ही अपने हिस्से की पांच हेक्टेयर भूमि वन विभाग को दे दी है। अन्य पांच हेक्टेयर भूमि पहले से ही वन विभाग के पास मौजूद है। यह जमीन धनौरी वेटलैंड से लगी हुई है।

## एक नजर

### गाजियाबाद में मायके आई नवविवाहिता प्रेमी संग हो गई फरार, नामजद रिपोर्ट दर्ज

**गाजियाबाद, एजेंसी।** मोदीनगर की एक कॉलोनी में मायके आई नवविवाहिता प्रेमी के साथ फरार हो गई। परिजनों ने खोजबीन के बाद प्रेमी और उसके तीन साथियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। नगर की एक कॉलोनी निवासी युवती की शादी बीते मार्च को मेरठ के परतापुर स्थित एक गांव निवासी युवक के साथ हुई थी। नवविवाहिता पहली तीज पर अपने मायके आई थी। गत चार अगस्त को नवविवाहिता अचानक लापता हो गई। मायके और ससुराल वालों ने नवविवाहिता की काफी तलाश की लेकिन, कोई पता नहीं लगा। परिजनों ने बागपत के रटौल निवासी प्रेमी अंकित व उसके तीन साथियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि अंकित, आशीष, शेखर और राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लापता की तलाश शुरू कर दी है।

### अनुसंधान और परियोजनाओं पर चर्चा की

**नोएडा, एजेंसी।** रेलवे मंत्रालय के रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के एमडी जी वी एल सत्या कुमार ने एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने रेलवे माल ढुलाई, सिग्नलिंग, रेलवे आरक्षण से संबंधित एआई और डेटा विज्ञान के क्षेत्र में शोधार्थियों और छात्रों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं परियोजनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला, डॉ. डब्ल्यू सेल्वामूर्ति और डॉ. बी के मूर्ती ने उनका स्वागत किया। इस दौरान डॉ. डब्ल्यू सेल्वामूर्ति ने एमिटी शिक्षण समूह के शोधार्थियों और वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अनुसंधान, पेटेंट, तकनीकी हस्तातंरण की विस्तृत जानकारी अधिकारियों को दी।

### गाजियाबाद में नगर निगम की टीम पर डंडा लेकर दौड़ी महिला, जमकर हुआ हंगामा

**गाजियाबाद, एजेंसी।** नगर निगम के प्रवर्तन दस्ते ने सिटी जोन में तीन स्थानों पर अतिक्रमण अभियान चलाया। चौधरी मोड़ पर चर्च के सामने फुटपाथ पर रखे पुराने फर्नीचर को हटाने पहुंची टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। यहां एक महिला ने हंगामा कर दिया। प्रवर्तन दस्ते को देखकर कार्रवाई रोकने के लिए महिला डंडा लेकर दस्ते की ओर दौड़ पड़ी।

काफी देर तक टीम के लोग उसे समझाते रहे। इसके बाद टीम ने पुराने फर्नीचर को फुटपाथ से हटा दिया। प्रवर्तन दस्ते में शामिल सिटी जोन के कर अधीक्षक राम बली पाल ने बताया कि पहले भी यहां अतिक्रमण हटाया गया था। नोटिस के बाद भी दोबारा अतिक्रमण करने पर यह कार्रवाई की गई। इसके अलावा नेहरूनगर स्थित नासिरपुर फाटक के पास एक मार्बल की दुकान के सामने रखे पत्थरों से हो रहे अतिक्रमण को हटाया गया। इसकी शिकायत 311 एप पर की गई थी। सुशीला मॉडल स्कूल के पास एक व्यक्ति ने सड़क पर दरवाजा खोल दिया था। इसकी शिकायत एक अधिवक्ता द्वारा की गई थी। मौके पर पहुंचकर दरवाजा बंद करने के लिए कहा गया। दरवाजा बंद करने के लिए तीन दिन का लिखित समय मांगने पर कार्रवाई को टाल दिया गया। तीन दिन में यदि दरवाजा बंद नहीं किया जाता है कार्रवाई की जाएगी।

### परिषदीय विद्यालयों में चलेगा स्वच्छता पखवाड़ा

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** परिषदीय विद्यालयों को साफ बनाने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जाएगा। इस दौरान सभी शिक्षक और छात्र मिलकर विद्यालय की साफ-सफाई करेंगे। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। परिषदीय विद्यालयों में हर वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जाता है। इस बार एक सितंबर से परिषदीय विद्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा शुरू किया जाएगा। जनपद में 511 परिषद विद्यालय है। इस दौरान 15 दिनों तक साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन 15 दिन सभी छात्र और शिक्षक मिलकर विद्यालय की साफ-सफाई करेंगे, जिससे विद्यालय का वातावरण और साफ हो सकेगा। इस दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी भी विद्यालयों में जाकर बच्चों को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करेंगे, जिससे वह विद्यालय ही नहीं अपने घर के आसपास भी साफ सफाई पर ध्यान दें। साथ ही वह भी विद्यालयों में जाकर साफ-सफाई में सहयोग करेंगे। खंड शिक्षा अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। जिसके लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए।

### अंतर विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** फादर एग्नेल विद्यालय के सतरंग सभागार में अंतर विद्यालय प्रतियोगिता एग्नेल सवोय फेयर का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम लिंग्वेशियस 2.0 थी। एग्नेल सवोइर फेयर लिंग्वैशियस 2.0, एक भव्य साहित्यिक उत्सव, बड़े उत्साह और जोश के साथ आयोजित किया गया। उत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि, जेबीएम ग्लोबल स्कूल, नोएडा एक्सटेंशन की प्रिंसिपल डॉ. उपमा अरोड़ा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत एक मनमोहक प्रार्थना नृत्य से हुई, जिसने एक शांत और श्रद्धापूर्ण स्वर स्थापित किया, इसके बाद एक मधुर फ्रेंच स्वागत गीत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में 12 प्रमुख स्कूलों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन फादर एग्नेल स्कूल के प्रिंसिपल जीन पॉल डियाज द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

### ग्रेटर नोएडा में बसपा नेता के बेटे की हत्या के मामले में दोस्त को आजीवन कारावास

**नोएडा, एजेंसी।** गौतमबुद्ध नगर की जिला अदालत ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता के बेटे की हत्या के लगभग दो साल पुराने मामले में उसके दोस्त को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। जिला शासकीय अधिवक्ता ब्रह्मजीत भाटी ने बताया कि जिला जज अविनाश सक्सेना ने बृहस्पतिवार को मामले में सुनवाई पूरी करते हुए प्रवेश भाटी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि सूरजपुर पुलिस थाना क्षेत्र में 11 फरवरी 2022 को पल्ला गांव के निवासी राहुल भाटी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और उसका शव जुनपत गांव के जंगल से बरामद किया गया था। राहुल, बसपा के समन्वयक (मेरठ जोन) रह चुके हरगोविंद भाटी के बेटे थे। ब्रह्मजीत ने बताया कि पुलिस ने हत्या के कुछ दिन बाद ही राहुल के दोस्त प्रवेश भाटी को गिरफ्तार कर लिया था और हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्तौल और मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई थी। अदालत ने पुलिस द्वारा दाखिल आरोपपत्र, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, गवाहों के बयान और दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद बृहस्पतिवार को फैसला सुनाया।

### आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** न्यायालय के आदेश पर दादरी कोतवाली में दर्ज हुए धोखाधड़ी के एक मुकदमे में पीड़ित ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने पर पीड़ित शुक्रवार को डीसीपी कार्यालय पहुंचा। पीड़ित ने पुलिस के अधिकारियों से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। अधिकारियों ने पीड़ित को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। नोएडा के छालेरा गांव के रहने वाले योगेंद्र सिंह ने बताया कि उसके साथ कुछ दिनों पहले नूरपुर गांव के कुछ लोगों ने जमीन को लेकर धोखाधड़ी की थी। इस प्रकरण में पीड़ित ने न्यायालय के आदेश पर दादरी कोतवाली में छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित का आरोप है कि मुकदमा दर्ज हुए तीन महीने बीत गई है, लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### घाघरा नदी का कहर: खतरे में माथुरपुर गांव का वजूद, कटान रोकने के प्रयास तेज, ग्रामीणों का पलायन शुरू

**लखीमपुर खीरी।** लखीमपुर खीरी के धौरहरा क्षेत्र में माथुरपुर-सुजानपुर, कुर्तैहिया गांवों को बचाने की परियोजना कटने से माथुरपुर गांव का वजूद खतरे में पड़ गया है। गांव के 400 परिवार मुश्किल में हैं। ग्रामीणों ने पलायन शुरू कर दिया है। हालांकि बाढ़ खंड तेजी से कटान रोधी कार्य करने में जुटा है। बचाव कार्य की निगरानी एसडीएम खुद कर रहे हैं। धौरहरा तहसील के ब्लॉक रमियाबेहड़ के गांव माथुरपुर, सुजानपुर, कुर्तैहिया गांवों को बाढ़ व कटान से बचाने के लिए पांच करोड़ रुपये से बाढ़ खंड ने बांध बनाया था। यह परियोजना पहली बारिश में ही घाघरा नदी के बहाव में बह गई।

कटान रोधी कार्य में जुटे 200 मजदूर

बांध कटने से माथुरपुर गांव के चार सौ परिवार मुश्किलों में घिर गए हैं। ग्रामीणों अपने घरों को तोड़कर जरूरी सामान लेकर पलायन कर रहे हैं। उधर, गांव को बचाने के लिए बाढ़ खंड 200 मजदूरों और छह जेसीबी लगाकर कटान रोधी कार्य तेज किया है।

निगरानी में एसडीएम राजेश कुमार, तहसीलदार आदित्य विशाल, नायब तहसीलदार व राजस्व टीम लगी है। एसडीएम राजेश कुमार ने बताया कि वह खुद दो दिन से गांव में रात रूककर कटान रोधी कार्य देख रहे हैं। बाढ़ खंड अधिकारी भी रात भर बचाव कार्य करा रहे हैं।

एक्सईएन बाढ़ खंड शारदा नगर अजय कुमार ने बताया कि गांव को बचाने के लिए वृहद स्तर पर कटान रोधी कार्य हो रहा है। बहाव तेज होने से परेशानी हो रही है। टहारा ग्राम पंचायत और आंशिक सोहरिया गांव के सिरसी नकहिया, लौखनिया जटपुरवा और भूलनपुर के करीब 70 किसानों की 120 एकड़ जमीन फसलों समेत नदी में समा चुकी है। इसकी सूचना के बाद भी इस गांव में कोई बचाव कार्य शुरू नहीं हुआ। ग्रामीण विनोद कुमार, संजय कुमार, बनवारी लाल, बिश्वभर, गार्गी प्रसाद आदि ने बताया कि सूचना के बाद भी अब तक कोई अधिकारी गांव नहीं पहुंचा।

### बहराइच में पुल से लटकी यात्रियों से भरी बस, स्थानीय लोगों ने बचाई जान

**बहराइच ।** बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत रखौना गांव के पास सरयू नहर पर बने पुल पर यात्रियों से भरी बस लटक गई। बस में सवार यात्रियों की सांसे थम गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए किसी तरह बस को नियंत्रित किया। इस दौरान एक बालक पानी में गिर गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने छलांग लगाकर बालक को डूबने से बचाया।

आसपास के लोगों ने दौड़कर राहत बचाव का कार्य शुरू किया। डबल डेकर बस एन एल 02 बी 3021 दिल्ली से सवारी लेकर महसी की ओर जा रही थी। बस में करीब 40 से 50 यात्री सवार थे। स्थानीय लोगों ने सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद जेसीबी मशीन मंगवा कर बस को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की असल वजह पुल की दोनों टूटी हुई रेलिंग व सकरा पुल बताया जा रहा है। उग्रसेन सिंह चौहान 'बंधु' , मनोज बाजपेई, मैनुदीन शाह सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि पुल की टूटी हुई रेलिंग के बारे में कई बार पीडब्ल्यूडी व नहर विभाग के अधिकारियों सहित एसडीएम को शिकायती पत्र सौंपकर मरम्मत कार्य करवाने की मांग की गई है लेकिन विभाग की ओर से कोई अमल नहीं किया गया। बीते चार माह पूर्व भी एक बोलेरो कार पुल से नीचे नहर में गिर गई थी। स्थानीय लोगों की मांग है की पुल की टूटी हुई रेलिंग को दुरुस्त कराया जाए साथ ही सकरे पुल को चौड़ा कराया जाय जिससे हादसा होने से बच सके।

### मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस में कल मुफ्त यात्रा, रविवार से लेना होगा टिकट

**बरेली।** रेलवे ने 22490/22491 मेरठ-लखनऊ-मेरठ वंदे भारत एक्सप्रेस की किराया सूची जारी कर दी है। शनिवार को पहले दिन मेरठ-लखनऊ के बीच अतिथि यात्रियों को मुफ्त यात्रा कराई जाएगी। रविवार से 22491 लखनऊ-मेरठ और सोमवार से 22490 मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित संचालन शुरू कर दिया जाएगा। शुक्रवार को आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर ट्रेन अपडेट होने के बाद टिकट बुकिंग शुरू हो गई है।

पीएम मोदी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। बरेली जंक्शन पर भी इसका लाइव प्रसारण किया जाएगा। इस ट्रेन का ठहराव मेरठ-लखनऊ के बीच सिर्फ मुरादाबाद और बरेली जंक्शन पर रहेगा। वंदे भारत एक्सप्रेस 560 किमी दूरी सात घंटे 10 मिनट में तय करेगी।

शुक्रवार से टिकट बुकिंग शुरू

देहरादून-लखनऊ के मुकाबले मेरठ-लखनऊ वंदे भारत की औसत रफ्तार करीब 15-20 किमी प्रति घंटा ज्यादा होगी। शुक्रवार को बुकिंग शुरू होने के बाद पांच सितंबर के बाद की तारीखों में तेजी से सीटें बुक हो रही हैं।बरेली जंक्शन पर ट्रेन के स्वागत की तैयारियों के मद्देनजर डीआरएम आरके सिंह ने निर्देश जारी किए हैं। दरअसल, शनिवार को जंक्शन पर पुलिस भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों के अलावा आला उर्स में आने-जाने वाले जायरीन की भी भीड़ होगी। इसके मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए गए हैं।

### रईस हत्याकांड में हुआ खुलासा: पत्नी निकली कातिल, मोहब्बत में आड़े आया पति तो सुपारी देकर करा दी हत्या

**बिजनौर।** उत्तर प्रदेश के बिजनौर में पुलिस ने रईस हत्याकांड का खुलासा मात्र 24 घंटे के भीतर कर दिया। रईस की पत्नी ने अपने प्रेमी से मिलकर पति की सुपारी देकर हत्या कराई। नजीबाबाद के मथुरापुर मोर क्षेत्र में स्टोन क्रेशर के निकट 28 अगस्त की सुबह अधेड़ उम्र व्यक्ति का चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। उसका शव लहूलुहान अवस्था में पड़ा मिला था। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल कर पुलिस ने न केवल अज्ञात शव की पहचान की, बल्कि 24 घंटे के भीतर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। सुल्तानपुर आदमपुर लक्सर निवासी रईस की हत्या उसकी ही पत्नी दिलशाना ने प्रेमी जावेद अली के साथ मिलकर सुपारी देकर कराई। सीओ देश दीपक सिंह थाना प्रभारी संजय कुमार तोमर ने घटना के 24 घंटे बाद सनसनी खेज हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस ने मृतक की पत्नी दिलशाना, प्रेमी जावेद अली और किराए के दो हत्यारों कैथल पथरी निवासी अब्दुल वाहिद, और पथरी हरिद्वार निवासी आकाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

# सपा-बसपा के धन्यवाद और आभार में नई सियासत की आहट तो नहीं! भाजपा सतर्क, हर बयान पर रख रही नजर

**लखनऊ।** सपा और बसपा के प्रमुखों के बीच आभार व धन्यवाद ने प्रदेश के सियासी गलियारों में नई अटकलों को हवा दे दी है। इसे सपा-बसपा के बीच तल्खी कम होना ही नहीं, बल्कि प्रदेश में बनने वाले नए समीकरणों के तौर पर भी देखा जा रहा है। भाजपा का मानना है कि दोनों दलों के बीच ये नरमी बेवजह नहीं है। दोनों दलों के बीच पनपा ये प्रेम आने वाले समय में भाजपा के लिए परेशानी की वजह बन सकता है।

राजनीतिक विश्लेषक भी दो धुर-विरोधी दलों के बीच शुरू हुए संवाद को प्रदेश की सियासत में नए पदचाप के तौर पर देख रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा के एक विधायक के बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया और फिर बसपा अध्यक्ष मायावती का उस पर आभार जताना शिष्टाचार भर नहीं है। सवाल उठ रहा है कि क्या फिर यूपी की राजनीति नया मोड़ लेने वाली है। बसपा प्रमुख ने सपा या कांग्रेस के साथ गठबंधन से इन्कार तो किया है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि राजनीति में कुछ भी संभव है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों और यूपी में बने हालात को देखते हुए अखिलेश व मायावती के बीच संवाद को दोनों दलों के बीच तल्खी कम होने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अटकलें लगने लगी हैं कि यूपी में इंडिया गठबंधन का विस्तार होने जा रहा है।

**कैसे शुरू हुआ सपा-बसपा में संवाद...**मथुरा की मांट सीट से भाजपा के विधायक और पार्टी प्रवक्ता राजेश चौधरी ने मायावती के खिलाफ बयान दिया। इस पर अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई। फिर मायावती ने उनको धन्यवाद किया। इसके बाद अखिलेश ने आभार जताया। यही नहीं, मायावती ने अखिलेश के बयान को अपने ईमानदार होने का प्रमाण बताते हुए भाजपा विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

**फिर भी सपा-कांग्रेस पर किया हमला...**मायावती ने इस सब के बीच यह भी कहा कि सपा-कांग्रेस सिर्फ अपने फायदे के लिए एससी-एसटी आरक्षण का समर्थन कर रही हैं।

ये किसी की हितैषी नहीं है। इसके बाद भी माना जा रहा है कि दोनों पार्टी के मुखिया के बीच हुए संवाद के आधार पर दोनों दलों में बात शुरू हो सकती है। वैसे भी स्टेट गेस्ट हाउस कांड के बाद किसने सोचा था कि बसपा कभी सपा के साथ गठबंधन करेगी। लेकिन, 2019 में दोनों मिलकर लोकसभा चुनाव लड़े।

**भाजपा सतर्क, हर कदम-हर बयान पर है नजर...**सपा-बसपा के बीच शुरू हुए संवाद को लेकर भाजपा भी सतर्क है। पार्टी के रणनीतिकार दोनों दलों की हर गतिविधि पर नजर रखे हैं। सूत्रों का कहना है कि सपा-बसपा के साथ आने की संभावना बेशक ना के बराबर है, लेकिन भाजपा में उनके हर कदम और बयान पर नजर रख रही है।

## कितने सुरक्षित हैं अस्पताल: स्वास्थ्य केंद्र में दारू पार्टी कर रहा था डॉक्टर

**भदोही।** ज्ञानपुर के सुरियावां सीएचसी अंतर्गत करियावं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंदर रात के समय स्वास्थ्यकर्मी जाम छलकाते दिखे। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग में खलबली मच गयी। वायरल वीडियो में अस्पताल के फार्मासिस्ट और चौकीदार के साथ गांव के ही कुछ लोग बैठकर शराब पी रहे हैं। मामले में दो सदस्यीय जांच टीम का गठन कर दिया गया है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए जिले में कुल 17 प्राथमिक स्वास्थ्य हैं। जहां अक्सर कभी डॉक्टर के न बैठने, साफ-सफाई और लापरवाही के मामले सामने आते रहते हैं। बीती शाम अचानक सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने लगा। जिसमें सुरियावां सीएचसी के करियावं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंदर चार लोगों के शराब पीने का मामला सामने आया। वायरल वीडियो तीन दिन पुरानी बताई जा रही है, जिसमें अस्पताल के फार्मासिस्ट और चौकीदार के साथ गांव के ही कुछ लोग बैठकर शराब पीते देखे गए। बीती शाम जब इसका वीडियो वायरल हुआ तो स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। लोगों का कहना था कि जिसके जिम्मे मरीजों की देखभाल करने की जिम्मेदारी है, जब वहीं नशे में धुत रहेंगे तो किस लिहाज से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का दावा किया जा रहा है।

## सपा नेता विकार हत्याकांड: छठवें दोषी मुशीर को उम्रकैद

**अलीगढ़।** अलीगढ़ के छर्रा क्षेत्र की राजनीतिक-आपराधिक वर्चस्व की रंजिश के बहुचर्चित सपा नेता विकार हत्याकांड में छठवें दोषी मुशीर को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। दोषी करार दिए जाने के दिन फरार हुए मुशीर के खिलाफ अदालत ने वारंट जारी किए थे। वारंट के आधार पर पुलिस टीम उसे महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लाई थी। मामले में सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार सिंह अदालत में उसे पेश किया गया और उम्रकैद के साथ-साथ बीस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। इस मामले में पांच दोषियों को पहले सजा सुनाई जा चुकी है।

घटना 6 मई 2006 की है। वादी मुकदमा बरला के गांव परौरा निवासी मकदूम के अनुसार शाम करीब पौने पांच बजे वह अपने छोटे भाई सपा नेता व पूर्व सपा विधायक वीरेश यादव के करीबी विकार के साथ कस्बा छर्रा बाजार में काम से आए थे। यहां से वह मो. पठानान से होकर निकल रहे थे, तभी मुशीर व नसीम उन्हें मिले और वह विकार को बातों में लगाकर अपने घर की गली में ले गए। जहां घात लगाए अन्य नामजद मुजाहिद गुड्डू, खालिद, शान मियां, जावेद बैठे थे और इन्होंने एकराय होकर भाई का कत्ल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना के आधार पर आरोपियों पर दो बार में चार्जशीट दायर की। न्यायालय में लंबे समय तक सत्र परीक्षण चला, जिसमें साक्ष्यों व गवाही के आधार पर 12 जुलाई को सभी छह आरोपी दोषी करार दिए गए। उसी दिन मोहल्ला पठानान का मुशीर कोर्ट के बाहर से फरार हो गया था। 16 जुलाई को बाकी पांच को सजा सुनाई गई और मुशीर के खिलाफ वारंट जारी किए गए। उसे पुलिस ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया था।

## जिले के दो बड़े कारोबारियों पर सरकार की टेढ़ी नजर

द न्यूज फिफ्टीन

**बिजनौर।** जिले के मुख्य कारोबारी राम दर्शन अग्रवाल उर्फ जग्गू सेठ के ठिकानों पर जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की टीम ने छापामार कार्रवाई की जिससे जनपद के बड़े कारोबारी में हड़कंप मच गया जनपद में प्रॉपर्टी सहित अरबों रुपये का काला कारोबार कर करोड़ों रुपये सरकार को टैक्स का चूना लगाने वाले जिले के बड़े कारोबारियों की धड़कनें जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की टीम की जग्गू सेठ के यहां छापेमारी से धड़कनें तेज हो गई हैं।

सूत्रों की माने तो जल्दी ही जिले के दो बड़े प्रोपर्टी डीलरों कॉलोनी नाईजरों और बड़े कारोबारी पर गाज गिर सकती है। इन बड़े व्यापारियों की जिले के हर कोने में संपत्ति है। इनका शुमार जिले के बड़े व्यापारियों में है जिले का हर व्यक्ति इनकी संपत्ति का आकलन भी नहीं कर सकता है। कुछ लोग दबी जुबान में कहते हैं कि यह बेनामी संपत्ति इनके पास कितने कम समय में कैसे हो गई पर यह बात अभी तक गर्भ में छुपी हुई है। यदि योगी जी इन कारोंबारियों की कुंडली को खंगाल ले तो इनकम टैक्स और जीएसटी अधिकारियों को इनकी बेनामी सम्पति से अर्जित काले धन को गिनने लिए कई नोट गिनने वाली मशीन लगानी पड़ेगी इनमें से एक कॉलोनीनाईजर जिले के एक बैंक मे संविदा कर्मी के रूम में लगा था और मात्र इसकी तनख्वाह दो से तीन हजार मासिक थी परंतु अपनी चतुराई के बल पर वह बैंक में संवैधानिक पद पर बैठ गया इस कर्मी की जिले के चारों कोनों पर अरबों रुपेय की प्रॉपर्टी है। वहीं दूसरे बड़े कारोबारी ने अपनी शुरूआत भट्ट के व्यवसाय से की थी आज इस छोटे व्यापारी की गिनती जिले के बड़े कारोबारी के रूप में अरब खरब पति में होती है इतना पैसा इतने कम समय में तो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया भी नहीं छाप सकता जितना पैसा इन दोनों व्यापारियों ने बहुत कम समय में बना लिया इस कॉलोनाइजर के घर का छोटे से छोटा फंक्शन भी दिल्ली के पाँच सितारा होटल में होता है जहां शराब के साथ आपको पता है की किस चीज का आनंद लिया जाता है सपा सरकार में अखिलेश यादव के बेहद करीबी कानपुर के जैन बंधु कारोबारी पर योगी सरकार का चाबुक चला था उस समय जिले के एक बड़े व्यापारी का नाम भी कानपुर के जैन बंधुओ से जोड़ा जा रहा था परंतु सरकार में बैठे कुछ आकाओ के इशारे पर यह बच निकला था इसलिए इनकम टैक्स और जीएसटी खुफिया तंत्र की नजर से यह बड़ा व्यापारी बचने में कामयाब रहा था परंतु जिले के बड़े कारोबारी रामदर्शन अग्रवाल जग्गू सेठ के यहां जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) छापेमारी कायेवाही को देखकर लगता है।

## लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर सांड़ से टकराकर पलटी बस, 18 श्रद्धालु घायल, दो गंभीर

**शाहजहांपुर** शाहजहांपुर के भावलखेड़ा क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाइवे पर हरदोई मोड़ के पास श्रद्धालुओं की बस सांड़ से टकराकर पलट गई। हादसे में 18 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां दो की हालत गंभीर होने पर बताई गई है। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर भाग गया। बृहस्पतिवार की रात करीब 12:30 बजे सीतापुर जिले के हरगांव से निजी बस हरिद्वार के लिए रवाना हुई थी। बस में 55 तीर्थ यात्री सवार थे। लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाइवे पर हरदोई मोड़ के पास अचानक सामने से आए सांड़ से बस टकराकर पलट गई। बस पलटने से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर आरसी मिशन थाने के इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल यात्रियों को बस से निकलवाने के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। हादसे में घायल बाल गोविंद (65), राजू (35) निवासी सीताराम पुरवा थाना हरगांव जनपद सीतापुर की हालत गंभीर बताई गई है।

**ये श्रद्धालु भी हुए घायल...**सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र के सीतापुरवा निवासी विसंभर (45), ज्ञानवती (60), गोमती (40), गांव नौनेर के दयाराम (50), जरमापुर की लज्जावती (60), चांदपुर के शत्रुघ्न (70), लक्ष्मणपुर के मूलचंद्र (50), उनकी पत्नी मूला देवी, ताहरपुर के उमेश, चांदपुर के उदयराज (50), कटयारा गांव की मोहिनी देवी (45), महबूब खेड़ा की किरण देवी (50), कटियारा की रिंकी देवी, चांदपुर की कमला देवी (50), थाना तालगांव के कहमारा गांव के आशीष (28), कटियारा गांव के ध्रुव (25) को मामूली चोटें आई हैं। बस को पुलिस ने कब्जे में लेकर हाईवे पर स्थित एक ढाबे पर खड़ा करा दिया है। चालक मौके से भाग गया।

## पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री बोले- मैं जातिगत जनगणना का पक्षधर, कब होगी, प्रधानमंत्री तय करेंगे

**बरेली।** यूपी के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मैं भी जातिगत जनगणना के पक्ष में हूं। मैं इसका समर्थन करता हूं, लेकिन कब होगी। इस बारे में प्रधानमंत्री सही समय आने पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने शिक्षा और राजनीति में पिछड़े वर्ग को व्यापक अवसर दिए हैं तब वह जातिगत गणना भी कराएंगे। इसका उन्हें भरोसा है।

मंत्री नरेंद्र कश्यप बृहस्पतिवार को बरेली के सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा मुखिया अखिलेश यादव पर सियासी वार किए। बोले- साल 1955 में पिछड़े वर्ग के लिए काका कालेकर आयोग की रिपोर्ट सरकार को सौंपी गई थी तब पंडित जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, लेकिन उन्होंने उसे लागू नहीं किया।

जब जनता दल सत्ता में आया तब 1991 में मंडल कमीशन लागू हुआ। जब कांग्रेस और सपा को लगा कि अब उन्हें सत्ता में आने का मौका जीवन में कभी नहीं मिल पाएगा तब राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने जाति-जाति का खेल अब शुरू किया है। कहा कि नरेंद्र मोदी ने पिछड़ों को हक दिलाया है। पिछड़ा वर्ग आयोग को सांवैधानिक दर्जा, आयोग के अध्यक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया है।

**पिछड़े वर्ग के विवाह की आर्थिक सहायता बढ़वाएंगे...**पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि पिछड़े वर्ग बेटियों को बीस हजार रुपये की आर्थिक मदद विवाह के लिए मिलती है। इसे बढ़ाने का प्रयास आगामी बजट में रहेगा।

**शुक्रवार को की समीक्षा बैठक...**पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप बृहस्पतिवार देर रात सर्किट हाउस पहुंचे।

# भूमि अधिग्रहण घोटाला: मुआवजा हड़पने के लिए कारोबारियों ने खरीदे कई भूखंड, NHAI की जांच में बड़ा खुलासा

**बरेली** एनएचएआई से मोटा मुआवजा हड़पने के लिए बरेली-सितारगंज हाईवे के किनारे विभिन्न गांवों में कारोबारियों ने कृषि योग्य भूखंडों का सौदा किया। कई कारोबारी ऐसे भी हैं, जिन्होंने कई गांवों में भूखंडों का सौदा किया। एनएचएआई की जांच में यह खुलासा हुआ है। ऐसे कारोबारियों के नाम के साथ गांव और गाटा संख्या भी उजागर हो गई है। जमीन खरीदने वाले ये कारोबारी लखनऊ, रुद्रपुर, दिल्ली आदि शहरों के हैं। इनका उक्त गांवों से कोई वास्ता नहीं।

जांच रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक 11 कृषि योग्य भूखंड भगवानदास के नाम पर हैं। पूर्व में एनएचएआई की ओर से जारी मुआवजा लेने वालों की सूची में भगवानदास का नाम नहीं था। इसके अलावा रामेश्वर दयाल, हिमांशु सिंघल समेत अन्य कारोबारियों के नाम भी कई भूखंड पाए गए हैं। इन सभी ने कृषि योग्य भूखंडों को व्यावसायिक और आवासीय दर्शाकर अधिग्रहण के बदले करोड़ों मुआवजा ले लिया।

सूत्रों के मुताबिक इन पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराने की तैयारी है। बताया यह भी जा रहा है कि इन कारोबारियों के नाम पर कई ऐसे जगह भी भूखंड हैं, जहां एनएचएआई के प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं या अभी चल रहे हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, कई अन्य के नाम सामने आ सकते हैं।

**आपस में रिश्तेदार या फिर दोस्त होने के भी मिले साक्ष्य**

एक कारोबारी के नाम पर 11 तो कई अन्य के नाम पर एक या दो भूखंड दर्ज हैं। जांच के दौरान पता चल रहा है कि भूमि खरीदने वालों के बीच पिता-पुत्र, पति-पत्नी और भाई-बहन का रिश्ता है। अभी अधिग्रहण की गई जमीन के बदले मुआवजा पाने वाले आधे से अधिक लोगों की जांच होनी बाकी है।

**इनके नाम दर्ज मिले कई भूखंड**

एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार अधिग्रहण से पहले गांव हुसैन नगर के गाटा संख्या 185 में पीयूष टंडन, नवीन खेड़ा व मनीष सिंघल के नाम दर्ज थे। वहीं, साधना सिंह व हिमांशु सिंह के नाम पर गांव हुसैननगर में गाटा संख्या 145 व 146, राजेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, रामकिशोर, रमन फुटेला के नाम सरदारनगर में गाटा संख्या 32, अंकुर पपनेजा, राजेश के नाम गांव अमरिया में गाटा संख्या 230 और धर्मवीर के नाम अमरिया में गाटा संख्या 84, 86 की भूमि दर्ज थीं। ये भूखंड हाईवे चौड़ीकरण प्रोजेक्ट शुरू होने से कुछ समय पहले ही कृषकों से खरीदे गए थे।

**इन लोगों के नाम पर दर्ज हैं भूखंड**

भगवान दास : गांव सरकरा में गाटा नंबर 495, 496, गांव शाही में गाटा नंबर 339, 214, गांव उगनपुर में गाटा नंबर 78, गांव अमरिया में गाटा नंबर 230, गांव भौनी में गाटा नंबर 371, 501, 500, गांव सरदार नगर में गाटा नंबर 32, गांव कल्याणपुर चकरातीर्थ में गाटा नंबर 198, गांव माधोपुर में गाटा नंबर 147, 213, गांव शागवान नगरिया में गाटा नंबर 894 की भूमि।

रामेश्वर दयाल गंगवार : गांव उगनपुर में गाटा संख्या 78, गांव कुकरीखेड़ा में गाटा संख्या 60, गांव देवीपुरा में 64, गांव हांडा में गाटा संख्या 49, गांव शाही में गाटा संख्या 293, 329, 580, 772 की भूमि।

हिमांशु सिंघल : गांव नकरपुरा में गाटा संख्या 480, 495, 496 की भूमि।

धर्मवीर मित्तल : गांव अमरिया में गाटा संख्या 84, 86 की भूमि।

**जांच के लिए आ सकती है शासन की टीम**

बरेली-पीलीभीत-सितारगंज हाईवे की भूमि अधिग्रहण के बांटे गए मुआवजे में हुए घोटाले की शासन स्तर से जांच की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो एक या दो दिन में बरेली, पीलीभीत में लखनऊ से जांच टीम निरीक्षण करने के लिए आ सकती है। हालांकि टीम के आने और जांच को लेकर गोपनीयता बरती जा रही है। एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव ने 23 अगस्त को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को पत्र भेजकर मामले में गहनता से जांच के लिए आग्रह किया गया था। इस मामले में एनएचएआई ने अपने क्षेत्रीय अधिकारी संजीव कुमार शर्मा और पीडी बीपी पाठक को निलंबित कर दिया है। जांच में भूमि अधिग्रहण में कृषि भूमि को व्यावसायिक, आवासीय बताकर करोड़ों रुपये का मुआवजा दिलाने वाले केंद्र व राज्य के अधिकारियों को चिह्नित किया जाएगा।

प्रशासन व राजस्व विभाग के अधिकारी मुख्य रूप से निशाने पर होंगे। सूत्रों के अनुसार जांच के लिए गठित टीम में अलग-अलग जिलों के अधिकारी शामिल हैं। इनमें आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को भी नामित किया गया है। इस जांच टीम का काम साक्ष्य हासिल कर जांच रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपना होगा।

**रिंग रोड के मुआवजे पर भी घोटाले की आंच...**बरेली में रिंग रोड के मुआवजे पर घोटाले की आंच का अंदेशा है, अब तक तो अधिसूचना जारी होने के बाद मुआवजा देने की प्रक्रिया आगे बढ़ती थी, लेकिन अब पुनर्सत्यापन में मामले फंसेंगे। फिलहाल तो प्रक्रिया अटकी है। बरेली-सितारगंज हाईवे पर भूमि अधिग्रहण के दौरान मूल्यांकन में फजीर्वाड़ा करके 50 करोड़ रुपये हड़पने के खेल का खुलासा हुआ। इसके बाद से अधिग्रहण से जुड़े सभी अधिकारियों ने प्रक्रिया को सुस्त कर दिया। मूल्यांकन रिपोर्ट देखने के बाद अधिकारी हकीकत देखने का निर्णय ले चुके है। अगर रिंग रोड की बात करें तो यह परियोजना डीपीआर के स्तर पर है। वित्तीय और तकनीकी स्वीकृति भी नहीं मिल सकी है, लेकिन मूल्यांकन हो चुका है।

# जिंदा में एम्बुलेंस नहीं, मरने के बाद मिला शव वाहन

- जमुई सदर अस्पताल की कुव्यवस्था ने युवती की ली जान
- साढ़े चार घंटे तक तड़पकर युवती ने तोड़ा दम
- पटना ले जाने के लिए नहीं मिला एंबुलेंस
- पेट दर्द की शिकायत पर युवती को सदर अस्पताल में कराया गया था भर्ती
- एंबुलेंस के लिए कई बार पदाधिकारियों को किया गया फोन
- किसी ने नहीं सुनी गरीब की फरियाद
- सिविल सर्जन ने जांच का दिया आदेश, होगी कार्रवाई

दीपक/अंजुम।

**पटना/जमुई।** यहां जिंदों के लिए एंबुलेंस नहीं मिलती है लेकिन मुर्दों को ले जाने के लिए शव वाहन मिल जाती है। भले ही यह बात सुनने में अटपटा लग रहा हो लेकिन सदर अस्पताल के स्वास्थ्य व्यवस्था की कड़वी सच्चाई है। यहां संसाधनों के अभाव के अलावा ध्वस्त स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ जिम्मेदारों की मानवता भी मर सी गई है। अपने अलग- अलग कारनामों से लगातार सुर्खियों में रहे सदर अस्पताल प्रबंधन की नींद नहीं खुली है। नतीजतन कुव्यवस्था का दंश इलाज के लिए आए मरीजों व स्वजन को झेलना पड़ रहा है। दरअसल एक घटना ने पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। हुआ यूं कि सोनो प्रखंड के कोड़ाडीह गांव निवासी केदार मंडल द्वारा अपनी पुत्री बिंदी देवी को पेट दर्द की शिकायत पर देर शाम 7:45 बजे सदर अस्पताल के इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था, जहां युवती की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर मृत्युंजय कुमार द्वारा पटना रेफर किया गया था, लेकिन पटना ले जाने के लिए 102 एंबुलेंस नहीं मिली। जिस वजह से साढ़े चार घंटे तक तड़पकर युवती की मौत देर रात 12:30 बजे हो गई।

पीड़ित पिता केदार मंडल ने बताया की वे अपनी पुत्री को पटना पीएमसीएच ले जाने के लिए कई बार 102 पर फोन किया, सदर अस्पताल के अधिकारियों को भी फोन लगाया, चिकित्सक व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भी एंबुलेंस के लिए प्रयास किया लेकिन किसी ने उनकी गुहार नहीं सुनी। गरीबी की वजह से पैसा नहीं रहने पर वे प्राइवेट एंबुलेंस से पटना लेकर नहीं जा सके, नतीजतन साढ़े चार घंटे तक बेड पर ही तड़पकर उनकी पुत्री की मौत हो गई। समय पर एंबुलेंस मिलती तो शायद उनकी पुत्री की जान बच सकती थी।

बड़ी बात यह है कि अमूमन दो से तीन एंबुलेंस किसी न किसी त्रुटि के कारण हमेशा खराब ही पड़ा रहता है। गर्भवती व अन्य कार्यों के लिए तीन एंबुलेन्स को रखा गया है जबकि पटना के लिए पांच एंबुलेंस हैं लेकिन तीन एंबुलेंस कई दिनों से गैरेज में पड़ा हुआ है ,जबकी दो एंबुलेंस ही तत्काल मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध हैं।

अब इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इतने बड़े जिला अस्पताल दो एंबुलेंस से कितने मरीजों को लाभ मिल सकता है। यहां के जिम्मेदार भी लापरवाह बने हुए हैं उन्हें एंबुलेंस की जानकारी ही नहीं है। एंबुलेंस खराब है, अच्छा है, मरीजों को लाभ मिल रहा है या नहीं मिल रहा इन सारी बातों से अंजान हैं।हालांकि मामले में सिविल सर्जन डॉक्टर कुमार महेंद्र प्रताप ने संबंधित पदाधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। साथ ही मामले की जांच का आदेश दिया है। उन्होंने ने बताया कि रेफर मरीज को एंबुलेंस नहीं मिलना गंभीर मामला है।

इसको लेकर सभी को संख्त हिदायत दी गई है। साथ ही पशुपति पारस नाथ डिस्ट्रीब्यूटर लिमिटेड को शोकाज किया गया है। कुछ दिन पहले ही जिला एंबुलेंस कंट्रोलर सन्नी कुमार को भी एक मामले में शोकाज किया गया था। दोषी पर संख्त कार्रवाई होगी।

# बिहार में अब डेंगू डराने लगा है!

## पटना में एक की मौत,18 नए मरीज मिलने से मचा हड़कंप

संवाददाता।

**पटना।** बिहार में डेंगू का प्रकोप जारी है, पटना में एक 16 वर्षीय किशोर की मौत से हड़कंप मच गया है। नौबतपुर के रहने वाले आर्यन कुमार को डेंगू के साथ पीलिया भी था और 24 अगस्त को उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (NMCH) में भर्ती कराया गया था। दुर्भाग्यवश गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। यह इस साल जिले में डेंगू से तीसरी मौत है, इससे पहले एक बुजुर्ग और एक महिला की भी इसी बीमारी से जान जा चुकी है। चिंताजनक बात यह है कि गुरुवार को ही पटना में डेंगू के 18 नए मामले सामने आए हैं, जिससे जिले में पीड़ितों की कुल संख्या 230 हो गई है।

दरअसल, बिहार के कई अन्य जिलों से भी डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं, खासकर उन इलाकों में जहां जलभराव है और जो पिछले साल भी डेंगू के हॉटस्पॉट थे। जिला संक्रामक रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीसीओ) डॉ सुभाष चंद्र प्रसाद ने बताया कि गुरुवार को मिले नए मामलों में से सबसे अधिक पांच अजीमाबाद से, तीन कंकड़बाग से और दो बांकीपुर से हैं। इसके अलावा पाटलिपुत्रा, एनसीसी, अथमलगोला, धनरुआ, दानापुर और पटना सदर से एक-एक मामला सामने आया है। एक मरीज का पता स्पष्ट नहीं होने के कारण उससे संपर्क नहीं हो पाया है। डॉक्टर ने बताया कि सभी मरीजों की जांच NMCH में की गई थी। NMCH के नोडल अधिकारी डॉक्टर संजय कुमार ने बताया कि आर्यन का प्लेटलेट्स काउंट लगातार गिरता जा रहा था, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। आर्यन का प्लेटलेट्स लगातार कम होने से उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि राज्य में इस साल 1 जनवरी से 28 अगस्त तक डेंगू के 646 मामले सामने आ चुके हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और स्वास्थ्य विभाग को डेंगू के प्रकोप को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

# बिहार में राहुल गांधी के लिए 'आंख-कान' की खोज शुरू

## चर्चा में एक नाम पर तो लालू का 'दू मुक्का' मारने का करेगा मन

संवाददाता।

**पटना।** बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कौन बनेगा इसको लेकर राज्य में चर्चा काफी गर्म है। क्या इस बार कोई अल्पसंख्यक बनेगा या फिर कोई सवर्ण? दलित बनेंगे या फिर कोई पिछड़ा। इन तमाम सवालों के साथ कांग्रेस की अंदुरूनी राजनीति करवट बदल रही है। लेकिन इन तमाम सवालों के साथ एक बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के दिमाग में क्या चल रहा है? ऐसा इसलिए कि अभी की राजनीति का तकाजा यह हो गया है कि कांग्रेस बिहार में लालू प्रसाद के इशारों के बगैर कुछ करने की स्थिति में नहीं है।

फिलहाल कांग्रेस के भीतर अल्पसंख्यक से दो कद्दावर नेता इस रेस में है। इनमें सबसे पहला नाम कटिहार के सांसद तारिक अनवर का है। ये पहले भी प्रदेश कांग्रेस की जिम्मेवारी संभाल चुके हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह का कच्चा चिट्ठा खोलने में तारिक अनवर की विशेष दिलचस्पी दिखाई।

अल्पसंख्यक नेताओं में दूसरा नाम शकील अहमद का चल रहा है। ये कदवां विधान सभा क्षेत्र से विधायक हैं और विधान सभा में कांग्रेस दल के नेता भी। इनकी लगभग दलों के नेताओं में इनकी काबिलियत का सम्मान है। और सबसे बड़ी बात यह है कि कांग्रेस के भीतर हमेशा विवादों से ये परे रहे हैं। ये कभी भी किसी कंट्रोवर्सी में नहीं पड़े। कांग्रेस के अंदरखाने में इस बात की चर्चा है कि इस बार कांग्रेस आधी आबादी वाला कार्ड खेल सकती है। इस फलसफे पर दो नाम की चर्चा है। पहला नाम प्रतिमा दास का है। प्रतिमा दास राजा पाकड़ से कांग्रेस की विधायक हैं। इनको अध्यक्ष बना कर कांग्रेस आलाकमान महिला और दलित कार्ड खेल कर आगामी विधान सभा चुनाव में उतरने का दांव खेल सकती है। महिला में दूसरा नाम रंजिता रंजन का है। रंजीत रंजन राज्य सभा सदस्य हैं। और अपने दम पर पूर्णिया लोकसभा का चुनाव जीत चुके पप्पू यादव की पत्नी भी हैं। इनके सहारे पिछड़ा और आधी आबादी का कार्ड कांग्रेस खेल सकती है। लगातार सवर्ण से अध्यक्ष बनने के कारण इस बार कम उम्मीद है कि प्रदेश अध्यक्ष किसी सवर्ण को बनाया जाए।

इसके पहले रामजतन सिन्हा, मदन मोहन झा, अनिल शर्मा और अखिलेश प्रसाद सिंह लगातार सवर्ण अध्यक्ष ही रहे हैं। इसलिए इस बार सवर्ण से अध्यक्ष बनाने की उम्मीद कम है।

इन सब किंतु-परंतु के बीच यक्ष प्रश्न यह है कि राजद सुप्रीमो क्या चाहते हैं? राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि लालू यादव जब कभी भी मुस्लिम या पिछड़ी जाति के नेताओं का नाम अध्यक्ष के रूप में उछालते देखते हैं तो उनकी तरफ से ना हो जाती है। ऐसे में कांग्रेस का अगला अध्यक्ष जो बने उसे लालू प्रसाद की भी पसंद होनी चाहिए।

# चिराग पासवान की पार्टी फिर से टूटने वाली है,बीजेपी करेगी खेला?

## खलबली पैदा करने वाला चाचा का जवाब!

संवाददाता।

**पटना/वैशाली।** राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी (फ्छखढ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के चाचा पशुपति कुमार पारस ने कहा है कि लोकसभा चुनाव हुआ, तब हमारे पांच सांसद थे। बिना कुछ कहे हुए पांच सासंदों की पार्टी को एनडीए में कोई टिकट नहीं दिया गया। उस वक्त थोड़ी नाराजगी हुई थी, लेकिन हम लोगों ने व्यक्तिगत हित को माइनस किया और राष्ट्रहित को सर्वोपरि माना। देश की पुकार थी कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तीसरी बार सरकार बने। इसके बाद कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए उम्मीदवार को सपोर्ट करने का फैसला लिया। इसी बीच बीजेपी के नये प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल हमारे घर पर आए, उनसे मेरा पुराना रिश्ता रहा है। हमारी घंटो बात हुई। फिर दिल्ली में मैंने अमित शाह से समय मांगा जो मिल गया, जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज और मैं उनसे मिलने पहुंचे। अमित शाह से बहुत अच्छी बात हुई।

पशुपति पारस ने कहा कि अमित शाह से मुलाकात के दौरान 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की रूपरेखा पर बात हुई। किस ढंग से बिहार में एनडीए गठबंधन काम करे इसपर बात हुई। कितने सीटों पर बिहार विधानसभा चुनाव में आरएलजेपी लड़ेगी इस संबंध में अमित शाह से कोई बातचीत नहीं हुई। गृहमंत्री जी ने ये जरूर आश्वासन दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव में आपकी पार्टी को सम्मानजनक सीटें दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आप ईमानदार सहयोगी हैं। हम संगठनकर्ता रहे हैं, इसलिए मेरा लाभ एनडीए गठबंधन को मिलते रहना चाहिए।

जब उनसे पूछा गया कि चिराग पासवान कहते हैं कि आरएलजेपी एनडीए गठबंधन का हिस्सा ही नहीं है। इसपर पशुपति ने कहा कि जो बात बीत गई है उसकी चर्चा ना करें। उनका दल अलग है, मेरा दल अलग है। उनकी सोच अलग है। पशुपति पारस से जब पूछा गया कि क्या चिराग पासवान की पार्टी में फिर से टूट होने वाली है? इसपर उन्होंने कहा कि मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। ये तमाम प्रेस और मीडिया के लोगों को मालूम है कि उनकी पार्टी के अंदर क्या हालात हैं, सबको मालूम है। जब उनसे पूछा गया कि आरजेडी के विधायक मुकेश रौशन लगातार कह रहे हैं कि चिराग पासवान की पार्टी के तीन सांसद बीजेपी के संपर्क में हैं। इसपर पशुपति पारस ने कहा कि क्या स्थिति परिस्थिति है सबको मालूम है। क्या होने वाला है, तमाम मीडिया को पता है। इस संबंध में हमसे ज्यादा मत कुछ कहवाइए तो ज्यादा अच्छा होगा। आप लोग पता कीजिए क्या सही है, क्या गलत है। अपने बारे में कहूंगा कि मैं एनडीए में पहले भी था, हूं, और आगे भी रहूंगा।

# 'अपने प्रदेश को सुरक्षित नहीं रख पा रहीं ममता बनर्जी: चिराग

## लगाया जाए राष्ट्रपति शासन,चिराग पासवान की केंद्र से मांग

दीपक कुमार तिवारी।

**पटना।** पश्चिम बंगाल की घटना को लेकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आज फिर ममता बनर्जी पर बोला हमला है। चिराग पासवान ने कहा कि हम चाहते हैं कि वहां पर केंद्र सरकार राष्ट्रपति शासन लागू करवाए। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की घटना पर जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। ममता बनर्जी अपने प्रदेश को सुरक्षित नहीं रख पा रही हैं। ऐसे में एक महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी वहां पर महिला सुरक्षित नहीं हैं।

वहीं, इसके पहले चिराग पासवान ने पिछले हफ्ते ममता बनर्जी पर अपनी ही सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए निशाना साधा था। चिराग पासवान ने कहा था कि यह पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार की कमजोरी को दशार्ता है। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री के रूप में सड़कों पर उतती हैं, तो क्या आप जनता को न्याय का आश्वासन दे रहे हैं या आप उनके बीच भय का माहौल बना रहे हैं? यह कहीं न कहीं एक मुख्यमंत्री के रूप में ममता बनर्जी की कमजोरी को भी दशार्ता है।

महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध को लेकर शुक्रवार को एक डॉक्टर के साथ बीजेपी के नेता भी कोलकाता की सड़कों पर उतर आए। टीएमसी के स्टूडेंट विंग के छात्र भी अपने कॉलेजों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। टीएमसी ने पूरे बंगाल में कॉलेज विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। टीएमसी ने केंद्र से बलात्कारियों के लिए मृत्युदंड का कानून पारित करने की मांग की है। टीएमसी 31 अगस्त को हर ब्लॉक पर धरना देगी।

# पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी और उसके बेटे को मिली जान से मारने की धमकी

## स्पीड पोस्ट के माध्यम से आए थे दो लिफाफे

संवाददाता ।

**गया।** गया में जदयू नेत्री व पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी और उसके बेटे को बड़ा धमाका कर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी वाला यह पत्र स्पीड पोस्ट के माध्यम से आया था।स्पीड पोस्ट के माध्यम से दो लिफाफा आए थे। एक में जदयू नेत्री व पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी और दूसरे में उनके पुत्र राकेश रंजन उर्फ रॉकी यादव का नाम था। दोनों में जान मारने की धमकी की कई बातें लिखी थी।धमकी वाला पत्र मिलते ही जदयू के पूर्व एमएलसी और उनके परिवार के लोग चिंतित हुए है. इस मामले की प्राथमिकी रामपुर थाना में दर्ज कराई गई है। केस दर्ज कर पुलिस छानबीन में गई है।

जानकारी के अनुसार बीते दिन स्पीड पोस्ट के माध्यम से जदयू नेत्री व पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर स्पीड पोस्ट के माध्यम से दो लिफाफे आए. स्पीड पोस्ट के माध्यम से लिफाफा मिलने के बाद उसे पढ़ा गया, तो सभी के होश उड़ गए थे यह दोनों लिफाफे पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी और उनके बड़े बेटे राकेश रंजन उर्फ रॉकी यादव के नाम से था।दोनों लिफाफे में जान से मारने की धमकी भरी बातें लिखी गई थी।

24 अगस्त को पटना जीपीओ से स्पीड पोस्ट कराया गया था. स्पीड पोस्ट बीते दिन पूर्व एमएलसी एमएलसी मनोरमा देवी के घर पहुंचा, इसमें दो लिफाफे निकले है एक लिफाफा मनोरमा देवी के नाम से था, तो दूसरा लिफाफा उनके पुत्र रॉकी यादव के नाम से था।दोनों में ही धमकी भरी बातें लिखी थी. दोनों को जान करने को धमकाया गया है।इस मामले को लेकर पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी ने रामपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।जदयू की पूर्व एमएलसी और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी वाले पत्र में काफी कुछ लिखा गया है। यह भी कहा गया है, कि बड़ा धमाका करेंगे. इस मामले को लेकर दर्ज कराई गई प्राथमिकी में मनोरमा देवी ने कहा है, कि स्पीड पोस्ट के माध्यम से उनके यहां बीते 26 अगस्त को डाक के माध्यम से दो लिफाफा मिले थे।एक में मेरा और दूसरे में मेरे बड़े पुत्र राकेश रंजन का नाम लिखा था। इसे मेरे घर के कर्मचारी अजय शर्मा ने रिसीव किया, जिसके बाद मेरे निजी सहायक रविंद्र कुमार ने लिफाफा खोला और पढ़ने के बाद उसने बताया कि आप लोगों को स्पीड पोस्ट के माध्यम से पत्र आया है। जिसमें जान मारने की धमकी लिखी है और बड़ा धमाका करने की चेतावनी दी गई है।इसका ट्रैक आईडी-ईएफ 434191177 आईएन और 434191115 ,आईएन है. इसे ट्रैक करने पर पता चला कि दिनांक 24 अगस्त को पटना जीपीओ से पोस्ट किया गया है। पत्र में भेजने वाले का नाम सुशील कुमार पता साकेत पुरी बहादुरपुर राजेंद्र नगर पटना है। धमकी का पत्र एवं लिफाफा एफआईआर में संलग्न कराया गया है।वहीं, पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी ने कहा है। कि उक्त पोस्ट ऑफिस का सीसीटीवी जांच पर अपराधी की गिरफ्तारी पुलिस करे।सीसीटीवी जांच कर आसानी से पत्र भेजने वाले का पता लगाया जा सकता है और उसके पूरे गिरोह के सरगना का भी पता लगाया जा सकता है। इस केस के आईओ रामपुर थाना के इंस्पेक्टर दिनेश बहादुर सिंह खुद बने हैं और उन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार मामले की छानबीन की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।स्पीड पोस्ट के माध्यम से दो लिफाफे आए थे।दोनों लिफाफों को खोला गया, उसमें जान मारने की धमकी लिखी थी। एक लिफाफा मेरे नाम और एक दूसरा मेरे बेटे के नाम से आया है।दोनों में जान मारने की धमकी दी गई है।बड़ा धमाका करने की भी बात कही गई है। वह मांग करती हैं कि पुलिस सीसीटीवी की जांच कर अपराधियों का पता लगाए और गिरोह के सरगना तक का खुलासा करेंगे फिलहाल अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

# आईपीएस आलोक राज होंगे बिहार के नए डीजीपी

संवाददाता।

**पटना।** 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी और निगरानी के डीजी आलोक राज बिहार पुलिस के नये महानिदेशक बनाये गए है। गृह विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। आएएस भट्टी के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की वजह से बिहार में डीजीपी का पर रिक्त हो गया था। भट्टी सीआईएसएफ के महानिदेशक नियुक्ति किये गए है। वो बिहार के पहले ऐसे डीजीपी है जिन्हे किसी मिलिट्री एजेंसी की कमान सौंपी गई है। गृह विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी अधिसूचना के अनुसार निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक आलोक राज अपने दायित्वों के अतिरिक्त अगले आदेश तक पुलिस महानिदेशक, पटना के प्रभार में भी रहेंगे। आलोक राज पूर्णकालिन पद नहीं दिया गया है, फिलहाल वो प्रभार में रहेंगे। माना जा रहा है कि वो 31 दिसंबर 2025, यानी बिहार विधानसभा चुनाव कराने तक डीजीपी रहेंगे।

बताया गया है कि पिछली बार वरिष्ठता के बावजूद आलोक राज का नाम दरकिनार कर दिया गया था। उस दौरान 1989 बैच के आईपीएस आलोक राज के बिहार में रहते हुए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से बुलाकर आरएस भट्टी को बिहार का डीजीपी बनाया गया था। यह दिसंबर 2022 की घटना है। उस वक्त आरजेडी के समर्थन से सरकार चल रही थी। लेकिन जब आरएस भट्टी ने डीजीपी का कार्यकाल रहते हुए खुद ही बिहार से जाने की अनुमति मांग ली, तो राज्य सरकार ने उन्हें जाने की अनुमति दे दी। आरएस भट्टी को सीआईएसएफ का महानिदेशक बनाया गया है। इस बार भी आलोक राज के नाम के साथ कई अन्य अधिकारियों के नाम की चर्चा थी, लेकिन फिलहाल इस चर्चा पर विराम लग गया है।

## लखीसराय में आमने-सामने आ भिड़े दो ट्रक, ड्राइवर की मौके पर मौत

संवाददाता।

**लखीसराय।** बिहार के लखीसराय के गढ़ी विशनपुर पुल पर शुक्रवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। दो ट्रकों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक ट्रक चालक की मौके पर मौत हो गई। हादसे की सूचना के बाद नगर थाना अध्यक्ष अमित कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रक के अंदर फंसे शव को निकालने की कोशिश करते दिखे। घटना के कारण पुल पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम के कारण पटना-मुंगेर जाने वाले कई यात्री वाहन जाम में फंसे रहे। नगर थाना पुलिस जेसीबी मशीन और कटर मशीन मंगवाकर शव को निकालने के प्रयास में जुटी रही। इस संबंध में वॉर्ड पार्षद सुरेंद्र मंडल ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया, 'सुबह करीब 6 बजे आमने सामने की तरफ से ट्रक आ रही थी। दोनों तरफ से आ रही ट्रक में से एक का टायर फट गया, जिससे दोनों की आपस में भिड़ंत हो गई। इसमें से एक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। शव ट्रक में ही फंसा रहा। हादसे की सूचना थाना प्रभारी को दी गई। हम लोग जेसीबी मंगवा रहे हैं। इसके बाद ट्रक को यहां से निकाला जाएगा और आम लोगों के लिए मार्ग को आवागमन के योग्य बनाया जाएगा, क्योंकि इस हादसे की वजह से यहां आवाजाही करने वाले लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे बताया, 'फिलहाल हम यहां पर स्थिति को सामान्य बनाने की दिशा में जुटे हुए हैं, ताकि किसी को कोई समस्या ना हो। जितनी जल्दी हो सके, उतनी जल्दी हम इस जगह को जाममुक्त करने की कोशिश करेंगे, ताकि किसी भी आम यात्री को कोई समस्या न हो, क्योंकि इस हादसे की वजह से मौके पर भारी जमा लगा हुआ है, जिससे इस मार्ग से आवागमन करने वाले यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

इसके अलावा, पुलिस की ओर से इस मार्ग से प्रतिदिन आवाजाही करने वाले अन्य वाहन चालकों से भी अपील की है कि वो गाड़ी चलाने समय सड़क नियमों का विशेष ध्यान रखें और यातायात से संबंधित नियमों का पालन करने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं करें। अगर वो ऐसा करेंगे, तो अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी अप्रिय स्थिति पैदा करेंगे।'

# बिहार को जलाने की हिम्मत किसी में नहीं, मुंहतोड़ जवाब मिलेगा

दीपक कुमार तिवारी।

**पटना।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीते दिनों देश के कई राज्यों को लेकर विवादित बयान दिया था। कोलकाता रेप के विरोध में जारी विरोध प्रदर्शन पर हमला करते हुए ममता बनर्जी ने कहा था कि अगर बंगाल जला तो बिहार, यूपी व अन्य कई राज्यों में समेत दिल्ली भी जलेगी। अब ममता के इस बयान पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जवाब दिया है और बंगाल की मुख्यमंत्री को चेतावनी दी है। आइए जानते हैं कि सम्राट चौधरी ने क्या कहा है। पटना में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जवाब दिया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी गलतफहमी में हैं। बिहार को जलाने की हिम्मत किसी में नहीं है। सम्राट चौधरी ने आगे ये भी कहा कि ममता बनर्जी को बिहार मुंह तोड़ जवाब देगा। दरअसल, हाल ही में कोलकाता में विरोध प्रदर्शन के बीच टीएमसी की छात्र शाखा को संबोधित करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने विवादित बयान दिया था। ममता बनर्जी ने कहा था कि याद रखें अगर बंगाल जला तो असम, बिहार, उत्तर प्रदेश झारखंड, ओडिशा, नॉर्थ ईस्ट और दिल्ली भी जलेंगे। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने गृह मंत्री अमित शाह को ममता बनर्जी के बयान को लेकर पत्र लिखा था। सुकांता ने कहा था कि सीएम ममता बनर्जी का बयान देश विरोधी है, जिससे पूरे राज्य में अशांति की आशंका है।

उन्होंने कहा था कि ममता ने राष्ट्र विरोधी टिप्पणी की है। यह संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की नहीं बल्कि राष्ट्र विरोधी की आवाज है। सुकांता मजूमदार ने कहा कि ममता को हमारे देश की सुरक्षा और एकता के लिए तुरंत सीएम पद छोड़ देना चाहिए।

# मौसम: बिहार में कमजोर पड़ा मॉनसून

संवाददाता।

**पटना।** रविवार से शुरू हो रहे मॉनसून के आखिरी महीने से पहले, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून कमजोर पड़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक राज्य में भारी बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। हालांकि, पूरे राज्य में छिटपुट बारिश होती रहेगी। दक्षिण बिहार के जिलों में रोजाना हल्की या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसके साथ ही कुछ देर के लिए बादल भी छाए रह सकते हैं। मौसम विभाग ने आज किसी भी जिले में बारिश की संभावना नहीं जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़ गया है, जिसका असर बिहार के मौसम पर पड़ रहा है। अगले 3 दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। शुक्रवार को दक्षिण बिहार के जिलों में तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन हल्की या बूंदाबांदी के साथ कहीं-कहीं मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार सुबह दक्षिण बिहार के बक्सर, कैमूर, रोहतास और औरंगाबाद जिलों में हल्की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि धूप भी निकलेगी, लेकिन कब और कितनी देर के लिए बारिश होगी, इसकी संभावना नहीं जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में कम दबाब का क्षेत्र कमजोर है।

चरण सिंह

विचार

## हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भूपेंद्र हुड्डा का जलवा !

हरियाणा में कांग्रेस ने गत विधानसभा चुनाव में गुटबाजी के चलते जो सत्ता गंवा दी थी उससे सबक लेते हुए इन विधानसभा चुनाव में भूपेंद्र हुड्डा को खुलकर खेलने की छूट दे दी है। कांग्रेस हाईकमान ने शैलजा कुमारी और रणदीप सुरजेवाला को केंद्र की राजनीति करने के लिए कह दिया है। भूपेंद्र हुड्डा की रणनीति में कोई रोड़ा न बने इसलिए शैलजा कुमारी और रणदीप सुरजेवाला को स्पष्ट रूप से कह दिया गया है कि यदि उनका मन प्रचार करने के लिए हो तो वह चुनाव प्रचार में जा सकते हैं पर राजनीति उन्हें केंद्र की ही करनी होगी। मतलब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा अब खुलकर खेल रहे हैं। भूपेंद्र हुड्डा के हाथ में हरियाणा विधानसभा चुनाव की कमान आने के बाद हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनना शुरू हो गया है। कांग्रेस की इन चुनाव में क्या स्थिति है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पांच साल तक सत्ता का मजा लूटने वाले जेजेपी के अधिकतर विधायक कांग्रेस की ओर लपक लिये हैं।

भले ही जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला ने आजाद समाज पार्टी के साथ गठबंधन कर लिया हो, भले ही इनेलो ने बसपा के साथ गठबंधन कर लिया हो, भले ही आम आदमी पार्टी अलग चुनाव लड़ रही हो पर हरियाणा के समीकरण कांग्रेस के पक्ष में देखे जा रहे हैं। दरअसल किसान आंदोलन और पहलवान दोनों ही आंदोलन में कांग्रेस ने खुलकर साथ दिया था। किसानों और पहलवानों के साथ तो आजाद समाज पार्टी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद और इनेलो नेता अभय चौटाला भी रहे हैं पर चंद्रशेखर आजाद के किसान आंदोलन का विरोध करने वाले दुष्यंत चौटाला से हाथ मिलाने पर उनकी छवि प्रभावित हुई है। ऐसे ही इनेलो ने जिन मायावती के साथ हाथ मिलाया है उनकी छवि भी भाजपा सहयोगी की हो गई है। ऐसे में हरियाणा में कांग्रेस का बोलबाला माना जा रहा है।

दरअसल गत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में गुटबाजी के चलते अंतिम समय में भूपेंद्र हुड्डा को आगे बढ़ाया गया था। चुनाव के समय भूपेंद्र हुड्डा के कांग्रेस छोड़ने की खबरें भी चल निकली थी। अंतिम समय में भी चुनाव की बागडोर भूपेंद्र हुड्डा को सौंपने के बावजूद कांग्रेस 90 में से 30 सीटें जीत गई थी, जबकि बीजेपी 40 सीटें जीती थी। 10 सीटें जेजेपी को मिली थी। इन विधानसभा चुनाव में यह माना जा रहा है कि कांग्रेस अपने दम पर सरकार बना लेगी। दरअसल भूपेंद्र हुड्डा ने अपने कार्यकाल में न केवल खिलाड़ियों को आगे बढ़ाया था बल्कि किसानों के लिए भी बढ़ चढ़कर काम किया था। आज यदि हरियाणा हर खेल में आगे देखा जा रहा है और खिलाड़ियों पर पैसे की भरमार हो रही है उसका श्रेय भूपेंद्र हुड्डा को ही जाता है। भूपेंद्र हुड्डा का छवि भी भले जाट की है। साथ ही उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा तो अपने पिता से भी भले हैं। वैसे भी विनेश फोगाट प्रकरण का फायदा भी कांग्रेस को मिल सकता है।

## बलात्कार, बंद और बीजेपी

-राकेश अचल-

आज का शीर्षक किसी आने वाली फिल्म का नाम नहीं है। ये शीर्षक भारतीय राजनीति में बलात्कार को लेकर राजनीतिक दलों के चरित्र को उजागर करती एक लघुकथा का नाम है। कोलकाता में एक महिला चिकित्सक के साथ ज्यादती के बादकी नृशंस वारदात के बाद बंगाल में भाजपा की राजनीति इतनी बढ़ गयी है कि अब मामला बंगाल बंद तक आ पहुंचा है। इससे पहले आरक्षण के मामले पर विभिन्न संगठनों ने भारत बंद किया था। यानि राजनीति में अब यदि आरक्षण की बात करना है तो आपको बंद करना होगा और यदि महिला उत्पीड़न की बात करना है तो आपको बंद का इस्तेमाल करना होगा। प्रतिकार के लिए शायद बंद के आव्हान से बेहतर कोई दूसरा तरीका नहीं है।

ऐसी लोक-मान्यता है कि यदि देश, सूबा या कोई शहर बंद किया जाता है तो सत्ता प्रतिष्ठान के कान खुल जाते हैं, आँखें खुल जाती हैं। लेकिन मेरा तजुर्बा कहता है कि ये धारणा उचित नहीं है। सत्ता प्रतिष्ठान को नींद से जगाने के लिए अब बंद कारगर हथियार नहीं रह गया है। फिर भी बंद का आव्हान किया जाता है। बीजेपी ने बंगाल बंद का आव्हान किया तो कम से कम मुझे तो हैरानी हुई, क्योंकि महिला उत्पीड़न अब केवल बंगाल की समस्या नहीं है। पूरे देश की समस्या है। इसलिए यदि बीजेपी को बलात्कार या कानून और व्यवस्था के मुद्दे को लेकर बंद का आव्हान करना था तो उसे भारत बंद का आव्हान करना था, क्योंकि बलात्कार केवल कोलकाता में ही नहीं हुआ। बलात्कार बीजेपी शासित राजस्थान में भी हुआ है, महाराष्ट्र के बदलापुर में भी हुआ है और मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भी।

बलात्कार कम से कम भारत की एक राष्ट्रीय समस्या है। एनसीआरबी के आंकड़े ही सही मान लिए जाएँ तो इस देश में हर साल कम से कम 25 हजार महिलायें बलात्कार का शिकार होतीं है। ये तो वे महिलाएं हैं जो साहस कर पुलिस में रिपोर्ट करने पहुंचतीं हैं, बाकी इससे ज्यादा बलात्कार के मामले लोक -लाज, भय और असुरक्षा की वजह से रिपोर्ट ही नहीं होते। बलात्कार के मामलों को फास्ट कोर्ट में चलाने और आरोपियों की सजा दिलाने में हमारी सरकारें नाकाम रहीं है। अभियोजन अक्षम साबित हुया है। कुल 27 फीसदी मामलों में ही आरोपियों को सजा मिली है। हमारी अदालतें तो बलात्कार के मामलों में सजायाफ्ता अपराधियों को फलरो के तहत बार-बार जमानत देने कि उदारता और दिखा रहीं है।

बलात्कार के बहाने से बीजेपी ने एक काम जरूर किया है कि यदि बलात्कार का आरोपी है तो उसके घरों को बुलडोज जरूर कर दिया है। बीजेपी का ये पुरुषार्थ भी विवादों की एक बड़ी वजह है। लेकिन बीजेपी भारतीय न्याय संहिता के तहत आरोपियों को दण्डित करने के बजाय बुल्डोजर संहिता पर ज्यादा भरोसा करती है। बलात्कार के मामलों को लेकर हमारी देश की अदलातों का व्यवहार भी सिलेक्टिव्ह जान पड़ता है। हमारी अदालतें कोलकाता के बलात्कार के मामले में सीबीआई को हड़काती है, लेकिन ऐसा कितने मामलो में होता है। क्या सीबीआई हर मामले की जांच करने के लिए तैयार है? क्या भाजपा द्वारा नियुक्त तमाम राज्यपाल बलात्कार पीड़ितों के परिजनों से उसी तरह मिलने के लिए राजी हैं जैसा की वे कोलकाता में कर रहे है?

बलात्कार के नाम पर बंद की राजनीति ही नहीं बल्कि राज्यपालों की राजनीती भी बंद होना चाहिए। भारत में ऐसा कौन सा राज्य है जहां बलात्कार नहीं होते। जहाँ कोलकाता से ज्यादा जघन्य वारदातें नहीं होतीं? बलात्कार एक सामाजिक विकृति का मुद्दा है। कानून और व्यवस्था का मुद्दा है, राजनीति का मुद्दा नहीं। यदि बलात्कार के मुद्दे पर बीजेपी राजनीति करती है तो भी बुरी बात है और यदि कांग्रेस करती है तो भी बुरी बात है। बुरी बात तो बुरी बात ही है, चाहे फिर कोई भी राजनीतिक दल हो। राजनीति का मुकाबला राजनीति से हो, कार्यक्रमों से हो, नीतियों से हो न की मुकाबला करने के लिए बलात्कार जैसी घृणित वारदात का इस्तेमाल राजनीति के लिए किया जाये। बंगाल जीतना बीजेपी का एक पुराना सपना है, लेकिन दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बावजूद बीजेपी बंगाल नहीं जीत पायी है। साम, दाम, दंड और भेद से भी नहीं जीत पायी। राज्यपालों के दुरूपयोग से भी नहीं जीत पायी। अब बंगाल में बार-बार खेत होती रही बीजेपी बलात्कार के मुद्दे पर बंद का आयोजन कर बंगाल को जीतना चाहती है। लेकिन बंगाल को जीतना यदि इतना ही आसान होता तो महाबली अमितशाह वहां परास्त न होते।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

विकास तिवारी

# बलात्कार और व्यभिचार के विरुद्ध महिलाओं को सशक्त बनाना ही अंतिम उपाय

वर्तमान मामले में जहां कोलकाता के आर जी कार अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या ने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया एवं जिस क्रूरता और वीभत्सता के साथ यह बलात्कार किया गया, वह निर्भया कांड की याद दिलाता है। यह सत्तारूढ़ केंद्र और राज्य सरकार के समक्ष यक्ष प्रश्न खड़ा करता है कि क्या देश में न्यायपालिका विभिन्न महिला दुर्व्यवहार मामलों में न्याय की मांग करने वाली पीड़ित महिलाओं के लिए सही दिशा में काम कर रही है।

महिलाओं की सुरक्षा दुनिया भर में एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। बलात्कार और दुर्व्यवहार व्यापक मुद्दे हैं जो हर दिन असंख्य महिलाओं और बेटियों को प्रभावित करते हैं। इन अपराधों का प्रभाव व्यक्ति के साथ परिवारों, समुदायों और समाज को भी प्रभावित करता है। यह ऐसे जटिल मुद्दे हैं जिनका परिणाम गंभीर शारीरिक और भावनात्मक आघात, सामाजिक अलगाव और यहां तक की मृत्यु भी हो सकती है।

वर्तमान मामले में जहां कोलकाता के आर जी कार अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या ने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया एवं जिस क्रूरता और वीभत्सता के साथ यह बलात्कार किया गया, वह निर्भया कांड की याद दिलाता है। यह सत्तारूढ़ केंद्र और राज्य सरकार के समक्ष यक्ष प्रश्न खड़ा करता है कि क्या देश में न्यायपालिका विभिन्न महिला दुर्व्यवहार मामलों में न्याय की मांग करने वाली पीड़ित महिलाओं के लिए सही दिशा में काम कर रही है। उदहारण के रूप में 1992 में हुए अजमेर गैंगरेप और ब्लैकमेल कांड, जहां 100 से अधिक लड़कियों को उनकी अश्लील तस्वीरों के लिए ब्लैकमेल किया गया और इसकी एवज में उनमें से कई बेटियों के साथ सामूहिक बलात्कार भी किया गया था। 32 वर्षों तक पीड़ित परिवारों ने न्याय पाने के लिए अपना खून-पसीना बहाया जिसके फलस्वरूप 6 आरोपियों को आजीवन कारावास एवं 5 लाख का अर्थदंड दिया गया। न्याय पाने हेतु अत्याधिक विलंब होने के कारण न्यायपालिका पर पुनः प्रश्न उठता है कि क्या हमारी कानून प्रणाली महिला उत्पीड़न के मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तत्पर है। जिस देश में 1.5 अरब लोगों की जनसंख्या को समय पर न्याय प्रदान करने के लिए 750 से अधिक फास्ट ट्रैक अदालतें दिन रात काम करती हैं, परंतु फिर भी अजमेर, निर्भया, उन्नाव, बलरामपुर जैसे ज्वलंत मामलों एवं कई अन्य सामूहिक बलात्कार और महिला दुर्व्यवहार के मामलों का निपटारा करने में दशकों लग जाते हैं। यह वास्तव में सरकार और कानून एजेंसियों की सामूहिक विफलता का प्रतीक है जो विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। प्रश्न यह भी उठता है कि क्या वाकई में हमें ऐसी न्यायिक व्यवस्था की आवश्यकता है जो हर साल महिला उत्पीड़न की इतनी घटनाएं होने के बाद भी शांत और निष्क्रिय होकर मौन मूक दर्शक बनी रहती है।

महिलाओं के प्रति हिंसा की रोकथाम के लिए दुनिया भर के देशों में लागू विभिन्न कानूनों के बारे में बात करें तो ब्रिटेन ने हाल ही में संसद में एक नया विधेयक पारित किया है जिसमें महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को 'राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति खतरा' बताया गया है और ऐसे विषयों को इस्लामी आतंकवाद के समान ही हल किया जाएगा। दूसरी ओर डेनमार्क, आइसलैंड, स्विट्जरलैंड जैसे यूरोपीय देशों में महिला सुरक्षा के संदर्भ में कानूनों का एक अलग समूह है, जिसे वे किसी भी प्रकार की हिंसा के खिलाफ महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ह्यजीरो टॉलरेंस नीतिह्न के अंतर्गत प्रयोग करते हैं, जिसमें आरोपियों के लिए मृत्युदंड भी शामिल है।

बलात्कार और शोषण को रोकने के बाद की स्थिति में एक बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो इन अपराधों के मूल कारणों पर वार कर सकती हैं। कुछ रणनीतियां जैसे :

- स्वस्थ संबंधों, सहमति और सम्मान के बारे में शिक्षा और जागरूकता फैलाना

- महिलाओं की सुरक्षा के बारे में समुदायों को शामिल करना और पुरुषों को रोकथाम प्रयास में शामिल करना जिससे सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव हो एवं

- सरल सहायता सेवाएं जैसे कि परामर्श सेवा और कानूनी सहायता जो पीड़ितों को मानसिक शांति देने और न्याय प्राप्त करने में मदद कर सकती हैं।

सरकार को महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों और नीतियों को मजबूत करने के लिए नीति सुधार की आवश्यकता है। महिलाओं को सशक्त बनाना बलात्कार और शोषण जैसे मामलों को रोकने में अति आवश्यक हैं। निम्नलिखित कुछ महत्वपूर्ण कदम हैं जिनके कार्यान्वयन से महिलाओं में आत्मबल की वृद्धि हो सकती है :

- महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर उनकी मानसिक स्वतंत्रता को सुदृढ़ करना, जिससे उन्हें हिंसा के प्रति कम संवेदनशील बनाया जा सके।

- महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थानों का निर्माण करना, जहां वे घटनाओं की रिपोर्ट कर सकें और मदद मांग सकें जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो।

- महिलाओं को हिंसा और शोषण के खिलाफ बोलने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे इन अपराधों के प्रति शर्मिंदगी का माहौल तोड़ा जा सके।

आजकल डिजिटल प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में अद्भुत काम कर रही है। इस संदर्भ में प्रौद्योगिकी महिलाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सुरक्षा ऐप्स जो महिलाओं को तत्काल उनके मित्रों और परिवार को सूचित करने की सुविधा देते हैं, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जो पीड़ितों को ऐसी घटना के प्रति समर्थन और संसाधन प्रदान करते हैं एवं हिंसा के पैटर्न और हॉटस्पॉट को पहचानने के लिए डेटा विश्लेषण को सुगम बनाते हैं। यह कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कदम हैं जो महिलाओं की सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए लागू किए जाने चाहिए।

निष्कर्ष में, महिलाओं की सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है जिसमें व्यक्तियों, समुदायों, संगठनों और सरकारों की भागीदारी आवश्यक है। बलात्कार और शोषण के मूल कारणों को संबोधित करने के लिए मिलकर काम करके हम ऐसा वातावरण बना सकते हैं जहां महिलाएं और लड़कियां हिंसा और शोषण के डर से बिना रह सकती हैं। यह समय है कि हम कार्रवाई करें, अपनी आवाज उठाएं और ऐसे माहौल का निर्माण करें जहां महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि हो। याद रखें, मिलकर हम सभी के लिए एक सुरक्षित और अधिक सम्मानजनक दुनिया बना सकते हैं।

# आरक्षण खत्म करने की बात कौन करेगा?

-अशोक मधुप-

दलित और पिछड़े युवाओं के उत्थान के लिए लाया गया आरक्षण अब सत्ता में पहुंचने माध्यम बनता जा रहा है। अलग - अलग राज्य में राजनैतिक दल जहां आरक्षण को अपने हिसाब से अदल - बदल रहे हैं, वही प्राइवेट सैक्टर में भी आरक्षण लागू करने की कोशिश हो रही है। कुछ राज्यों ने अपने यहां ये आरक्षण लागू किया पर वहां के हाईकोर्ट ने उसे अवैध बताते हुए रोक लगा दी, पर ये कोशिश जगह झजगह जारी है।

सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायधीश की संविधान पीठ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की बात की तो विपक्ष ने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए इसका विरोध शुरू कर दिया। हालाकि प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी आश्वस्त कर चुके हैं कि आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू नही होगा, इसके बावजूद आरक्षण समर्थक राजनैतिक दलों ने इसके विरूद्ध आंदोलनरत हैं। अभी वे भारत बंद का आह्वान कर ही चुके हैं। इससे पहले कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी में स्थानीय के लिए शत प्रतिशत आरक्षण को लागू करने पर खड़ा हो गया। हालाकि प्रदेश कैबनेट में पांस किया गया ये कानून विरोध को देखते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, पर खत्म नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगली केबनेट की बैठक में इसपर फिर विचार होगा।

हाल के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के आते झआते प्रचार आरक्षण पर आकर सिमट गया। भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा कर रहे है कि हम देश में मुस्लिम आरक्षण लागू नही होने देंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही इंडिया गठबंधन दलित और पिछडों का आरक्षण काटकर मुस्लिमों को दे देगा। वे देश का विभाजन करवा देंगे। इस पर कुछ बड़े नेता तो चुप्पी साधे है किंतु समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने एक बयान में कहा है कि इंडिया गठबधंन के सत्ता में आते ही संविधान में संशोधन कर मुस्लिमों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण दिया जाएगा।

देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गए। आजादी के बाद दलित समाज को विकास की धारा में शामिल करने के लिए दस साल के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। आज ये आरक्षण राजनेताओं को सत्ता में पंहुचने का माध्यम नजर आने लगा है, वे इसे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। खत्म करने की नहीं। किसी को यह सोचने की फुरसत नही कि आरक्षण की मार से बचने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा आज विदेशों में जाकर शिक्षा ले रहे है। शिक्षा पूरी कर वहीं नौकरी या व्यवसाय कर चुने गए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारत के बाहरर जाकर बसी भारत की मेधा से प्रभावित होते देश के विकास पर किसी को सोचने का समय नहीं।

प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कर्नाटक सरकार ने यूटर्न ले लिया है। सरकार ने पहले सी और डी कैटेगरी की प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की बात कही थी। फिलहाल, आरक्षण के उस फैसले पर रोक लगा दी गई है। कैबिनेट ने फैसला स्थगित कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्राइवेट सेक्टर में कन्नड़ लोगों को 100 फीसदी आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कहा, हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। सरकार के इस फैसले का चौतरफा विरोध होने पर इस पर रोक लगा दी गई। सरकार का कहना है कि इस बिल पर वह पुनर्विचार करेगी. देश में यह पहला ऐसा मामला नहीं है।

कर्नाटक से पहले प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने के लिए आंध्र प्रदेश और हरियाणा में कोशिश की गई थी. वहीं, मध्य प्रदेश में भी सरकार ने ऐसा ही कहा था, लेकिन यह कोशिश रंग नहीं ला पाई थी। 2019 में आंध्र प्रदेश में पहली बार ऐसा कोई कानून बना था जहां 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण देने की बात कही गई थी। पर हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। फिलहाल, ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

महाराष्ट्र में 2019 में शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन की सरकार बनने के बाद प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 80 प्रतिशत नौकरियां देने का प्रस्ताव लाया गया था। सरकार सरकार इसे विधानसभा में भी लाना चाहती थी। लेकिन इसे लाया नहीं गया। कर्नाटक में कई बार प्राइवेट जॉब में कन्नड़ों के लिए आरक्षण तय करने की कोशिश हो चुकी है। सिद्धारमैया सरकार में ये तीसरी बार है जब ऐसी कोशिश हो रही है। इससे पहले 2014 और 2017 में भी सरकार कोशिश कर चुकी है। वहीं अक्टूबर 2020 में येदियुरप्पा की अगुवाई में बीजेपी सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में ग्रुप सी और डी में 75 प्रतिशत आरक्षण स्थानीयों को देने का ऐलान किया था। हालांकि, ये लागू नहीं हो सका था।

हरियाणा में 2020 में तब की मनोहर लाल खट्टर की सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कानून पास किया था। हाईकोर्ट ने पिछले साल नवंबर में इस कानून को रद्द कर दिया। झारखंड में दिसंबर 2023 में हेमंत सोरेन की सरकार ने सरकारी नौकरियों की ग्रुप तीन और चार में स्थानीयों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने के मकसद से बिल पास किया था।

# छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

-ललित गर्ग-

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3, 600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निमार्णों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बबार्दी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई ह्वरिश्वतह्व छू नहीं सके, जिसको कोई ह्वसिफारिशह्व प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

# भाजपा के 55 सीटों पर प्रत्याशी तय, तीन मंत्रियों और 15 विधायकों के कटेंगे टिकट

**चंडीगढ़।** केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में 55 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर दिए गए हैं। शुक्रवार को भाजपा पहली सूची जारी सकती है। बैठक में सभी 90 विधानसभा सीटों पर चर्चा की गई है। सूत्रों ने बताया सीएम नायब सिंह सैनी लाडवा विधानसभा से चुनाव लड़ सकते हैं। वहीं, लोकसभा चुनाव हारे कुछ उम्मीदवारों पर भी भाजपा फिर से दांव लगा सकती है।

नई दिल्ली में वीरवार रात को पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय नेतृत्व ने सूची को अंतिम रूप दिया। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने प्रत्याशियों पर मंथन किया। इस बार सैनी सरकार के दो से तीन मंत्रियों का टिकट कट सकता है। वहीं, मनोहर सरकार में रहे दो पूर्व मंत्रियों को भी मौका नहीं दिया जाएगा। साथ ही 14 से 15 विधायकों की जगह नए लोगों को मौका दिया जाएगा। राज्य में हैट्रिक लगाने के लिए भाजपा ने सभी 90 सीटों पर चर्चा की। इससे पहले हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर बैठक हुई। कुछ देर बाद जेपी नड्डा के आवास पर बैठक हुई, जिसमें हरियाणा कोर कमेटी के सभी सदस्य और गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। करीब 6 घंटे की मैराथन बैठक में पैनल को अंतिम रूप दिया गया।

इसके बाद पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीईसी की बैठक हुई। बैठक में लगभग सभी पैनलों को मंजूरी दे दी गई है। इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के सभी प्रभारी, सीएम नायब सिंह सैनी व अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

**नेताओं की संतानों पर भी लगेगा दांव...**भाजपा इस बार टिकट तीन मानकों पर दे रही है। पहला- जीत, दूसरा लोकप्रियता और तीसरा जातिगत समीकरण। इन मानकों पर जो भी खरा उतरेगा, पार्टी उसे टिकट देने में परहेज नहीं करेगी। ऐसे में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत की बेटी आरती, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी की बेटी श्रुति और भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य को टिकट तय माना जा रहा है। हालांकि कृष्णपाल गुर्जर ने भी बेटे के लिए टिकट की मांग की है जिस पर विचार चल रहा है।

**छोटे दलों को मिलेंगी सीटें...**भाजपा हरियाणा में गोपाल कांडा की पार्टी हरियाणा लोकहित पार्टी, पूर्व मंत्री विनोद शर्मा की पार्टी हरियाणा जन चेतना पार्टी को एक या दो सीट दे सकती है। कोर कमेटी की बैठक में इस बारे में चर्चा भी हुई। वहीं, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट मतदाताओं और किसान वर्ग में प्रभाव रखने वाले राष्ट्रीय लोकदल को भी प्रदेश में एक या दो सीट दी जा सकती हैं।

**मनोहर लाल नहीं लड़ेंगे चुनाव...**चर्चा थी कि भाजपा कुछ सांसदों को भी विधानसभा चुनाव में उतार सकती है। इसमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का भी नाम शामिल था। वीरवार को मनोहर लाल ने हल्के-फुल्के लहजे में कहा कि वह विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं। इस मुद्दे पर कोई बातचीत भी नहीं हुई है।

## दो बार हारे और दागियों को टिकट नहीं देगी कांग्रेस, दूसरे दलों से आने वालों का टूटेगा सपना

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधानसभा चुनाव में सांसदों को लड़ाने से इनकार करने के बाद कांग्रेस ने एक और बड़ा फैसला लिया है। दो या इससे अधिक बार चुनाव हारने वालों और दागियों को कांग्रेस टिकट नहीं देगी। साथ ही पार्टी में एक साल या इससे कम समय पहले आए नेताओं को भी टिकट नहीं दिया जाएगा। पार्टी पुराने सिपाहियों पर ही दांव खेलने की सोच रही है। हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने इन फैसलों की पुष्टि की है। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक वीरवार को दूसरे दिन भी दिल्ली में हुई। इसमें प्रदेश के 25 विधानसभा हलकों को लेकर मंथन किया गया। बुधवार को बैठक के पहले दिन कांग्रेस ने किसी भी सांसद अथवा राज्यसभा सदस्य को विधानसभा चुनाव का टिकट देने से इन्कार कर दिया था। अब दो या दो बार से ज्यादा विधानसभा चुनाव हार चुके दावेदारों का पत्ता भी काट दिया गया

है। साथ ही जिन नेताओं को कांग्रेस में शामिल हुए एक साल या इससे कम समय हुआ है, उन्हें भी टिकट नहीं दिया जाएगा। कांग्रेस के इस फैसले से भी कई नेताओं की परेशानी बढ़ने वाली है, क्योंकि पिछले एक साल में कांग्रेस में 20 से अधिक पूर्व विधायक शामिल हुए हैं।

**एक सीट पर एक नाम भेजने की तैयारी...**कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के दूसरे दिन कमेटी अध्यक्ष अजय माकन और सदस्यों मणिकम टैगोर, जिग्नेश मेवानी और श्रीनिवास बीवी के साथ प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी भागीदारी की। बैठक में इस बात पर सहमति बनाने के प्रयास चल रहे हैं कि कांग्रेस हाईकमान के पास प्रत्येक सीट के पैनल में एक नाम ही भेजा जाए।

**पार्टी ले चुकी नीतिगत फैसला : बाबरिया...**पार्टी ने दो बार चुनाव हार चुके नेताओं को टिकट नहीं देने का निर्णय लिया है। यह एक फैक्टर है कि उनका टिकट काटा जा सकता है। तीन बार चुनाव हार चुके और जमानत जब्त करा चुके उम्मीदवारों को टिकट नहीं देने का नीतिगत फैसला हो चुका है। इस बार पार्टी दागी चेहरों को भी चुनावी दंगल से दूर रखने पर गंभीरता से विचार कर रही है। पिछले दिनों आवेदन करने वाले व्यक्तियों से अपने-अपने बूथ की कमेटियों की सूची भी तलब की थी, जिन दावेदारों ने बूथ कमेटियां जमा नहीं कराई हैं, उनके नामों पर कैंची चल सकती है।

## नाभा जेल सहित पंजाब की 33 जेलों के सुपरिंटेंडेंट के तबादले, राजीव अरोड़ा बने एआईजी जेल

**चंडीगढ़।** पंजाब सरकार के जेल विभाग ने प्रदेश भर में बड़े स्तर पर कारागृहों के सुपरिंटेंडेंट, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट और एडीशनल सुपरिंटेंडेंट स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। जेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक शेखर ने जो आदेश जारी किए हैं, उसके मुताबिक नाभा की नई जिला जेल सहित 33 कारागृह के सुपरिंटेंडेंट स्तर के अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।

सेंट्रल जेल फरीदकोट के सुपरिंटेंडेंट राजीव अरोड़ा को एआईजी जेल पंजाब का कार्यभार सौंपा गया है।

नई जिला जेल नाभा के सुपरिंटेंडेंट रमनदीप सिंह भंगू को अतिरिक्त सुपरिंटेंडेंट केंद्रीय जेल बठिंडा का चार्ज सौंपा है। इसी तरह पटियाला की सेंट्रल जेल के सुपरिंटेंडेंट मनजीत सिंह सिद्धू को सेंट्रल जेल बठिंडा के सुपरिंटेंडेंट, श्री मुक्तसर साहिब जिला जेल के सुपरिंटेंडेंट वरुण शर्मा को सेंट्रल जेल पटियाला के सुपरिंटेंडेंट का

कार्यभार सौंपा है।

जेल के मुख्य ऑफिस के कंट्रोल रूम के डीएसपी इकबाल सिंह धालीवाल का फरीदकोट सेंट्रल जेल के सुपरिंटेंडेंट का, सेंट्रल जेल अमृतसर के अतरिक्त सुपरिंटेंडेंट हेमन्त शर्मा को इसी जेल के सुपरिंटेंडेंट का कार्यभार सौंपा है। जिला जेल संगरूर के सुपरिंटेंडेंट ललित कोहली को जिला जेल रूपनगर के सुपरिंटेंडेंट का, सेंट्रल जेल गुरदासपुर के सुपरिंटेंडेंट नवइंदर सिंह को जिला जेल संगरूर के सुपरिंटेंडेंट का, सेंट्रल जेल गोइंदवाल के अतिरिक्त सुपरिंटेंडेंट राहुल राजा को सेंट्रल जेल गुरदासपुर के सुपरिंटेंडेंट का कार्यभार सोपा गया है। जिला जेल बरनाला के सुपरिंटेंडेंट कुलविंदर सिंह को सेंट्रल जेल गोइंदवाल के सुपरिंटेंडेंट का , सेंट्रल जेल कपूरथला के सिक्योरिटी के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट नवदीप सिंह को जिला जय श्री मुक्तसर साहिब के सुपरिंटेंडेंट का कार्यभार सौंपा है। सेंट्रल जेल कपूरथला के सुपरिंटेंडेंट कुलवंत सिंह को नाभा जेल सिक्योरिटी के सुपरिंटेंडेंट और पंजाब जेल ट्रेनिंग स्कूल पटियाला के प्रिंसिपल का कार्यभार सोपा गया है। सेंट्रल जेल बठिंडा के एडीशनल सुपरीटेंडेंट इंदरजीत सिंह काहलो को नई जेल नाभा के सुपरिंटेंडेंट की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह गुरचरण सिंह धालीवाल को जिला जेल बरनाला के सुपरिंटेंडेंट का, शियामल जोती को सेंट्रल जेल कपूरथला के सुपरिंटेंडेंट का, विजय कुमार को सेंट्रल जेल कपूरथला के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट का, जसपाल सिंह को महिला जेल लुधियाना के सुपरिंटेंडेंट का, जतिंदर पाल सिंह को सेंट्रल जेल गोइंदवाल के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट का कार्यभार सौंपा गया है।

## यमुनानगर में बड़ा हादसा: 66 हजार केवी तार टूट कर घरों पर गिरी, करंट लगने से महिला झुलसी

**यमुनानगर।** यमुनानगर की हरबंसपुरा कॉलोनी के जोगिंद्र नगर में आज 66 हजार केवी की हाइटेंशन तार अचानक टूट गई। तार टूट कर घरों की छतों पर गिर गई जिससे जोरदार धमाका हुआ। धमका इतना जोरदार था कि कई किलोमीटर दूर तक उसकी आवाज सुनाई दी। तार गिरने से घर में मौजूद एक महिला को करंट लग गया, जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि कुछ घरों में रखा फ्रिज, एलईडी, कूलर, बिजली के अन्य उपकरण भी जल गए। लोगों के घरों के बाहर लगे बिजली निगम के मीटर भी जल गए। गुस्साए लोगों ने बिजली निगम के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया।

जोगिंद्र नगर में लोग आज अपने-अपने कार्यों में व्यस्त थे। तभी जोरदार धमाका हुआ और घरों में करंट आ गया। दहशत के मारे लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने देखा कि घर

की छतों व गली में 66 हजार केवी की तार टूटी पड़ी है। हाइटेंशन तार टूट कर घर की छत पर गिरने से मंजू के घर में आग लग गई। आग से उसके घर में रखा कूलर, फ्रिज, पंख, बिजली की फिटिंग समेत अन्य सामान जल गया। लोगों ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। काफी देर तक लोगों के घरों में करंट भी आता रहा। जिससे लोगों में डर का माहौल देखा गया।

लोगों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी में 66 हजार केवी हाइटेंशन तार के लोहे के पोल गलियों के बीचोबीच लगे हुए हैं। यह हाइटेंशन तारें कई दशक पुरानी हैं, जो अब जर्जर हो चुकी हैं। कई बार तार को बदलने के लिए बिजली निगम को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। कभी कभार अधिकारी आते हैं और तार देख कर चले जाते हैं। लोगों ने मांग की है कि बिजली निगम की लापरवाही से उनका जो नुकसान हुआ है उसका उन्हें मुआवजा दिया जाए।

## पूर्व सरपंच को मारी गोली, बाइक सवार तीन युवकों ने दिया वारदात को अंजाम

**सोनीपत।** सोनीपत के बाइक पर सवार होकर जा रहे गांव मोहाना के पूर्व सरपंच पर रास्ते में गोलियां बरसा दी। उन्हें चोर गोलियां लगी है। वारदात को मोहाना से जाजी वाले रास्ते पर बाइक पर सवार होकर आए तीन युवकों ने अंजाम दिया है। पूर्व सरपंच की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें रेफर कर दिया। परिजनों ने शहर के एक निजी अस्पताल में दाखिला करवाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल के बयान लेने के प्रयास कर रही है।

गांव मोहाना निवासी पूर्व सरपंच अनिल शुक्रवार दोपहर के समय बाइक पर सवार होकर मोहाना से जाजी वाले रास्ते पर अपने खेत में जा रहे थे। रास्ते में बाइक पर सवार होकर आए तीन युवकों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। अनिल को हाथ, पैर, पेट व कंधे में चार गोलियां लगी है। वारदात को अंजाम देकर हमलावर भाग गए। घायल को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने

घायल की गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई खानपुर रेफर कर दिया। परिजनों ने अनिल को शहर के बहालगढ़ रोड स्थित एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया है।

**पहले भी हो चुका है हमला...**बताया जा रहा है कि अनिल पर हत्या का आरोप है। सरपंच रहते हुए पहले भी उन पर हमला हो चुका है। उन्हें पहले भी गोली मारी गई थी। हालांकि उस समय भी वह बच गए थे। अब दोबारा उन पर जानलेवा हमला किया गया है। हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

## सड़क निर्माण में अनियमितताओं का मामला, नाराज लोगों ने फूंका लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का पुतला

**फतेहाबाद** फतेहाबाद के लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार की मिलीभगत से गांव ब्राह्मणवाला से लेकर राजस्थान बॉर्डर तक सड़क चौड़ीकरण के काम में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ शुक्रवार को रतिया में लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। नाराज लोगों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का पुतला फूंकते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व सुभाष खिलेरी ने किया, जिसमें किसान नेता राम जाट, निंदी बजाज, और कामरेड सुखचैन भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

लोगों का आरोप है कि 65 करोड़ रुपये की लागत से पंजाब

बॉर्डर से राजस्थान बॉर्डर तक बनने वाली सड़क का काम बेहद धीमी गति से चल रहा है और ठेकेदार द्वारा सुरक्षा के पर्याप्त उपाय नहीं किए जा रहे हैं। बड़े-बड़े गड्ढे खोद दिए गए हैं, लेकिन वाहन चालकों को सचेत करने के लिए कोई साइन बोर्ड नहीं लगाए गए हैं, जिसके कारण हादसे हो रहे हैं। बरसात के कारण दलदल में फंसे वाहनों को निकालने के लिए भी ठेकेदार ने कोई क्रेन व्यवस्था नहीं की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अधिकारियों को कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ठेकेदार और अधिकारी मिले हुए हैं और नियमों की अनदेखी कर लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि दो दिन के भीतर निर्माण कार्य में सुधार नहीं हुआ और ठेकेदार के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे एसडीएम कार्यालय का घेराव करेंगे और अनिश्चितकालीन धरना देंगे। इस विरोध प्रदर्शन में जोगीराम हड़ौली, जोगिन्द्र राठौड़, बंता राम, मनफूल बैनीवाल, भीरा राम बाजीगर, रंगा बाजीगर, सुधीर गोदारा, बलबीर राय, प्रदीप सेठ, लाला राम, ज्ञानी दीपू, और राजेन्द्र सेठ सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

## ग्रामीणों ने शराब का नया ठेका खोलने पर जताया विरोध ठेका खुला तो BJP को चुनाव में नहीं देंगे वोट

**हांसी।** हांसी के गांव ढाणी कुम्हारान में शुक्रवार को शराब ठेका खोले जाने के विरोध में ग्रामीणों ने सड़क पर जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने शराब ठेके के खोखे को पलटने का प्रयास किया। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण जिद पर अड़े रहे। विरोध करने वालों में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कई घंटे की मशक्कत के बाद सदर थाना से सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने ग्रामीणों से बात कर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया।

शराब का ठेका नहीं खोलने की मांगग्रामीण जय सिंह राजपाल सैनी रमेश सैनी, नवीन सैनी, महेंद्र डॉक्टर, विकास नंबरदार, किरण बाला व उर्मिला ने बताया कि गांव में पहले कभी शराब का ठेका नहीं खुला। इस बार पंचायत ने प्रस्ताव पास कर गांव में शराब का ठेका न

खोलने के लिए उच्च अधिकारियों के पास पत्र भेजा हुआ है उसके बाद भी गांव में ठेका खोला गया । जिसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि चाहे हमारी जान चली जाए, लेकिन गांव में शराब का ठेका नहीं खुलने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि जिस जगह ठेका खुला हैं, वहां गांव की पूरी आबादी हैं। साथ ही जिस जगह ठेका खोला गया है कुछ दूरी पर दो स्कूल भी है जहां पर बच्चे शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं ठेका खुलने पर बच्चों पर गलत असर पड़ेगा। महिलाओ ने कहा कि सुबह-शाम सैर करने के लिए आती हैं। शराब का ठेका खुलने से माहौल खराब होगा। वीरवार को ही ठेके के लिए खोखा लाकर रखा गया था, जिसमें कुछ लोग शराब भी बेच रहे थे। जैसे ही सूचना गांव के लोगों को मिली तो रोष फैल गया और ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया।

**शराब का ठेका खुला तो चुनाव में भाजपा का करेंगे विरोध...**शराब ठेके को लेकर गांव में कई घंटे तक हंगामा हुआ। काफी देर तक ग्रामीणों ने महिलाओं के साथ मिलकर सड़क पर दोनों तरफ डेरा डालकर सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कहा कि अगर गांव में ठेका खोलने का प्रयास किया गया तो वह विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट की चोट से विरोध करेंगे। इसके बाद महिलाएं शराब ठेके के सामने बैठ गई।

सूचना के बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण ठेका हटाने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस की तरफ से इसकी सूचना आबकारी विभाग को दी गई। महिलाओं ने कहा कि पुलिस ने गांव को नशा मुक्त घोषित कर रखा है उसके बाद भी गांव में शराब का ठेका खोल कर नशा बेचने का काम ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है।

## सुखबीर बादल तनखाइया घोषित, पांच सिंह साहिबान ने बैठक के दौरान लिया फैसला

**अमृतसर** श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से पूर्व उप मुख्यमंत्री व अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल को तनखाईया घोषित कर दिया है। अकाल तख्त साहिब की ओर से सुखबीर बादल को अपनी सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई पंथक गलतियों के लिए दोषी एलान कर दिया है। जत्थेदार श्री अकाल तख्त साहिब ने कहा कि आज श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालया में पांच सिंह साहिबों की बैठक हुई, जिसमें पंज सिंह साहिबों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सुखबीर सिंह बादल पंजाब सरकार के उप मुख्यमंत्री व अकली दल के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने कुछ ऐसे फैसले लिए जिससे पंथक की छवि को काफी नुकसान पहुंचा। शिरोमणि अकाली दल की हालत बहुत पतली हो गई। सिख हितों को भारी नुकसान हुआ है। इसलिए उनके सहयोगी सिख कैबिनेट मंत्री जो 2007 से 2017 तक सरकार में मौजूद रहे है को भी इस संबंध में 15 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण देना होगा। जब तक सुखबीर सिंह बादल अपने सहयोगियों के साथ एक विनम्र सिख की तरह अकाल तख्त साहिब पर गुरु ग्रंथ साहिब की उपस्थिति में सिख संगत और पंज सिंह साहिबों के सामने अपनी गलतियों के लिए वह तनखाईया रहेंगे। उनके साथ कोई भी अपनी रोटी बेटी की सांझ तब तक नहीं रख सकता जब तक वह अकाल तख्त साहिब की ओर से लगाई गई धार्मिक सजा को पूरी नहीं कर लेते।

वहीं, अकाली दल के प्रवक्ता विरसा सिंह वल्टोहा ने कहा कि अब सुखबीर बादल अकाल तख्त पर पेश होंगे। इस दौरान उनको अकाल तख्त साहिब से उनके उनके गुनाह बताए जाएंगे, जिस पर सुखबीर बादल अपना पक्ष रखेंगे और अकाल तख्त साहिब की ओर से धार्मिक सजा सुनाई जाएगी। अकाली नेता दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब से जो भी आदेश आएगा, शिरोमणि अकाली दल उस आदेश को सिर झुकाकर स्वीकार करेगा। सुखबीर बादल ने पहले ही साफ कर दिया था कि जो भी आदेश आएगा उन्हें एक विनम्र सिख के तौर पर स्वीकार किया जाएगा।

## हाईकोर्ट ने दिए ढाई साल के बच्चे की कस्टडी मां को सौंपने का आदेश

**चंडीगढ़।** पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने ढाई साल के बच्चे की कस्टडी को लेकर दाखिल महिला की याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पिता का प्यार मां के प्यार से बेहतर नहीं हो सकता है। इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने बच्चे की कस्टडी उसकी मां को सौंपने का निर्देश दिया है।

अंबाला निवासी महिला ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल करते हुए आरोप लगाया गया था कि उसके ढाई वर्षीय बेटे को उसके पति ने अवैध रूप से हिरासत में रखा है। याची ने बताया था कि उसे उसका पति और ससुराल वाले परेशान करते थे और इस वजह मई में बेटे के साथ ससुराल से चली गई और मायके में रहने लगी। 26 जून को उसका बेटा लापता हो गया। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पता चला कि याची का पति बेटे को अवैध तरीके से ले गया है। पति के खिलाफ बेटे का अपहरण करने के आरोप में एफआईआर भी कराई था। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे की कस्टडी पिता को सौंपने के लिए किसी अदालत द्वारा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था। इसलिए आदेश के अभाव में कम उम्र में बच्चे की कस्टडी पिता के पास कानूनी नहीं मानी जा सकती है।

हाईकोर्ट ने कहा कि मां का प्यार त्याग और समर्पण की परिभाषा है। दो-तीन वर्ष की आयु में बच्चे और मां के बीच का बंधन पिता के साथ बंधन से भी अधिक होता है। हालांकि पिता की भावनाएं अपने बच्चे के प्रति हमेशा मजबूत होती हैं, लेकिन वे इस छोटी सी उम्र में मां की भावनाओं से अधिक नहीं हो सकती हैं। जिस बच्चे को मां का प्यार नहीं मिलता, वह अपने जीवन में बेपरवाह हो सकता है। इतनी छोटी सी उम्र में, मां के प्यार का कोई विकल्प नहीं है। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि नाबालिग बच्चे की कस्टडी पिता से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबाला या जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंबाला द्वारा नियुक्त किसी अधिकारी की उपस्थिति में याचिकाकर्ता-मां को तुरंत सौंप दी जाए।

## बसों की समस्या को लेकर छात्राओं ने किया जाम, तीन किलोमीटर लंबी लाइन में फंसे वाहन

**हिसार।** हिसार में बसों की गंभीर समस्या को लेकर शुक्रवार को भोजराज में छात्राओं ने सड़क जाम कर अपना गुस्सा जाहिर किया। जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे करीब तीन-तीन किलोमीटर तक ट्रैफिक बाधित हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्राओं को समझाने का प्रयास किया।

छात्राओं का कहना है कि इस रूट पर पहले एक नियमित बस चलाई जा रही थी, लेकिन इसे बंद कर मिनी बस शुरू कर दी गई है। मिनी बस में पहले से ही सवारियां भरी होती हैं, जिससे उन्हें दरवाजे पर खड़े होकर सफर करना पड़ता है। इस स्थिति के कारण उन्हें स्कूल और कॉलेज जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

छात्राओं और ग्रामीणों ने कई बार रोडवेज अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। हर बार उन्हें केवल आश्वासन देकर टाल दिया गया। जब उनकी समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकला, तो शुक्रवार को छात्राओं ने रोड जाम कर अपना विरोध प्रकट किया।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर छात्राओं को शांत करने की कोशिश की, लेकिन छात्राओं का कहना है कि जब तक उनकी बसों की समस्या का समाधान नहीं होता, वे अपना विरोध जारी रखेंगी। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन पर भी दबाव बढ़ गया है कि वे जल्द से जल्द इस समस्या का हल निकालें।

## कपूरथला में हथियार लेकर घर में घुसे 15 से 20 हमलावर

**कपूरथला।** कपूरथला में नशा तस्करों ने 15 से 20 बदमाशों के साथ घर में घुसकर युवकों पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने उनकी गाड़ी और दुकान में भी तोड़फोड़ की। घटना के दौरान आसपास के लोग इकट्ठा हुए तो हमलावर मौके से भाग गए। वहीं घटना में घायल हुए युवकों को परिजनों ने उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया है। घायलों की पहचान चंचल एवं अनिल निवासी मोहल्ला मेहताबगढ़ के तौर पर हुई है। इस घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है।

सिटी थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। डीएसपी सब डिवीजन हरप्रीत सिंह ने बताया कि घायलों के बयान लिए जा रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। सिविल अस्पताल में उपचाराधीन घायल चंचल ने बताया कि वीरवार को उसकी बुआ का लड़का उनसे मिलने के लिए आया था। जब वह घर के बाहर गाड़ी पार्क कर रहा था। तभी कुछ युवक वहां पर आ गए। युवकों को लगा कि वह नशा खरीदने के लिए आया है। इस दौरान उनकी वहां पर कहासुनी भी हुई। चंचल ने आरोप लगाया कि वहीं जब नशा तस्करों को इसका पता चला कि उक्त युवक उन्हें नशा बेचने से रोकने वाले का रिश्तेदार है तो हमलावर हथियारों से साथ उसके घर दुकान में दाखिल हुए और चंचल और उसकी बुआ के लड़के के साथ मारपीट कर उनके घर दुकान व गाड़ियों की तोड़फोड़ कर दी। आरोपी वहां से जाती बार उन्हें धमकियां देते हुए फरार हो गए।

# चीन नहीं आ रहा अपनी हरकतों से बाज, एक बार फिर ताइवान की सीमा के पास भेजे 25 सैन्य विमान

**ताइपे** । चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के विमान, नौसैनिक पोत और जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए।

**इतने विमान दिखाई दिए...**ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि गुरुवार सुबह छह बजे से शुक्रवार सुबह छह बजे ताइवान के आसपास चीनी सात नौसैनिक पोत, दो जहाज और 25 सैन्य विमान उड़ान भरते देखे गए। सेना ने बताया कि 25 विमानों में से 17 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। एमएनडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी।

**हम स्थिति पर नजर रखे हुए: एमएनडी...**ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज सुबह 25 विमान , सात पोत और दो जहाज ताइवान के आसपास नजर आए। 17 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हम स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं।'

इससे पहले, ताइवान ने मंगलवार सुबह छह बजे से बुधवार सुबह छह बजे तक देश भर में आठ पोत और दो जहाजों के साथ 13 चीनी विमानों का भी पता लगाया था।

**क्या है ग्रे जोन रणनीति ?...**गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से 'ग्रे जोन' रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे-धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है।

# नेपाल: जनकपुरधाम उद्योग वाणिज्य के अध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए हुआ नामांकन

दीपक/मधुकर।

**जनकपुरधाम।** जनकपुरधाम उद्योग वाणिज्य संघ के नये अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित सदस्यों के लिए शुक्रवार को नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुयी।

अध्यक्ष पद के लिए मनीष रमण साह, जीतेन्द्र प्रसाद साह तथा सुरेन्द्र भंडारी ने नामांकन दाखिल किए। इसी बरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए मनोज कुमार साह, विकास कुमार चौधरी तथा अंबु प्रसाद साह ने नामांकन दाखिल किए। इसी तरह उपाध्यक्ष पद के लिए लक्ष्मण साह, विश्वनाथ साह सूड़ी ने नामांकन पत्र भरा। इसी तरह महिला उपाध्यक्ष के लिए रिंकू साह, माया कुमारी तथा सरिता ठाकुर ने नामांकन दाखिल किया। इसी तरह महासचिव पद के लिए फूलदेव पंडित, गणेश कुमार साह अशोक कुमार चौधरी तथा सुधीर पंजियार ने नामांकन दाखिल किया।सचिव पद के लिए नरेंद्र बिक्रम साह, राकेश पंजियार, श्रवण कुमार साह तथा गोपी कुमार साह ने नामांकन दाखिल किए। कोषाध्यक्ष पद के लिए राम चंद्र पंजियार, मनोज कुमार शर्मा, राकेश कुमार साह तथा परमेश्वर साह ने नामांकन दाखिल किए। इसी तरह एसोसिएट सदस्य में दीपक कुमार साह तथा अभिषेक कुमार ने नामांकन दाखिल किए। सभी उम्मीदवार जानकी मंदिर,राम मंदिर,राज देवी मंदिर में पूजा पाठ कर समर्थकों के साथ जनकपुरधाम उद्योग बाणिज्य संघ कार्यालय में जाकर नामांकन दाखिल किए।

# भारत ने ऊर्जा परियोजनाओं का पहला भुगतान श्रीलंका को सौंपा

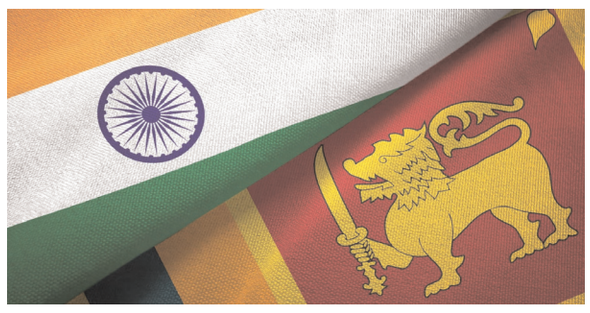

**कोलंबो** श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने उत्तरी जाफना के पास तीन श्रीलंकाई द्वीपों पर हाइब्रिड बिजली परियोजनाओं के लिए पहला भुगतान बृहस्पतिवार को सौंपा। ये परियोजनाएं डेल्फ्ट, नैनातिवु और अनलाईतिवु द्वीपों में 1.1 करोड़ डॉलर की भारतीय अनुदान सहायता के तहत क्रियान्वित की जा रही हैं। इनके तहत तीनों द्वीपों में हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली स्थापित की जाएंगी।

उच्चायुक्त संतोष झा ने इन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए पहला भुगतान विद्युत और ऊर्जा मंत्रालय की सचिव डॉ. सुलक्षणा जयवर्धने और श्रीलंका सतत ऊर्जा प्राधिकरण के अध्यक्ष को सौंपा। परियोजना का उद्देश्य उन तीन द्वीपों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है जो राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़े नहीं हैं। ये द्वीप तमिलनाडु के समीप हैं।

**चीनी उपक्रम की जगह ली...**परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर 2022 में हस्ताक्षर किए गए। इसने उस चीनी उपक्रम की जगह ली है जिसे भारत की आपत्तियों के बाद शुरू में अनुबंध दिया गया था। 2021 में, भारत द्वारा इसके स्थान को लेकर चिंता जताने की खबरों के बीच, चीन ने ह्यतीसरे पक्षह्न से ह्यसुरक्षा चिंताह्न का हवाला देते हुए हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की परियोजना को निलंबित कर दिया था।

# पूर्व पीएम शेख हसीना और परिवार की विशेष सुरक्षा वापस होगी, अंतरिम सरकार कानून में संशोधन करेगी

**ढाका**। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दी गई विशेष सुरक्षा बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार ने वापस लेने का एलान किया है। अंतरिम सरकार का यह फैसला हसीना और उनके परिवार के राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के कुछ दिनों बाद आया है। हालांकि, अभी शेख हसीना की विशेष सुरक्षा खत्म करने वाले कानून में संशोधन करना बाकी है।

आधिकारिक बीएसएस समाचार एजेंसी के अनुसार, मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में सलाहकार परिषद ने पूर्व प्रधान मंत्री हसीना और उनके करीबी रिश्तेदारों के लिए विशेष सुरक्षा हटाने के लिए विशेष सुरक्षा बल अधिनियम 2021 में संशोधन करने का फैसला किया। मुख्य सलाहकार कार्यालय (सीएओ) ने बैठक के बाद बयान में कहा कि यह अधिनियम पिछली सरकार के फैसले के बाद बनाया और लागू किया गया था। इसके बाद 15 मई 2015 को इस कानून के तहत हसीना और उनके करीबियों को विशेष सुरक्षा और लाभ प्रदान करने के लिए एक गजट जारी किया गया।

बयान में आगे कहा, 'यह कानून पूरी तरह से एक परिवार के सदस्यों को विशेष राज्य लाभ प्रदान करने के लिए बनाया गया था, जो स्पष्ट भेदभाव का गठन करता है।' कहा कि अंतरिम सरकार सभी प्रकार के भेदभाव को खत्म करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। बदले हुए परिदृश्य के कारण 'मौजूदा कानून के अनुरूप राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के परिवार से संबंधित प्रावधानों को प्रशासनिक प्रबंधन के तहत लागू करना संभव नहीं है।'

बैठक के बाद सलाहकार परिषद की सदस्य सैयदा रिजवाना हसन ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, 'अंतरिम सरकार भेदभाव विरोधी आंदोलन का परिणाम थी।' पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का प्रभार सौंपे गए रिजवाना ने कहा कि परिषद ने कानून को 'भेदभावपूर्ण' मानते हुए इसमें संशोधन करने का फैसला किया।

हाल ही में गृह मंत्रालय ने हसीना, उनके सलाहकारों, पूर्व कैबिनेट सदस्यों और 12वीं संसद के सभी सदस्यों के राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिए। उनके जीवनसाथी और बच्चों के राजनयिक पासपोर्ट भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं।

बता दें कि जन विद्रोह के बीच पांच अगस्त को 76 वर्षीय हसीना के बांग्लादेश छोड़ भारत भाग जाने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भंग कर दी थी। जिसके बाद आठ अगस्त, 2024 को अंतरिम सरकार का गठन किया गया, जिसमें मुख्य सलाहकार और अन्य सलाहकार शामिल हैं। वहीं, पूर्व पीएम हसीना पर वर्तमान में बांग्लादेश में 75 से अधिक मामले हैं, जिनमें से लगभग आधे हत्या के आरोप से जुड़े हैं।

# डाक बम मेला की तैयारी को लेकर एसडीओ ने बागमती नदी के संगम घाट देवापुर का किया निरीक्षण

संवाददाता।

**मोतिहारी** । जिले के पताही प्रखंड क्षेत्र स्थित बागमती नदी के संगम घाट देवापुर में अंनत चतुर्दशी के अवसर पर लगने वाले डाक बम मेला की तैयारी को लेकर पकड़ीदयाल एसडीओ अविनाश कुमार ने गुरुवार को संगम घाट देवापुर का निरीक्षण किया। एसडीओ कुमार ने अंनत चतुर्दशी के अवसर पर संगम घाट पर जलबोझी को आने वाले डाक बम एवं कावरियों की सुविधा को लेकर मेला समिति एवं ग्रामीणों से जानकारी ली। एसडीओ श्री कुमार ने बताया कि अंनत चतुर्दशी के अवसर पर अरेराज महादेव मंदिर में जलाविषेक को लेकर इस संगम घाट से डाक बम एवं साधारण कावरिया जलबोझी करते हैं ।जलबोझी के लिए आने वाले डाक बम एवं कावरियों की सुविधा को लेकर तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि संगम नदी से देवापुर से लाइट की व्यवस्था. शुद्ध पेयजल, शौचालय, चेंज रूम, पंडाल, कंट्रोल रूम सहित सभी व्यवस्थाएं की जायेगी। मौके पर जिहुली मुखिया विकास कुमार उर्फ निककु सिह, पूर्व उप प्रमुख बेदानन्द झा ,जेई विवेक कुमार किसान सलाहकार सतीश झा, पंचायत सचिव राजेश कुमार आदि उपस्थित थे।

# अमेरिका में छह करोड़ लोगों पर मौसम की मार

**वॉशिंगटन**। अमेरिका के मध्य-पश्चिमी राज्यों में लू (हीटवेव) ने जमकर कहर बरपाया। यहां प्रचंड गर्मी और लू ने तापमान में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की। इस वजह से छह करोड़ लोगों पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है।

एनडब्ल्यूएस के मुताबिक, शिकागो, डेस मोइनेस और टोपेका जैसे मध्य-पश्चिमी क्षेत्रों में भीषण गर्मी पड़ रही है। यहां के शहरों पर देर से आने वाले उच्च दबाव वाले सिस्टम की वजह से लंबे समय तक प्रचंड और हर बार के मुकाबले कहीं ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ रही है।

हीटवेव, गर्मी और उमस के खतरों के बारे में चेतावनी ठहर ने लोगों को हीटवेव, गर्मी और उमस के खतरों के बारे में चेतावनी दी है। अमेरिका के मध्य-पश्चिमी राज्यों में खतरनाक गर्मी से बचने को लेकर तैयारी करनी शुरू कर दी है। इसके लिए सार्वजनिक कूलिंग सेंटर स्थापित किए गए हैं।

**देश में हर साल लगभग 1,220 लोगों की हो रही मौत...**अत्यधिक गर्मी और नमी की वजह से संयुक्त राज्य अमेरिका में कई जानें ज'ती हैं। मौसम से संबंधित आपदाओं में यह सबसे बड़े खतरों में से एक है। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, देश में हर साल लगभग 1,220 लोग अत्यधिक गर्मी से मारे जाते हैं।

# हथियार तस्करी के आरोपी को डेनमार्क से भारत प्रत्यार्पित नहीं कर सकते

**कोपेनहेगन** डेनमार्क की एक अदालत ने 29 साल पुराने हथियार तस्करी मामले के आरोपी नील्स होल्क (62) को भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। होल्क ने 1995 में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में एक मालवाहक विमान से असॉल्ट राइफलें, रॉकेट लांचर और मिसाइलें पहुंचाने की बात स्वीकार की थी। भारतीय पुलिस ने कहा कि ये हथियार देश के एक विद्रोही संगठन के लिए थे। डेनमार्क के हिलेरोड जिला अदालत ने कहा कि भारत के आश्वासन के बावजूद उन्हें संदेह है कि होल्क को भारत में यातना या अन्य अमानवीय व्यवहार का सामना करना पड़ेगा।

होल्क ने बृहस्पतिवार सुबह फैसला सुनाए जाने से पहले डेनिश रेडियो डीआर से कहा, मैं न्यायाधीश के सामने जवाबदेह होना चाहूंगा, क्योंकि उन्हें प्रत्यर्पित किए जाने पर उनकी जान को खतरा है।

62 वर्षीय होल्क ने अदालत से कहा कि उन्हें डर है कि अगर उन्हें प्रत्यर्पित किया गया तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। फैसले की घोषणा से पहले होल्क ने गुरुवार सुबह डेनिश रेडियो डीआर को बताया, "मैं एक न्यायाधीश के सामने जवाबदेह ठहराया जाना चाहूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यह एक उचित आपातकाल है, लेकिन मैं इससे मरना नहीं चाहूंगा।

जबकि मामले में एक ब्रिटिश नागरिक और पांच लातवियाई लोगों को हथियार गिराने के बाद भारतीय अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया था लेकिन होल्क - जिसे पहले नील्स क्रिश्चियन नीलसन के नाम से जाना जाता था, मौके से भाग निकलने में कामयाब हो गाय था।

भारत ने सबसे पहले 2002 में डेनमार्क से होल्क को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा था। सरकार ने सहमति दे दी थी, लेकिन डेनमार्क की दो अदालतों ने यह कहते हुए उसके प्रत्यर्पण को इन्कार कर दिया कि उसे भारत में यातना या अन्य अमानवीय व्यवहार का जोखिम होगा।

जून 2023 में, डेनमार्क ने फिर से 2016 के भारतीय प्रत्यर्पण अनुरोध पर गौर किया था लेकिन प्रत्यर्पण नहीं हो सका।

# मुजफ्फरपुर: बन्दरा के बड़गांव में नलजल योजना की पानी के लिए त्राहिमाम

संवाददाता।

**मुजफ्फरपुर।** जिले के बन्दरा प्रखंड के बड़गांव पंचायत के वार्ड संख्या 8 में तकरीबन 50 से ज्यादा परिवारों को नल योजना से जलापूर्ति का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बस्ती के लोगों ने शुक्रवार को बताया कि पिछले करीब 4 महीने से उन लोगों को नलजल योजना का पेयजल नहीं मिल पाने की वजह से पानी पीने एवं खाना बनाने से लेकर बर्तन-कपड़ा धोने एवं नहाने तक की समस्या उत्पन्न हो रही है।

- 4 महीने से जलसंकट से जूझ रहे वंचित परिवार के लोग
- लोगों में परेशानी के साथ बढ़ रही नाराजगी

उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं के द्वारा बकाया राशि का भुगतान किया गया है, बावजूद उन लोगों को जलापूर्ति नहीं की जा रही है।वोट एवं जाती विशेष को लेकर बस्ती के वंचित परिवारों के साथ भेदभाव किया जा रहा है।बस्ती के लोगों एवं महिलाओं ने बताया कि इस मामले की शिकायत स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ऑपरेटर से करने पर कार्रवाई नहीं हो रही है,उल्टे धमकाया जा रहा है।जिससे वंचित एवं परेशान लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, लिहाजा पिछले दिनों इस मामले की शिकायत प्रखंड स्तर के संबंधित पदाधिकारी से भी की गई।

बावजूद इस मामले में अबतक धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं हो सका है। बस्ती के अवधेश पासवान एवं अन्य लोगों ने बताया की पेयजल की समस्या इस भीषण गर्मी में लगातार विकट होती जा रही है। लोग परेशान हैं। गरीबों को क्षमता नहीं है कि खरीद कर पानी पी सके। सरकारी नल जल योजना का पानी नहीं मिल पाने की स्थिति में लोग दूसरे वार्ड क्षेत्र से या दूसरे जल स्रोत से पानी लाकर पीने पर मजबूर हैं।लोगों ने एक बैठक कर मामले की शिकायत डीएम से करने की रणनीति बनाई है।

# मंच से अशोक चौधरी खूब बरसे कहा

**चुनाव में अतिपिछड़ा को कैंडिडेट बनाते ही भूमिहार दिल्ली-कलकत्ता भाग जाते हैं**

संवाददाता।

**जहानाबाद।** बिहार सरकार में कद्दावर मंत्री अशोक चौधरी जहानाबाद में जात-पात की राजनीति करने वालों पर बेहद नाराज दिखे। अशोक चौधरी ने कहा कि कुछ लोग जात-पात की राजनीति करते हैं। क्या नीतीश कुमार ने ऐसा किया कि जहां भूमिहार का गांव होगा वहां सड़क नहीं बनेगी। लेकिन जब आप अतिपिछड़ा को बनाते हैं तो भूमिहार लोग भाग जाते हैं। कहते हैं हम वोट नहीं देंगे। चुनाव के समय ही दिल्ली-बम्बई भाग गए। आपकी जाति का उम्मीदवार अगर खड़ा है तो आप कहेंगे बढ़िया है।

अगर मेरा उम्मीदवार तीन दिन चार दिन आपके दरवाजे नहीं गया तो आप कहेंगे की खराब है। राजनीत करना है तो उसूल के साथ कीजिए। राजनीति करना है ता वजूद के साथ कीजिए। मुद्दों पर कीजिए। जब हमारे नेता ने निर्णय कर लिया तो हमें उस आदमी के साथ स्टैंड करना है, चाहे वह कैसा भी हो। अशोक चौधरी ने आगे कहा कि निर्णय का विरोध सिंबल बंटने से पहले कर सकते हैं। लेकिन सिंबल बंटने के बाद हम निर्णय का

विरोध नहीं कर सकते। आज हमारे नेता ने मुझे मंत्री बनाया कल हटा देगा, तो क्या हम नीतीश कुमार को गाली देने लगेंगे। ऐसे में मेरा क्या वैल्यू रह जाएगा। हमें ऐसे नेता और कार्यकर्ता चाहिए जो सुख और दुख दोनों समय में नीतीश जी के साथ खड़े रहें।

हम सभी कार्यकताओं को कहना चाहते हैं कि हम कोई विदेश के नहीं हैं, हम भी जहानाबाद लोकसभा से ही हैं। हम जहानाबाद को नस नस से जानते हैं। मेरे पिताजी 1952 से 1957 में जहानाबाद से विधायक हुए थे। हम भूमिहारों को अच्छी तरह से जानते हैं। मेरी तो बेटी का ब्याह ही भूमिहार परिवार में हुआ है।

अशोक चौधरी ने कहा कि राजनीति अपनी जगह है, व्यक्तिगत रिश्ते अपनी जगह है और पार्टी में नेता अपनी जगह पर है। जब नेता के साथ हैं तो पूरी शिद्दत और ईमानदारी से रहेंगे। हम प्रयास करेंगे, भले ही वह सफल नहीं हो, लेकिन उसमें ईमानदारी होनी चाहिए। जो लोग कलकत्ता, दिल्ली, मंबई घूम रहे थे वो चाहते हैं कि विधानसभा पहुंच जाएंगे तो यह गलत बात है।

उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने कभी जात-पात और धर्म की राजनीति नहीं करते। जहानाबाद की धरती पर कई नरसंहार हुए, नक्सल अपने चरम पर था, लेकिन नीतीश जी ने सब सही किया और आज तक कोई नरसंहर नहीं हुआ। उन्होंने महिलाओं, अति-पिछड़ा और दलितों को आरक्षण देकर समाज का नेतृत्व करने का अवसर दिया। नेता वही होता जो भविष्य की चिंता करता है।

# बहन को प्रेमी संग देख बर्दाश्त नहीं कर पाया भाई,दोनों को दी ऐसी मौत कि कांप उठा पूरा इलाका

संवाददाता।

**पटना।** बिहार की राजधानी पटना में प्रेमी युगल की निर्मम हत्या कर देने का मामला सामने आया है। लड़की के भाई पर दोनों की हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। चाकू और कांच की बोतल से गला काटकर दोनों की हत्या की गई है। दोनों के शवों को खंडहरनुमा एक पुराने मकान से बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि हत्या की रात में दोनों प्रेमी-प्रेमिका पकड़े गए थे। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस की टीम और डीएसपी भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गया है। घटना बिहटा थानाक्षेत्र के कुंजवा गांव की है। मृतक लड़की की पहचान प्रतिमा रानी और लड़के की पहचान अवनीश कुमार उर्फ रौशन के रूप में हुई है। इधर गांव में दो लोगों की हत्या के बाद इलाके में सनसनी फेल गई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। हत्या के संबंध में बताया जा रहा है कि दोनों प्रेमी युगल के बीच काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की के भाई विशाल कुमार ने घर के पास ही खंडरनुमा मकान में बीती रात दोनों को देखा जिससे गुसाए भाई ने कांच की बोतल से दोनों को गोदकर मौत के घाट उतार दिया और फिर फरार हो गया। पूरे मामले को लेकर बिहटा थाना अध्यक्ष राजकुमार पांडे ने बताया, कल एक युवक की गुमशुदगी का मामला बिहटा थाने में दर्ज की गई थी जिसके बाद हम लोग खोजबीन कर रहे थे। इसी दौरान आज सुबह जानकारी मिली की एक खंडहरनुमा मकान में दो लाश पाड़ी हुई हैं। आनन-फानन में हम लोग वहां पहुंचे। गुमशुदा युवक की पहचान उसके परिजन ने की। पूरे मामले में पूछताछ में यह पता चला कि नाराज लड़की के भाई ने ही दोनों की हत्या की है और शव को छुपाने के लिए खंडहरनुमा मकान में फेंक दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में प्रेमिका के भाई की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जो भी लोग दोषी होंगे उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

# बिहार भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला प्रभारियों की घोषणा

संवाददाता।

**पटना।** भाजपा ओबीसी मोर्चा बिहार प्रदेश के अध्यक्ष बलराम मंडल ने बिहार भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला प्रभारियों की घोषणा की जिसमें प्रद्युम्न राणा को सीतामढ़ी जिला ओबीसी मोर्चा का जिला प्रभारी मनोनीत किया गया। बता दें कि प्रद्युम्न राणा को संगठन में काम करने का लंबा अनुभव है उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत 2010 में भाजपा से की थी वो बूथ अध्यक्ष से लेकर वार्ड अध्यक्ष ,शक्ति केंद्र प्रभारी,मंडल उपाध्यक्ष जिला मीडिया प्रभारी,जिला प्रवक्ता समेत 2 दर्जन से ज्यादा दायित्वों पर रहे हैं।अभी हाल में हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने पटना साहिब और बेतिया लोकसभा में ओबीसी मोर्चा के लोकसभा प्रभारी के दायित्व में रहे हैं। श्री राणा एक अच्छे वक्ता के रूप में गिने जाते हैं वो पेशे से शिक्षक हैं उन्होंने भौतिक शास्त्र में एमएससी और इतिहास से अभी एमए कर रहे हैं इन्होंने आईएएस की तैयारी छोड़कर राजनीति में प्रवेश किया। ज्ञात हो कि राणा मूल रूप से मुजफ्फरपुर जिला के मीनापुर विधानसभा के भटौलिया गांव के बारे रहने वाले हैं इनके पिताजी जेपी सेनानी थे और जनता पार्टी के टिकट पर दो बार विधानसभा का चुनाव लड़े थे वह जनता पार्टी में प्रदेश उपाध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी रह चुके थे । राणा के मनोनयन पर केंद्रीय मंत्री सह मुजफ्फरपुर सांसद डॉक्टर राजभूषण चौधरी ,बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता प्रदेश महामंत्री डॉक्टर राजेश वर्मा ,वैशाली सांसद वीणा देवी पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा रामसूरत राय ई अजीत कुमार विधायक अशोक सिंह अरुण सिंह राजू सिंह पूर्व विधायक बेवी कुमारी सीतामढ़ी विधायक मिथिलेश कुमार मुजफ्फरपुर जिलाध्यक्ष रंजन कुमार सीतामढ़ी जिला प्रभारी विवेक कुमार मीनापुर प्रत्याशी अजय कुशवाहा डॉक्टर ममता रानी सीतामढ़ी जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार प्रदेश सह कोषाध्यक्ष आशुतोष सिंह प्रदेश मीडिया सह प्रभारी प्रभात कुमार ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री साहेब शाह, मुकेश पटेल प्रदेश मंत्री अबोध शाह जिला कार्य समिति सदस्य प्रणव भूषण मोनी मंडल अध्यक्ष धीरज सिंह आनंद सिंह अनिल गुप्ता राजन भारद्वाज अमित रंजन नन्हे सिंह बूम बूम गुप्ता राहुल राय आदि ने बधाई दी।

## संक्षिप्त खबरें

### विस्तारा के विमान और चालक दल 12 नवंबर को एयर इंडिया से जुड़ जाएंगे, बोले कैंपबेल विल्सन



**नई दिल्ली।** नियामकीय मंजूरी मिलने के साथ ही एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को बताया कि विस्तारा के विमान और चालक दल के एयर इंडिया में जोड़ने की तारीख 12 नवंबर तय की गई है।

टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम विस्तारा का एयर इंडिया में विलय हो रहा है। विलय के बाद सिंगापुर के वाहक की टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

सरकार ने विलय के हिस्से के रूप में सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को कर्मचारियों को दिए गए संदेश में विल्सन ने कहा कि वे अब लंबी और जटिल विलय प्रक्रिया के अंतिम चरण में प्रवेश कर रहे हैं। विलय की घोषणा नवंबर 2022 में की गई थी।

12 नवंबर के बाद एयर इंडिया के नाम से उड़ान भरेंगे विस्तारा के विमान

विल्सन ने कहा कि 12 नवंबर या उसके बाद की विस्तारा उड़ानों की विमान संख्या भी एयर इंडिया के अनुसार हो जाएगी। भले ही लगभग सभी मामलों में विमान, शेड्यूल और ऑपरेटिंग क्रू 2025 की शुरूआत तक अपरिवर्तित रहेंगे।

विलय प्रक्रिया के दौरान यात्रियों को अधिक जानकारी देने में मदद करने के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (ऋअद) का एक सेट भी तैयार किया गया है। 3 सितंबर से, विस्तारा की वेबसाइट पर 12 नवंबर या उसके बाद की उड़ानों को बुक करने के इच्छुक यात्रियों को बुकिंग पूरी करने के लिए एयर इंडिया की साइट पर रीडायरेक्ट किया जाएगा।

विल्सन ने कहा, "12 नवंबर के बाद विस्तारा की उड़ानों में पहले से बुक किए गए सभी ग्राहकों के आरक्षण स्वचालित रूप से एयर इंडिया की उड़ान संख्या में बदल जाएंगे। यह सितंबर के दौरान चरणों में होगा और ऐसा होने पर ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाएगा।"

उन्होंने कहा कि अब विनियामक अनुमोदन प्राप्त हो जाने के बाद, विस्तारा एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट से एयर इंडिया के लिए विमान और चालक दल का स्थानांतरण 12 नवंबर के लिए निर्धारित किया गया है।

विल्सन ने संदेश में कहा, "चूंकि अब हम इस लंबी और जटिल प्रक्रिया के अंतिम चरण में प्रवेश कर रहे हैं, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान और प्रयास बनाए रखना चाहिए कि हमारे सामूहिक ग्राहक और सहकर्मी सबसे सहज बदलाव का अनुभव करें।"

सिंगापुर एयरलाइन के 2,058.5 करोड़ रुपये के एफडीआई को मंजूरी

भारत सरकार ने एयर इंडिया समूह में सिंगापुर एयरलाइन के 2,058.5 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी दे दी है। यह लगभग 10 साल पुराने पूर्ण सेवा वाहक विस्तारा के एयर इंडिया के साथ विलय का हिस्सा है। यह सौदा दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का निर्माण करेगा।

### भारत के धनकुबेर: इन अमीरों की दौलत स्विट्जरलैंड-सऊदी की संयुक्त ऋ‍द्ध से अधिक, 21 वर्षीय कैवल्य सबसे युवा



**नई दिल्ली।** देश के 134 शहरों के कुल 1,539 अमीरों की संयुक्त संपत्ति एक साल में 46 फीसदी बढ़कर 159 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। यह रकम न सिर्फ सऊदी अरब और स्विट्जरलैंड की संयुक्त अर्थव्यवस्था के आकार से बल्कि 310.48 लाख करोड़ रुपये की भारतीय जीडीपी के आधे से अधिक है। बृहस्पतिवार को जारी हुरुन इंडिया रिच लिस्ट-2024 के मुताबिक, 29 उद्योगों से जुड़े 42 शहरों के 1,334 अमीरों की दौलत बढ़ी है। 205 की संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि 45 सूची से बाहर हो गए हैं। सूची में विनिर्माण ?क्षेत्र का दबदबा रहा है।?इस क्षेत्र के 1,016 लोगों ने अमीरों की सूची में जगह बनाई ?है।?इन्होंने इस साल अपनी संयुक्त संपत्ति में 28 लाख करोड़ रुपये जोड़े हैं।

मुंबई में सर्वाधिक धनाढ्य, दिल्ली नंबर-2

शहरों में 386 अमीरों के साथ मुंबई सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर काबिज दिल्ली में 217 धनाढ्य रहते हैं। हैदराबाद तीसरे, बंगलूरू चौथे और चेन्नई पांचवें स्थान पर है। गुरुग्राम 23 अमीरों के साथ सूची में 10वें स्थान पर है। नोएडा में 11 धनाढ्य रहते हैं। हालांकि, इनकी संख्या एक घट गई ?है।

शीर्ष-100 में तीन नए चेहरे

टीवीएस मोटर्स के वेणु श्रीवासन 60,400 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में 36वें स्थान पर हैं। अरिस्टो फार्मास्यूटिकल्स की उमा देवी प्रसाद एंड फैमिली 34,300 करोड़ के साथ सूची में 77वें और एसआरएफ के अरुण भरत राम 32,600 करोड़ के साथ 81वें स्थान पर है।

### दिवाली से 100 जीबी क्लाउड स्टोरेज मुफ्त देगी जियो, रिलायंस का तीन वर्षों में 5.28 लाख करोड़ का निवेश




**नई दिल्ली।** देश में डाटा स्टोरेज अब सस्ता होने जा रहा है। जियो एआई क्लाउड सेवा को दिवाली ऑफर के रूप में पेश कर रही है। इसमें जियो ग्राहकों के लिए 100 जीबी मुफ्त क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, ग्राहक सभी फोटो, वीडियो, दस्तावेज, डाटा और अन्य सभी डिजिटल सामग्री को सुरक्षित रख सकेंगे। इससे ज्यादा स्टोरेज चाहने वालों को सस्ती दर पर हम उपलब्ध कराएंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज की 47वीं सालाना आम बैठक में अंबानी ने कहा, तकनीक को कुछ चुनिंदा लोगों के लिए रिजर्व नहीं होना चाहिए। इसे सिर्फ महंगे ही नहीं, बल्कि सभी उपकरणों के लिए सुलभ होना चाहिए। यह नया डेवलपमेंट वैश्विक तकनीक केंद्र में भारत का योगदान है।

नई सेवा...फोन एआई कॉल

जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, जियो फोन कॉल एआई नई सेवा है। इसे फोन कॉल के साथ एआई को एकीकृत करने के लिए बनाया गया है। यह ग्राहकों को कॉल रिकॉर्ड करने, स्टोर करने, ट्रांसक्राइब करने और अनुवाद करने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, सभी डाटा को जियो क्लाउड के जरिये प्रबंधित किया जाता है।

एक पर एक बोनस

रिलायंस ने कहा, हर शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। इसके लिए 5 सितंबर को बोर्ड की बैठक होगी। रिलायंस ने तीन वर्षों में 5.28 लाख करोड़ का निवेश किया है। पिछले वर्ष के दौरान कंपनी ने 1.7 लाख लोगों को रोजगार दिया है।

# हमारी फिनटेक विविधता को देखकर दुनिया हैरान, फिनटेक फेस्ट में बोले पीएम मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर के ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 को संबोधित किया। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया फिनटेक के मामले में भारत की विविधता को देखकर हैरान रह जाती है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (ऋ‍क्क‍) को कहा, "एक समय था जब लोग हमारी सांस्कृतिक विविधता को देखकर आश्चर्यचकित हो जाते थे। अब लोग भारत आते हैं और हमारी फिनटेक विविधता को देखकर भी आश्चर्यचकित हो जाते हैं! एयरपोर्ट पर उतरने से लेकर स्ट्रीट फूड और शॉपिंग तक, भारत की फिनटेक क्रांति हर जगह दिखाई देती है।

**देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ता बढ़कर 94 करोड़ हुए...**मुंबई में कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि पहले संसद में लोग पूछते थे कि देश में पर्याप्त बैंक शाखाएं नहीं हैं, गांवों में बैंक उपलब्ध नहीं हैं, इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं...फिनटेक क्रांति कैसे आएगी? वे मुझ जैसे चायवाले से ऐसा पूछते थे...अब एक दशक के भीतर ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता 60 मिलियन (6 करोड़) से बढ़कर 940 (94 करोड़) मिलियन हो गए हैं।

**देश में बैंकिंग सेवा चौबीसों घंटे और सातों दिन जारी...**मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की फिनटेक क्रांति वित्तीय समावेशन में सुधार के साथ-साथ नवाचार को भी बढ़ावा दे




रही है। फिनटेक फेस्ट के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत का यूपीआई पूरी दुनिया में फिनटेक का बहुत बड़ा उदाहरण बन गया है। आज गांव हो या शहर, सर्दी हो या गर्मी, बारिश हो गया बर्फ गिर रही हो, भारत में बैंकिंग सर्विस चौबीसों घंटे, सातों दिन और 12 महीने चलती रहती है।पीएम मोदी ने कहा कि अभी दो-तीन दिन पहले ही जनधन योजना के 10 साल पूरे हो गए हैं। ये जनधन खाते महिला सशक्तिकरण का बहुत बड़ा माध्यम गया है। इसके तहत 29 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते खोले गए हैं।

**जनधन खातों ने बचत और निवेश के नए अवसर बनाए...**पीएम ने कहा, "जनधन खातों ने महिलाओं के लिए सेविंग्स और निवेश के लिए नए अवसर बनाए हैं। इन खातों को आधार बनाकर हमने माइक्रो फाइनेंस की सबसे बड़ी स्कीम मुद्रा योजना लॉन्च की। इस स्कीम के 70% लाभुक महिलाएं हैं।

जनधन खातों ने महिलाओं के स्वयं सेवी समूहों को भी बैंकिंग से जोड़ा है। इसका फायदा आज देश की 10 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को मिल रहा है, यानी जन धन योजना ने महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की एक मजबूत नींव रखी है। फिनटेक ने पैरलल इकोनॉमी पर भी चोट की है।

**हम डिजिटल तकनीक के जरिए पारदर्शिता लाए: पीएम मोदी...**पीएम ने कहाकि हम भारत में डिजिटल तकनीक के जरिए पारदर्शिता लेकर आए हैं। आज सरकार की सैकड़ों योजनाओं के तहत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर किया जाता है। इसमें सिस्टम से लीकेज बंद हुई है।

आज लोगों को फॉर्मल सिस्टम से जुड़ने में अपना लाभ नजर आता है। भारत में फिनटेक की वजह से जो बदलाव आया है वह सिर्फ तकनीक तक ही सीमित नहीं है। इसका सामाजिक प्रभाव बहुत व्यापक है। इससे गांव और शहर की खाई को दूर करने में मदद मिली है। पीएम ने कहा कि फिनटेक ने वित्तीय सेवाओं को लोकतांत्रिक बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है।

## सोना 100 रुपये मजबूत हुआ, चांदी के भाव स्थिर

**नई दिल्ली** स्थानीय आभूषण विक्रेताओं के बीच मांग बढ़ने से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 100 रुपये बढ़कर 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु 74,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

हालांकि, अखिल भारतीय सरार्फा संघ के अनुसार चांदी की कीमत शुक्रवार को 87,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। इसके अतिरिक्त 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 100 रुपये बढ़कर 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जो पहले 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने पीली धातु की कीमतों में तेजी का श्रेय घरेलू बाजार में स्थानीय आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की मांग में तेजी को दिया। वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना 3.20 डॉलर प्रति औंस या 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,557.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में कमोडिटी रिसर्च के वरिष्ठ विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, "सोने की कीमतें सीमित दायरे में कारोबार कर रही हैं, क्योंकि बाजार को उम्मीद है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व सितंबर में ब्याज दरों में कटौती करेगा, जबकि दूसरी ओर, अमेरिका में उम्मीद से बेहतर आंकड़े इस बढ़त को उच्च स्तर पर सीमित कर रहे हैं।

## पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर सुस्त होकर 6.7% पर पहुंची, 15 महीने में सबसे कम

**नई दिल्ली** सरकार ने शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि दर के नतीजे जारी किए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत बढ़ा है। जीडीपी वृद्धि दर का यह आंकड़ा पिछले 15 महीने का सबसे निचला स्तर है। इस ससे पहले जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही में वृद्धि दर 6.2% रही थी।

**एक वर्ष पहले समान तिमाही में 8.2% थी वृद्धि दर...**आंकड़ों के अनुसार भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में घटकर 6.7 प्रतिशत रह गया, एक साल पहले समान तिमाही में यह 8.2 प्रतिशत था। इसका मुख्य कारण कृषि क्षेत्र का खराब प्रदर्शन है। हालांकि, भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, क्योंकि अप्रैल-जून तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि 4.7 प्रतिशत रही है। कृषि और खनन उद्योगों वाले भारत के प्राथमिक क्षेत्र में सालाना आधार पर 2.7 प्रतिशत




की गिरावट देखी गई, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 4.2 प्रतिशत थी।

**विनिर्माण और ऊर्जा क्षेत्र में सालाना आधार पर 8.4% की वृद्धि...**इसके अलावा, विनिर्माण और बिजली उद्योगों से युक्त द्वितीयक क्षेत्र ने वार्षिक आधार पर 8.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। वित्त वर्ष 2023 में भारत के द्वितीयक क्षेत्र की वृद्धि दर 5.9 प्रतिशत रही। विनिर्माण में वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में वार्षिक आधार पर 7.0 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, यह संख्या वित्त वर्ष 23 में दर्ज 5.0 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। अप्रैल-जून तिमाही के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह मूल्यांकन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मई में केंद्र में सरकार बनाने के लिए तीसरा कार्यकाल हासिल करने के बाद आया है।

**आठ कोर उद्योगों के संयुक्त सूचकांक में 6.1% की वृद्धि...**पिछले साल तुलना में जुलाई 2024 में आठ कोर उद्योगों (आईसीआई) का संयुक्त सूचकांक 6.1 प्रतिशत (अनंतिम) चढ़ा है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार जुलाई 2024 में इस्पात, बिजली, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट और उर्वरक के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

**विदेशी मुद्रा भंडार 681.69 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा...**भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 7.023 अरब डॉलर बढ़कर 681.688 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर को छू गया। आरबीआई ने शुक्रवार इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में समग्र भंडार 4.546 अरब डॉलर बढ़कर 674.664 अरब डॉलर हो गया था। समग्र भंडार का पिछला सर्वकालिक उच्च स्तर 2 अगस्त को 674.919 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 23 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां, जो भंडार का एक प्रमुख घटक हैं, 5.983 अरब डॉलर बढ़कर 597.552 अरब डॉलर हो गईं।

**अप्रैल से जुलाई के दौरान राजकोषीय घाटा 2.77 लाख करोड़ रुपये...**सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जुलाई के दौरान भारत का राजकोषीय घाटा 2.77 लाख करोड़ रुपए (33.05 बिलियन डॉलर) या वित्तीय वर्ष (2024-25) के लिए कुल अनुमान का 17.2% रहा। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के लिए शुद्ध कर प्राप्तियां 7.15 लाख करोड़ रुपए रही। यह वार्षिक लक्ष्य का 27.7% है। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 5.83 लाख करोड़ रुपए रही।

## जारी होंगे वृद्धि दर के आंकड़े, रिपोर्ट में दावा- भारत का आर्थिक परिदृश्य अब भी है आशावादी

**नई दिल्ली।** सरकार शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए आज जीडीपी के आंकड़े जारी करने जा रही है। आने वाले आंकड़ों में बीते कुछ महीनों में पड़ी गर्मी का असर दिख सकता है। बाजार के अनुसार, पिछले तिमाही की तुलना में इस बार विकास दर में नरमी दिख सकती है। हालांकि, इक्विरस सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषक आशावादी बने हुए हैं, उन्होंने कहा कि मंदी के कोई स्पष्ट संकेत नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल अनुकूल मौसम और आने वाले त्योहारी सीजन किसी भी अस्थायी रुकावट की स्थिति को बदल सकता है।

**इक्विरस सिक्योरिटीज ने रिपोर्ट में कहा- मंदी के कोई संकेत नहीं...**रिपोर्ट में कहा गया है , "हालांकि मंदी के कोई संकेत नहीं हैं , लेकिन यह एक अस्थायी रुकावट हो सकती है। हालांकि, स्थिर व्यापक आर्थिक संकेतकों के अच्छे प्रदर्शन से संभावनाएं




आशावादी बनी हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिस्थितियों और बाहरी मांग से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था का समग्र दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि, "फिलहाल अनुकूल मौसम और त्यौहारी सीजन के आने से अस्थायी मंदी दूर हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार उपभोक्ता भावना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के कारण विकास में उछाल की संभावना बढ़ गई है, क्योंकि खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आई है और मुद्रास्फीति कम हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में बेरोजगारी में सुधार और मनरेगा गतिविधियों की मांग में कमी से पता चलता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था वापस संतुलन में आ रही है।

**एमपीसी के दो सदस्यों का कार्यकाल अक्तूबर में हो रहा समाप्त...**रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के दो बाहरी सदस्यों, जिन्होंने ब्याज दरों को कम करने की वकालत की थी, का कार्यकाल समाप्त होने वाला है, जिससे मौद्रिक नीति के भविष्य की दिशा पर सवाल उठ रहे हैं। उनका कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है, जबकि अगली नीति बैठक 9 अक्टूबर को है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास दास का कार्यकाल भी दिसंबर 2024 में समाप्त हो रहा है। इसलिए, कोई भी नीतिगत कार्रवाई से जुड़ा निर्णय लेने की जिम्मेदारी 2025 में आने वाले गवर्नर के हाथों में हो सकती है।

मौसमी कारकों, नीतिगत निर्णयों और बाहरी स्थितियों का परस्पर प्रभाव भारत के विकास के भविष्य के प्रक्षेपवक्र को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा। जैसे ही डेटा जारी होगा, सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि ये तत्व देश के आर्थिक दृष्टिकोण को कैसे प्रभावित करते हैं।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद ( जीडीपी ) सभी उम्मीदों को पार करते हुए जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत रहा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पूरे वर्ष 2023-24 के जीडीपी को दूसरे अग्रिम अनुमान 7.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया गया। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि वास्तविक जीडीपी 2023-24 में बढ़कर 173.82 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 160.71 लाख करोड़ रुपये थी।

## अदाणी पोर्ट्स ने एस्ट्रो ऑफशोर में 80 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का किया एलान

**नई दिल्ली।** अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने शुक्रवार को बताया कि वह 18.5 करोड़ डॉलर में एक अपतटीय सहायक पोत ऑपरेटर एस्ट्रो ऑफशोर में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदेगा। समूह के अनुसार इस अधिग्रहण से उसके बेड़े का विस्तार होगा और बंदरगाह परिचालन में विविधता आएगी।

एस्ट्रो ऑफशोर, जिसमें अदाणी पोर्ट्स 80% हिस्सेदारी खरीदेगा के पास अलग-अलग तरह की नौकाओं सहित 26 जहाजों का बेड़ा है। खनन कंपनी एनएमडीसी और निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी लार्सन एंड टूब्रो भी इसके ग्राहक हैं। अदाणी पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्विनी गुप्ता ने एक बयान में कहा, "एस्ट्रो हमारे वर्तमान बेड़े में 142 टग्स और ड्रेजर जोड़ देगा... (और) अधिग्रहण से हमें टियर-1 ग्राहकों की प्रभावशाली सूची तक पहुंच भी मिलेगी।

यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब भारत का सबसे बड़ा निजी बंदरगाह संचालक अपने मुख्य बंदरगाह परिचालन से आगे अपनी उपस्थिति बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, ताकि छोटे प्रतिद्वंद्वियों जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर और गुजरात पिपावाव के मुकाबले क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाए रख सके। अदाणी पोर्ट्स ने कहा कि यह अधिग्रहण एक महीने के भीतर पूरा हो जाने की उम्मीद है, इसके लिए किसी नियामकीय अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

## केरल ने सुप्रीम कोर्ट से की पांच जजों की बेंच गठित करने की मांग, उधारी की सीमा तय करने का मामला

**नई दिल्ली** केरल ने केंद्र के खिलाफ दायर अपने मुकदमे की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट से पांच जजों की बेंच गठित करने का आग्रह किया है। केरल ने केंद्र की ओर से शुद्ध उधारी की सीमा (नेट बोरोइंग) तय करने का मुद्दा उठाते हुए यह मांग की है। शुद्ध उधारी की सीमा तय करने की मांग पर सीजेआई ने केरल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल को आश्वासन दिया कि इस मामले में संविधान पीठ गठित की जाएगी। केरल सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख कर केंद्र के खिलाफ एक मुकदमे की सुनवाई के लिए पांच जजों की संविधान पीठ के जल्द गठन की मांग की है। यह मामला शुद्ध उधार की सीमा तय करने से जुड़ा है। राज्य सरकार ने सवाल उठाया है कि क्या



किसी राज्य को केंद्र सरकार और अन्य स्रोतों से अपनी उधारी सीमा बढ़ाने का अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ को राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने बताया कि मामला 1 अप्रैल को संविधान पीठ को भेजा गया था और शीर्ष अदालत के अधिकारी पीठ के गठन के लिए ईमेल नहीं भेज रहे हैं।

सीजेआई ने कहा, मैं इस पर गौर करूंगा। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने केरल को कोई अंतरिम निषेधाज्ञा देने से इनकार कर दिया, और कहा कि अंतरिम आवेदन के लंबित रहने के दौरान राज्य को 'पर्याप्त राहत' मिली है। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 293 का हवाला दिया था, जो राज्यों की ओर से उधार लेने से संबंधित है। अदालत ने कहा कि यह प्रावधान अब तक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी भी आधिकारिक व्याख्या के अधीन नहीं रहा है। अदालत ने कहा, चूंकि संविधान के अनुच्छेद 293 अब तक इस न्यायालय की ओर से किसी भी आधिकारिक व्याख्या के अधीन नहीं रही है, इसलिए हमारी सुविचारित राय में, उपरोक्त प्रश्न सीधे संविधान के अनुच्छेद 145(3) के दायरे में आते हैं। इसलिए, हम इन प्रश्नों को पांच न्यायाधीशों वाली पीठ को भेजना उचित समझते हैं।

## तमिलनाडु सरकार ने निवेश के लिए माइक्रोचिप नोकिया व पेपल के साथ किया करार

**नई दिल्ली** तमिलनाडु सरकार ने राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अमेरिका यात्रा के दौरान माइक्रोचिप, नोकिया और पेपाल सहित कई संभावित निवेशकों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। गाइडेंस टीएन ने मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री टीआरबी राजा की उपस्थिति में माइक्रोचिप के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका प्रतिनिधित्व पैट्रिक जॉनसन और ब्रूस वेयर ने किया। इस करार के तहत सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में एक आरएंडडी केंद्र ए चेन्नई के सेमनचेरी में 250 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जाएगा, जिससे 1,500 नौकरियां पैदा होंगी।

राजा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में

कहा, "माननीय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और माननीय उद्योग मंत्री डॉ. टीआरबी राजा की उपस्थिति में, गाइडेंस टीएम ने निशांत बत्रा और सैंडी मोटली की ओर से प्रतिनिधित्व किए गए नोकिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। यह समझौता दुनिया के सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्ट बेड (अनुसंधान और निर्माण केंद्र) की स्थापना के लिए किया गया। जिसके तहत 10ऋ 25ऋ50ऋ और 100ऋ ढडठ, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, टउ्र समाधानों से जुड़े नवाचारों के लिए, रक्ढउडळ,सिरुसेरी, चेंगलपट्टू में एक केंद्र की स्थापना होगी। इसकी लागत 450 करोड़ रुपये होगी। इससे जिससे 100 नौकरियां पैदा होंगी।" इसके अलावा ऑनलाइन उपभोक्ता भुगतान प्रणाली से जुड़ी कंपनी पेपल से भी करार किया गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन 2030 तक राज्य को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के तहत अमेरिका में एक उच्च-स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को में संभावित निवेशकों के साथ एक बैठक में भाग लिया।

# यूं छुड़ाएं बच्चे का अंगूठा चूसना

बच्चों का अंगूठा चूसना एक स्वाभाविक प्रवृति है, लेकिन शिशु जब बड़ा होने लगे, तो उसकी इस प्रवृत्ति पर नजर रखना बहुत जरूरी है अन्यथा वे किशोरावस्था आने तक अंगूठा चूसते रहते हैं। यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा यह प्रवृत्ति छोड़े, तो आजमाइए ये टिप्स -

- बच्चे को किसी तरह का कोई तनाव न हो, इस बात का ध्यान रखें।
- शैशव अवस्था में शिशु को गोद में बिठाकर लाड़ प्यार करें।
- अपने शिशु को स्तनपान कराने में कोताही न बरतें। उसका स्तनपान धीरे-धीरे छुड़ाएं।
- बच्चे की उपेक्षा न करें और न ही उसमें किसी तरह का भय पनपने दें।
- बच्चे में सुरक्षा की भावना पैदा करें।
- मारें-पीटें नहीं और न ही उसके हाथ बांधें।
- यदि उसके मित्र अंगूठा चूसने वाले हैं, तो उनके साथ खेलने न दें।
- उसकी आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और जरूरी मांगों को पूरा करें।
- बच्चे की बातों को अनसुनी न करें अपितु धैर्यपूर्वक और सहानुभूति से सुनें।
- यदि बच्चे में कोई हीन भावना व्याप्त हो तो उसे दूर कर उसका आत्मविश्वास बढ़ाएं।
- बच्चे को सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ें और उसे व्यस्त रखें।
- उसे इस बात का अहसास कराएं कि अब वह बड़ा हो रहा है और बड़े बच्चे अंगूठा नहीं चूसते।
- यदि दिनभर में उसने अंगूठा नहीं चूसा, तो इसके लिए उसे शाबाशी दें।
- जब बच्चा अंगूठा चूस रहा हो तो, उसे आइना दिखाएं कि कितना भद्दा लग रहा है वह।

# घर के इन हिस्सों में बना सकते हैं ऑफिस

अपने घर के किसी एक खास हिस्से को ऑफिस में कन्वर्ट कर सकती हैं। सबसे पहले आपको देखना होगा कि घर में खाली स्थान कौन सा है। ऐसी जगह जो काम में नहीं आ रही। अगर आपका ऑफिस वर्क कुछ ही घंटों का है तो आप अपने स्टडी और लिविंग स्पेस में भी पार्टिशन कर सकती हैं। यदि आपका काम ज्यादा समय का है तो आपको घर में ही एक अलग स्थान की तलाश करनी होगी। आप अपने स्टोर रूम, गैरेज, घर के बेसमैंट या एक्स्ट्रा बॉलकनी को रैनोवेट करवा कर उसे ऑफिस की तरह यूज कर सकती हैं।

## फर्नीचर हो कम्फर्टेबल

घर में खोले जाने वाले ऑफिस का फर्नीचर कम जगह घेरने वाला और कम्फर्टेबल होना चाहिए। अपनी ऑफिस टेबल के लिए कांपैक्ट साइज के कंप्यूटर, की-बोर्ड और स्मार्ट चेयर का चुनाव करें। ऑफिस में सामान व्यवस्थित रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा अलमारियां और कैबिनेट होने चाहिएं। थोड़ी सी जगह खाली भी रहे, इस बात का खास ध्यान रखें। ऑफिस बनाने के लिए आपको एक ऐसे कमरे का चुनाव करना होगा, जहां आप डिस्टर्ब न हों। आप खुद को घर से अलग महसूस कर सकें और घर में होने वाली आवाजें आपके काम में दखल न डालें।

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

# अपने गुणों से न रहें बेखबर

चांदनी ने बचपन से ही इंटीरियर डैकोरेटर बनने का ख्वाब देखा था और उसने अपना ख्वाब पूरा भी किया। आज वह अपने छोटे से शहर में नंबर एक इंटीरियर डिजाइनर मानी जाती है, परंतु उसे इस बात का दुख है कि फैमिली के प्रतिबंध के कारण वह किसी बड़े शहर में अपनी पहचान नहीं बना सकी, जहां उसकी काबिलियत एक बड़े स्तर पर पहचानी जाती या नामी इंटीरियर्स की तरह उसके चर्चे भी समाचारपत्रों और मैगजीन इत्यादि में होते, जबकि उसके साथियों को वह मुकाम हासिल है। रचना साधारण रूप-रंग की है, परंतु अपनी लिखी कविताओं से वह दोस्तों और रिश्तेदारों में काफी प्रसिद्ध है। अपने साधारण रूप-रंग से उत्पन्न हुई कुंठा से उसने अपनी ही प्रतिभा को एक दायरे में सीमित कर लिया है। यहां तक कि वह किसी मुशायरे में बुलाने पर भी नहीं जाती कि लोग उसका मजाक उड़ाएंगे। जब लोग उसकी कविताओं की प्रशंसा करते हैं, तो उसे लगता है कि वह उसकी साधारण रंगत का मजाक उड़ा रहे हैं और वह अपने में और ज्यादा सिमट जाती है।

## शिकवा है ये झूठा

चांदनी और रचना दो उदाहरण हैं ऐसी लड़कियों की जो अपने करियर या पर्सनैलिटी को लेकर किसी न किसी हीन भावना में घिरी रहती हैं। ऐसी अनेक युवतियां हैं, जिन्हें जिंदगी से इस बात की शिकायत रहती है कि उनके हिस्से में सबसे ज्यादा परेशानियां और दुख आए हैं। वह कुछ और हो सकती थी, परंतु जिंदगी ने उन्हें वह मौका ही नहीं दिया।

## अपने अवगुण आते नजर

किसी दूसरे की तो बात ही छोड़ो, इन्हें अपने में अवगुण इतने ज्यादा नजर आने लगते हैं कि इनके साए सोच पर गहराने लगते हैं, क्योंकि अपने वे गुण जो इन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, इन्हें नजर नहीं आ पाते। जब यह सोच अपनी पैठ बना ले कि हमारा कोई काम ठीक से नहीं हो पाता, तो आप अपनी बात दूसरों के सामने कैसे रख पाएंगे या फिर नए आइडियाज कैसे आ पाएंगे। दूसरों की अपेक्षा अपनी ही आलोचना आपका मनोबल तो गिराती है और इससे प्रभावित होने लगते हैं हमारे आस-पास के लोग। इसके लिए जरूरी है कि वे शिकवे जो जिंदगी से लेकर अपने आप तक से हम किए बैठे हैं उन्हें दरकिनार कर अपनी क्षमताओं तथा विश्वास को पहचानें तथा उन्हें नए नजरिए से लोगों के सामने रखें। एक छोटे शहर में रहते हुए लोगों को इंटीरियर डैकोरेशन के महत्व से अवगत कराना अपने-आप में बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि बड़े शहरों के लोग तो पहले से ही इसे जानते हैं। या फिर रूप-रंग पर साहित्य का मुलम्मा जब चढ़ता है तो वह व्यक्तित्व को पहले से कहीं ज्यादा निखार देता है।

## पहचानें खुद को

अपनी खूबियों को पहचानें और यह सोचें कि सीमित साधनों में भी आप क्या कर सकती हैं। फिर भी आपको स्वयं में कोई कमी नजर आए तो हीन भावना का शिकार बनने की अपेक्षा अपना ध्यान खुद को अपडेट करने की तरफ लगा दें और अपने प्रोफैशन और रुचि के लिए नए-नए तरीके खोजें।

## महत्वाकांक्षा की लगाम न खींचें

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

## सफलता के मायने

बैंक बैलेंस और बड़ा-सा बंगला सफल होने की निशानी नहीं है बल्कि जिस प्रोफैशन में आप आई हैं, उसमें धीरे-धीरे बढ़ते हुए नाम कमा लेना ही सफलता के मायने हैं, क्योंकि इसने आपकी पर्सनैलिटी और आपके नाम को एक पहचान दी है। किसी भी करियर में सफल होने के लिए आप उससे जुड़ी नई जानकारियां हासिल करती रहें और यदि किसी कारणवश आप अपने प्रोफैशन से जुड़ी उच्च शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाईं तो अब एक बार फिर से उसके लिए प्रयास करें, ताकि आपकी उन्नति के रास्ते बन सकें। दुनिया में महान व्यक्ति वही माना जाता है जो विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। अपनी सोच को पॉजीटिव बनाएं।

## महके गुणों की खुशबू

यदि नकारात्मक टिप्पणी करने वाले लोग हैं, तो ऐसे लोग भी हैं जो आपकी खामियों के साथ खूबियों की भी तारीफ करना जानते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करें जो जीवन के प्रति पॉजीटिव अप्रोच रखते हों, क्योंकि उनका साथ आपको भी आशावादी बनाएगा।

## सहेज लें मीठे पल

कभी किसी की कोई बात आपके मन को छू जाए, कोई प्रशंसा के मधुर बोल बोल जाए, कभी बड़ों का सहज ही आशीर्वाद मिल जाए या कोई उम्मीद से परे थैंक यू बोल जाए तो इन्हें डायरी में नोट कर लें। अपनी उपलब्धियां, यादें, रिश्तों की महक, जीवन के सुख-दुख और पेरैंट्स की डांट और प्रशंसा सब लिखें। जब जीवन में निराशा या कोई असफलता परेशान करे तो उसे पढ़ लें आपके होंठों पर मुस्कान ही नहीं आएगी, बल्कि कुछ कर दिखाने की प्रेरणा भी मिलेगी।

# विंटर में खाएं रोस्टेड आलू

**सामग्री** - छोटे आलू - 250 ग्राम उबले हुए, तेल - 2 टेबल-स्पून, तंदूरी मसाला - 1-1 टी-स्पून, चाट मसाला और लाल मिर्च पाऊडर, आधे नींबू का रस, स्वादानुसार नमक, गार्निशिंग के लिए हरा धनिया और प्याज के रिंग्स

**विधि** - तंदूरी मसाला, चाट मसाला, लाल मिर्च पाऊडर, तेल, नींबू का रस, काली मिर्च पाऊडर और नमक को मिला कर इसमें आलू को 4-6 घंटे के लिए मेरिनेट करें, फिर चिकनाई लगी सींक पर लगाकर ग्रिल कर लें। हरा धनिया व प्याज के रिंग्स से गार्निशिंग करके गर्म-गर्म सर्व करें।

# बच्चों को सिखाएं इज्जत करना

बच्चे अपने से बड़ों की बातों का बहुत जल्दी अनुकरण करते हैं। अगर आप झूठ बोलेंगे, घर में अपने से बड़ों का आदर नहीं करेंगे या लड़ाई-झगड़ा करते हुए अपशब्दों का प्रयोग करेंगे तो आपको ऐसा करते देख आपका बच्चा भी वही सीखने लगेगा। उदाहरणत- यदि आप अपने पेरैंट्स से ठीक व्यवहार नहीं करते तो कल आपका बच्चा भी आपके साथ वही सब कुछ करेगा। कुछ माता-पिता की यह भी आदत होती है कि वे तकरीबन हर छोटी से छोटी बात में भी अपने बच्चे का नुक्स निकालते रहते हैं, उन्हें रोकते-टोकते रहते हैं जो गलत है।

अगर आप सच में अपने बच्चों से इज्जत चाहते हैं तो उनकी सोच, भावनाओं, उनकी बातों और इच्छाओं का ख्याल रखना जरूरी है ताकि वे भी आपको समझ सकें। अक्सर ऐसा होता है कि पेरैंट्स अपने बच्चों की परीक्षा या किसी कॉम्पीटीशन के रिजल्ट को लेकर काफी उत्सुक होते हैं। जब वही परिणाम उनकी आशा के अनुरूप नहीं आता तो वे उन्हें बुरा-भला सुनाने लगते हैं। उनकी दूसरे बच्चों से तुलना भी शुरू कर देते हैं कि फलां का बेटा फर्स्ट आया है, हमने तुम्हें किस चीज की कमी रखी थी जो तुम कोई डिवीजन नहीं ला पाए।

आप बच्चों को डांटने की बजाय उनमें एक नया जोश जगाएं कि कोई बात नहीं, अगली परीक्षा में तुम जरूर अव्वल आओगे। इस प्यार भरे प्रोत्साहन से बच्चे पर जादू-सा असर होता है। अत- बच्चों में आपसी तुलना करने की बजाय उन्हें प्रोत्साहित करें। बच्चों में अच्छे संस्कारों का प्रसार करें क्योंकि संस्कार ही हमारी परम्पराओं को अभिव्यक्त करते हैं। चाहे कोई भी धर्म हो, सब में अपने से बड़ों का आदर और छोटों को प्यार की सीख दी जाती है।

उनमें कटुता और हिंसा जैसे विचार न पनपने दें। प्राय- जब बच्चे के करियर की बात आती है तो पेरैंट्स उसे अपनी पसंद का विषय चुनने की स्वतंत्रता अवश्य दें परन्तु उसका साथ देते हुए उस विषय से संबंधित वर्तमान-भविष्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएं। उसे बताएं जो करियर उसने चुना है उसमें भविष्य की क्या संभावनाएं हैं। हर मां-बाप यही सोचते हैं कि पढ़ना बहुत जरूरी है चाहे उनके बच्चे की रुचि डांस या कला में हो।

अक्सर ऐसा सुनने को मिलता है कि जब देखो डांस करते रहते हो या ड्राइंग करते रहते हो, पढ़ाई कब करोगे? इससे अशांत होकर बच्चे किसी तरफ भी अपना मन नहीं लगा पाते और पेरैंट्स के प्रति वितृष्णा से भर जाते हैं। अत- उनकी रुचियों को जागृत करें व उस क्षेत्र में उन्हें आगे बढ़ने के लिए पूरा सहयोग दें जिसमें उनकी रुचि हो। कुछ पेरैंट्स की यह आदत होती है कि बच्चों को हमेशा डांटते-फटकारते रहते हैं और उनके कामों में नुक्स भी निकालते रहते हैं। इससे बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और हमेशा कटे-कटे से रहते हैं।

ऐसे में उनकी अच्छाइयों को आगे लाते हुए प्रोत्साहित करें। बच्चों को जब भी डांटें, उसकी कोई ठोस वजह जरूर हो ताकि बच्चा भी समझ जाए कि वाकई उसकी गलती पर उसे डांट पड़ी है। सबसे गंभीर समस्या जो अक्सर परिवारों में देखने को मिलती है वह है बच्चों के माता-पिता घर में अपने बुजुर्गों का आदर और सेवा नहीं करते व उनके बारे में अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। कई तो अपने बूढ़े मां-बाप को वृद्धाश्रम तक का रास्ता भी दिखा देते हैं।

जब बच्चे अपने घर में यह सब होता देखते हैं तो उनके कोमल मन पर इन बातों का बुरा प्रभाव पड़ता है। अपने माता-पिता की देखा-देखी में वे भी तमीज का दायरा तोडने लगते हैं। बात-बात पर ऊंचा बोलना, हरेक के आगे जवाब देना, मुंहफट और उग्र व्यवहार उनके व्यक्तित्व पर बिगड़ैल बच्चे का ठप्पा लगा देता है। ऐसे में पेरैंट्स को चाहिए कि वे अपने बुजुर्गों के प्रति उदार रवैया अपनाएं और उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए उनकी हर जरूरत का ध्यान रखें। अगर पेरैंट्स उपरोक्त बातों पर काबू पा लें और बच्चों के लालन-पालन में धैर्य और शांति रखेंगे तो हर काम सकारात्मक रूप से अच्छा होगा। बच्चों पर आपकी इन अच्छाइयों का प्रभाव यह होगा कि वे समझदार तो बनेंगे ही साथ में माता-पिता के रूप में आपको सम्मान पूरा देंगे।

# पैरालंपिक में भारत के आठ बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शुरूआती एकल जीते

**पेरिस, एजेंसी।** टोक्यो रजत पदक विजेता सुहास यथिराज सहित भारत के आठ पैरा शटलरों ने मजबूत शुरूआत करते हुए पैरालम्पिक खेलों में बैडमिंटन एकल स्पर्धा में अपने शुरूआती ग्रुप मैचों में जीत दर्ज की।

पुरुष एकल एसएल4 ग्रुप में सुहास के अलावा सुकांत कदम और तरूण ने अपने शुरूआती मैचों में अलग अलग अंदाज में जीत हासिल की। नितेश कुमार (एसएल 3), पलक कोहली (एसएल 4), तुलसीमति मुरूगेसन (एसयू 5), मनीषा रामदास (एसयू 5) और नित्या श्री सुमति सिवान (एसएच 6) ने भी पहले दौर की बाधा पार की।

एसएल4 में वो एथलीट प्रतिस्पर्धा करते हैं जिनके निचले अंग में कमजोरी होती है और जन्हें चलने या दौड़ने में संतुलन की मामूली समस्या होती है। एसएल 3 खिलाड़ियों के शरीर के एक हिस्से में विकृति होती है जबकि एसयू 5 खिलाड़ियों के शरीर के ऊपरी हिस्से में विकृति होती है । एसएच 6 वर्ग बौने खिलाड़ियों के लिये है ।

सुकांत (31 वर्ष) ने ग्रुप बी के शुरूआती मैच में मलेशिया के मोहम्मद अमीन बुरहानुद्दीन पर एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 17-21 21-15 22-20 से जीत हासिल की।

तोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता और 2007 बैच के आईएएस अधिकारी सुहास को इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी को ग्रुप ए मैच में हराने में जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा, उन्होंने महज 22 मिनट में 21-7 21-5 से जीत दर्ज की।

अपना दूसरा पैरालंपिक खेल रहे तरूण ने पुरुष एकल एसएल4 ग्रुप डी मैच में ब्राजील के ओलिवेरा रोजेरेयो जूनियर जेवियर को 21-17 21-19 से मात दी।

नितेश कुमार और तुलसीमति मुरूगेसन ने हमवतन सुहास यथिराज और पलक कोहली को मिश्रित युगल ( एसएल 3 . एसयू 5) के ग्रुप चरण के पहले मैच में हराया ।

नितेश और तुलसीमति ने ग्रुप ए का यह मुकाबला 31 मिनट में 21 . 14, 21 . 17 से जीता ।

नितेश ने हमवतन और तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता मनोज सरकार को पुरुष एकल एसएल3 ग्रुप ए में 21-13, 18-21, 21-18 से शिकस्त दी।

तुलसीमति ने एसयू 5 ग्रुप ए में इटली की रोसा एफोमो डि मार्को को 21-9, 21-11 से हराया।

पलक ने महिला एकल एसएल 4 ग्रुप सी मैच में फ्रांस की मिलेना सुरेयू को आसानी से 21-12, 21-14 से हराया।

मनीषा रामदास ने महिला एकल एसयू 5 ग्रुप सी में स्थानीय खिलाड़ी मॉद लेफर्ट पर 8-21, 21-6, 21-19 से जीत दर्ज की जबकि नित्या ने अमेरिका की जयसी सिमोन को महिला एकल एसएच 6 ग्रुप ए में 21-7, 21-8 से मात दी।

हालांकि मंदीप कौर और मानसी जोशी को एसएल3 महिला एकल ग्रुप चरण मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

मानसी ने ग्रुप ए में इंडोनेशिया की कोनिताह इख्तियार सयाकुरोह के खिलाफ पहला गेम जीत लिया लेकिन दबाव में आकर 21-16 13-21 18-21 से हार गई।

मंदीप को ग्रुप बी मैच में नाईजीरिया की मरियम इनियोला बोलाजी से 8-21 14-21 से शिकस्त मिली।

शिवराजन सोलाइमलाइ और नित्या श्री की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी मिश्रित युगल में एसएच6 ग्रुप मैच में अमेरिका के माइल्स क्राजेवस्की और जेसी सिमोन से सीधे गेम में हार गई । उन्हें अमेरिकी जोड़ी ने 35 मिनट में 23 . 21, 21 . 11 से हराया । हरियाणा के करनाल के रहने वाले 29 वर्ष के नितेश और तमिलनाडु की तुलसीमति ने हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था।

## एक नजर

### भारत की घरेलू प्रणाली से सीखे पीसीबी : बासित

**लाहौर, एजेंसी।** पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भारत की घरेलू प्रणाली से सीखना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ टीम की करारी हार के बाद उसके क्रिकेट ढ़ांचे पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसके बाद से ही पीसीबी प्रमुख ने भी माना है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए बदलाव करने होंगे। इसी को देखते हुए अब बासित ने कहा, टेस्ट सीरीज के बाद चैंपियंस कप नामक एक वन-डे टूर्नामेंट होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन कर पीसीबी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की तर्ज पर कर रहा है जबकि उसे अपने पड़ौसी देश भारत की क्रिकेट प्रणाली को देखकर टूर्नामेंट आयोजित किये जाने चाहिये। जिससे कि उसके पास भी खिलाड़ियों का बड़ा पूल बन सके। उन्होंने कहा कि दलीप ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंटों से भारत का क्रिकेट ढ़ांचा मजबूत होता है। इसी से उन्हें नये खिलाड़ी मिलते हैं। पूर्व पाक क्रिकेटर ने कहा, दलीप ट्रॉफी शुरू होने वाली है पर ये टी20 या वन-डे टूर्नामेंट नहीं बल्कि चार दिवसीय टूर्नामेंट है। इसी कारण भारतीय टीम इतनी बेहतर है क्योंकि उन्होंने अपने आधार को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, यही वजह है कि वे इतने सफल हैं। वहीं पहले टेस्ट में स्पिनर नहीं रखने की गलती से सबक लेते हुए पाक ने दूसरे टेस्ट के लिए कलाई के स्पिनर अबरार अहमद और ऑलराउंडर आमिर जमाल को टीम में वापस लाया है। पाक दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में वापसी करना चाहेगी।

### वीर अहलावत इंडोनेशिया ओपन में संयुक्त दसवें स्थान पर

**जकार्ता, एजेंसी।** भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने सप्ताह की अच्छी शुरूआत करते हुए 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडोनेशिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में चार-अंडर 67 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 10वें स्थान पर हैं। अहलावत ने पांच बर्डी और एक बोगी की। वह शीर्ष पर काबिज आरोन विल्किन से छह शॉट पीछे हैं। विल्किन ने 10-अंडर 61 का स्कोर करके यहां नया रिकॉर्ड बनाया। भारतीय खिलाड़ियों में अहलावत के बाद सप्तक तलवार, वरुण चोपड़ा और खलिन जोशी का नंबर आता है जिन्होंने समान 69 का स्कोर किया। यह तीनों खिलाड़ी संयुक्त 30वें स्थान पर हैं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अंगद चीमा (70) संयुक्त 53वें स्थान पर हैं। एस चिक्कारंगप्पा, एसएसपी चौरसिया और राशिद खान ने ईवन पार 71 का कार्ड खेला और वे संयुक्त 66वें स्थान पर है।

युवराज संधू (72) संयुक्त 87वें जबकि गगनजीत भुल्लर (73) और करणदीप कोचर (73) संयुक्त 104वें स्थान पर हैं। अजितेश संधू और हनी बैसोया दोनों ने समान 76 का कार्ड खेला और वह पहले दौर के बाद संयुक्त 129वें स्थान पर हैं।

### बोपन्ना-एबडेन अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने नीदरलैंड के सैंडर अरेंड्स और रॉबिन हास को सीधे सेटों में हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। बोपन्ना और एबडेन ने गुरुवार रात को 64 मिनट तक चले शुरूआती दौर के मुकाबले में 6-3, 7-5 से से जीत दर्ज की। भारत और ऑस्ट्रेलिया की यह जोड़ी पिछले तीन मैच में हार के बाद अमेरिकी ओपन में उतरी थी लेकिन यहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। बोपन्ना और एबडेन को शुरू में संघर्ष करना पड़ा और तीसरे गेम में उन्होंने अपनी सर्विस गंवा दी। उन्होंने हालांकि जल्द ही वापसी कर दी तथा नीदरलैंड की जोड़ी की दो बार सर्विस तोड़कर लगातार चार गेम जीते। दूसरे सेट में भी उन्हें इसी तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा। बोपन्ना और एबडेन शुरू में पीछे चल रहे थे लेकिन वे स्कोर 5-5 से बराबर करने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने नीदरलैंड की जोड़ी की एक बार और सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम किया। मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन दूसरे दौर में स्पेन के रॉबर्टो कारबालेस बेना और अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया की गैरवरीय जोड़ी से भिड़ेंगे।

### प्रणवी अच्छी शुरूआत के बाद फिसली, दीक्षा संयुक्त 29वें स्थान पर

**डबलिन, एजेंसी।** भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स पहले नौ होल में शानदार शुरूआत करने के बाद आखिरी नौ होल में तीन बोगी के कारण वुमेन आयरिश ओपन के शुरूआती दौर में पार 73 के कार्ड के साथ संयुक्त 45वें स्थान पर है। हमवतन दीक्षा डागर ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखी और तीन बर्डी तथा दो बोगी की मदद से एक अंडर 72 का कार्ड खेला। वह संयुक्त 29वें स्थान पर है। प्रणवी ने 10वें होल से खेल शुरू करने के बाद 11वें, 12वें और 13वें होल में बर्डी लगाई। वह शुरूआती चार होल के बाद तीन अंडर के स्कोर के साथ शानदार स्थिति में थी। उन्होंने इसके बाद 15वें होल पर बोगी और 17वें होल पर बर्डी लगाई। वह इसके बाद चौथे, आठवें और नौवें होल में भी बर्डी कर बैठी। प्रतियोगिता में भाग ले रही अन्य भारतीयों में त्वेसा मलिक (76) संयुक्त 93वें और रिद्धिमा दिलावरी (79) संयुक्त 128वें स्थान पर हैं। इन दोनों को कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा।

### शर्मा और चौहान ब्रिटिश मास्टर्स में पहले दौर के बाद संयुक्त 30वें स्थान पर

**विशॉ (इंग्लैंड), एजेंसी।** भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा और ओम प्रकाश चौहान ने बेटफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स के शुरूआती दौर में एक अंडर 71 का समान स्कोर बनाया जिससे दोनों संयुक्त 30वें स्थान पर हैं। शर्मा और चौहान दोनों ने दो बोगी के मुकाबले तीन बर्डी लगाईं। इंग्लैंड के पॉल वारिंग ने अंतिम नौ होल में पांच अंडर पार का स्कोर बनाकर फ्रांस के जियोंग वेन के साथ बढ़त हासिल की। इन दोनों ने पहले दौर में समान 67 का कार्ड खेला जिससे वे दक्षिण अफ्रीका के थ्रिस्टन लॉरेंस और स्पेन के जॉर्ज कैंपिलो से एक स्ट्रोक आगे हैं। लॉरेंस और कैंपिलो चार अंडर के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

### टेनिस के दिग्गज आंद्रे अगासी पिकलबॉल टूर को हरी झंडी दिखाने के लिए भारत आएंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी पीडब्लूआर (पिकलबॉल वर्ल्ड रैंकिंग) डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग का उद्घाटन करने के लिए अगले साल जनवरी में भारत आने वाले हैं। इस टूर्नामेंट का मकसद भारत में पिकलबॉल को लोकप्रिय बनाना है। पीडब्लूआर ने हाल ही में एक नई रैंकिंग संरचना की शुरूआत की है और पीडब्लूआर डीयूपीआर (डायनामिक यूनिवर्सल पिकलबॉल रेटिंग) इंडियन टूर एंड लीग का आयोजन इसी के मुताबिक होगा। आठ बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अगासी ने भारतीय प्रशंसकों को एक वीडियो संदेश में कहा, मैं भारत का दौरा करने और पिकलबॉल के प्रशंसको को रोमांचित करने के लिए उत्साहित हूं। मैं पीडब्लूआर डीयूपीआर इंडियन टूर एंड लीग का इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि यह इस देश में एक बड़ी सफलता होगी। अगासी ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चार खिताब के साथ अमेरिकी ओपन को दो बार जबकि फ्रेंच और विंबलडन को एक-एक बार जीता है। उन्होंने 1996 अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक भी जीता था। पीडब्लूआर, पीडब्लूआर वर्ल्ड सीरीज (पीडब्लूएस) और पीडब्लूआर वर्ल्ड टूर का लॉन्च हाल ही में दुबई में आयोजित कार्यक्रम में किया गया था।

## बरिंदर ने लिया संन्यास

**मुंबई, एजेंसी।** पिछले आठ साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज बरिंदर सरन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। बरिंदर ने अपने करियर में 6 एकदिवसीय और 2 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस गेंदबाज ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह संन्सास लेने का सही समय है। बरिंदर ने साल 2015-16 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के के बाद अंतिम बार साल 2016 में भारत के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर दो टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे।

बरिंदर ने लिखा, मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। मैं अपने क्रिकेट सफर से संतुष्ट हूं। इस खेल ने मुझे काफी अच्छे अनुभव दिए। तेज गेंदबाजी मेरे लिए भाग्यशाली बन गई। इससे मुझे आईपीएल में भी अवसर मिले। इसी कारण मुझे भारतीय टीम में भी जगह मिली।

साथ ही कहा कि मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर छोटा था पर इसकी यादे हमेशा ही मेरे दिल में रहेंगी। मैं हमेशा भगवान का आभारी रहूंगा कि उन्होंने मुझे सही कोच और प्रबंधन दिया जिससे मेरा सफर अच्छा रहा। बरिंदर ने छह वनडे इंटरनेशनल मैचों में सात विकेट जबकि दो टी20 अंतरराष्ट्रीय में छह विकेट लिए हैं। बरिंदर ने आईपीएल में मुंबई इंडियन्स, किंग्स इलेवन पंजाब, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेला है। साल 2015 से 2019 के बीच इस गेंदबाज ने 24 मैच में 18 विकेट लिए।

## बिहार में पहली बार अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट

### राजगीर में आयोजित होगा महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024

**दीपक कुमार तिवारी**

**पटना/राजगीर।** भारत एक बार फिर महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहा है। यह हॉकी टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर, 2024 तक बिहार के राजगीर में होगा। इसमें भारत समेत छह एशियाई देश हिस्सा लेंगे। राजगीर के राज्य खेल अकादमी और बिहार खेल विश्वविद्यालय में होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें भी खेलेंगी। पिछली बार यह ट्रॉफी झारखंड के रांची में हुई थी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वो 8वें महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए बिहार सरकार का समर्थन प्रदान करने के लिए बहुत खुश हूं। सरकार इस प्रतिष्ठित आयोजन में भाग लेने वाली अंतरराष्ट्रीय टीमों

का स्वागत करती हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के लिए यात्रा करने वाली हॉकी टीमों, अधिकारियों और हॉकी प्रेमियों को बिहार के लोगों का आतिथ्य पसंद आएगा, सरकार इस आयोजन को एक भव्य सफलता बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

एशियन हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष डेटो फुमियो ओगुरा ने भी इस फैसले पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा- ह्यमुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 8वां महिला एशियन चौंपियंस ट्रॉफी भारत में आयोजित किया जाएगा। मुझे विश्वास है कि राजगीर, बिहार में आयोजित यह आयोजन झारखंड में आयोजित पिछले संस्करण की तरह ही एक बड़ी सफलता होगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने कहा -ह्यहॉकी इंडिया बिहार में प्रतिष्ठित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने के लिए बहुत उत्साहित है। यह हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि यह पहली बार है कि बिहार में कोई अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। हम एएचएफ और बिहार सरकार के अविश्वसनीय अवसर और समर्थन के लिए आभारी हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा- ह्ययह भारतीय महिला हॉकी के लिए एक महान क्षण है कि लगातार दूसरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भारत में आयोजित की जा रही है। हमने पिछले साल रांची में एक बहुत ही यादगार आयोजन किया था और हम बिहार में भी एक भव्य आयोजन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आगे कहा, हॉकी इंडिया देश भर में महिला हॉकी के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहा है और हम मानते हैं कि बिहार में इस स्तर का आयोजन करने से बच्चों को खेल के लिए प्रेरित करने में मदद मिलेगी। हम सभी अंतरराष्ट्रीय टीमों और हॉकी प्रेमियों का बिहार में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

## विश्व कप के बाद टी20 कप्तानी छोड़ देंगी सोफी डिवाइन

**वेलिंगटन, एजेंसी।** सोफी डिवाइन अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड की टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हट जाएंगी। 34 वर्षीय डिवाइन अभी भी वनडे टीम की कप्तान बनी रहेंगी।

डिवाइन ने 2014-15 सीजन में स्टैंड-इन कप्तान के रूप में और फिर 2020 में एमी सैटरथवेट से पूर्णकालिक भूमिका निभाते हुए 56 टी20 में न्यूजीलैंड का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 25 में जीत दर्ज की है और 28 में टीम को हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 1 मैच टाई रहा है।

डिवाइन, जो 2006 में अपने पदार्पण के बाद से 135 मैचों में 3268 रन के साथ प्रारूप में न्यूजीलैंड की सर्वकालिक दूसरी सबसे बड़ी स्कोरर हैं, ने कहा कि कार्यभार संतुलन की उनकी इच्छा ने यह निर्णय लिया।

डिवाइन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) के हवाले से कहा, मुझे दोनों प्रारूपों में व्हाइट फर्न्स की कप्तानी करने का सौभाग्य मिलने पर बहुत गर्व है। कप्तानी के साथ एक अतिरिक्त कार्यभार भी आता है, जिसे उठाने में मुझे मजा आता है, लेकिन कई बार यह चुनौतीपूर्ण भी हो सकता है। टी-20 कप्तानी से हटने से मेरी जिम्मेदारी कुछ कम हो जाएगी, जिससे मैं अपनी ऊर्जा का अधिक उपयोग अपनी खेल भूमिका पर तथा भविष्य के नेतृत्वकताओं को तैयार करने पर कर सकूंगी।

टी20 विश्व कप से पहले पैर की चोट से उबरने के लिए फिलहाल आराम कर रही डिवाइन ने अभी वनडे कप्तानी नहीं छोड़ने और न्यूजीलैंड के लिए दोनों सफेद गेंद प्रारूपों में खेलना जारी रखने की अपनी इच्छा पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं अभी वनडे कप्तानी छोड़ने के लिए तैयार नहीं हूं।

लेकिन मैं हमेशा के लिए नहीं रहूंगी, इसलिए मुझे लगता है कि एक समय में एक प्रारूप की कप्तानी से दूर रहने से अगले कप्तान को अपने पैर जमाने का समय मिल जाएगा।

## डॉटिन ने संन्यास के फैसले को बदलते हुए टीम में वापसी की

**एंटीगुआ, एजेंसी।** वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट खिलाड़ी डिएंड्रा डॉटिन ने अपने संन्यास के फैसले को बदलते हुए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम में वापसी की है। क्रिकेट वेस्टइंडीज की ओर से गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में डिएंट्रा डॉटिन का नाम शामिल है। टीम में नेरिसा क्राफ्टन के रूप में एक अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल है। सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष किशोर शालो ने टीम घोषणा के बाद कहा, हमारी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मिश्रण है। उन्होंने कहा, हमारे पास 19 साल के आसपास के कुछ खिलाड़ी हैं, मुझे लगता है कि जैदा अभी भी शायद युवा है और वहां एक या दो युवा खिलाड़ी हैं। इसलिए इस मिश्रण से वास्तव में खुश हूं। उन्होंने कहा कि साथ ही मुझे लगता है कि हम सभी वेस्टइंडीज की टीम में डिएंड्रा डॉटिन को वापस देखकर उत्साहित हैं। डॉटिन का हालिया फॉर्म विशेष रूप से उत्साहजनक है। वह डब्ल्यूसीपीएल 2024 लीग चरण में तीसरी सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं, जिन्होंने चार पारियों में 28.25 की औसत और 111.88 की स्ट्राइक रेट से 113 रन बनाए एवं सत्र में दो से अधिक छक्के लगाने वाली एकमात्र बल्लेबाज भी थीं।

## बीसीबी बोर्ड के वित्त की जांच के लिए नियुक्त करेगा स्वतंत्र ऑडिट फर्म

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने घोषणा की है कि वे बोर्ड के वित्त की जांच के लिए एक नई ऑडिट फर्म नियुक्त करेंगे, जबकि उन्होंने स्वीकार किया कि नजमुल हसन के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार हुआ था, जिन्होंने हाल ही में शीर्ष पद से इस्तीफा दे दिया है।

फारूक ने गुरुवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में अपनी पहली बोर्ड मीटिंग में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, हम देश की शीर्ष चार कंपनियों में से एक को स्वतंत्र ऑडिट फर्म नियुक्त करेंगे। अनियमितताओं का पता लगाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। अगर पिछले कुछ वर्षों में कुछ हुआ है, तो ऑडिट के बाद उसका पता चल जाएगा। अगर कोई अनियमितता पाई जाती है, तो भ्रष्टाचार निरोधक आयोग कार्रवाई करेगा। बोर्ड में कुछ भ्रष्टाचार था। मैं इससे इनकार नहीं कर सकता और हर कोई इसके बारे में जानता है।

फारूक ने यह भी कहा कि बोर्ड पिछले विश्व कप की असफलता की मूल्यांकन रिपोर्ट को फिर से खोलना चाहता है और कुछ अन्य रिपोर्टों पर भी गौर करना चाहता

है, जो बोर्ड को सौंपे जाने के बाद शायद ही कभी प्रकाश में आई हों। हाल ही में, बीसीबी के निदेशक अकरम खान, जो 2023 विश्व कप की रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाली मूल्यांकन समिति के तीन सदस्यों में से एक हैं, ने जोर देकर कहा कि उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए।

फारुक ने कहा, पिछले विश्व कप की एक रिपोर्ट है, जबकि कुछ अतीत की रिपोर्टें हैं (जो प्रकाश में नहीं आई हैं) और मैंने सीईओ से कहा कि मैं उन्हें देखना चाहता हूं और रिपोर्ट देखने के बाद निर्णय लूंगा। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से तर्कसंगत है (इसे सार्वजनिक करना) और मैं इसे लोगों के सामने लाना चाहता हूं और चूंकि मैं इसका हिस्सा नहीं हूं, इसलिए इसे प्रकट करने में कोई समस्या नहीं है और मैं इसे दुनिया के सामने लाना चाहता हूं।

अगर विश्व कप मूल्यांकन रिपोर्ट पर विचार किया जाता है, तो चंदिका हथुरुसिंघा का मुख्य कोच के रूप में अधिक समय तक बने रहना संभव नहीं है। यह समझा जाता है कि मूल्यांकन समिति ने श्रीलंकाई पर उंगली उठाई थी और उन्हें बांग्लादेश की विश्व कप की पराजय के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार ठहराया था। मुख्य कोच के रूप में हथुरुसिंघा का वर्तमान अनुबंध चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अंत तक है।

फारुक ने कहा, मैं बोर्ड का अध्यक्ष हूं और इसलिए मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिससे लगे कि मैं निरंकुश हो गया हूं। मैं तानाशाह नहीं बनना चाहता। हमने हथुरूसिंघा के बारे में बात की है। हम इस मामले पर उसी तरह विचार करेंगे जैसे हमने शाकिब के मामले को संभाला था। मैंने कहा कि हम टेस्ट सीरीज के बीच में कुछ नहीं करना चाहते।

उन्होंने कहा, हम अभी दौरे के बीच में हैं। अध्यक्ष के तौर पर आप कोई भी फैसला ले सकते हैं लेकिन हमें टीम को परेशान न करने के बारे में सोचना होगा। हम इस पर चर्चा कर रहे हैं (हथुरूसिंघा के साथ क्या किया जा सकता है) और सभी की राय लेने की कोशिश करेंगे। यह एक जांच की तरह है, हम इस बात पर अच्छी तरह से विचार करेंगे कि उनके कार्यकाल के दौरान बांग्लादेश क्रिकेट को कितना नुकसान हुआ है और फिर कोई फैसला लेंगे। आप निकट भविष्य में कुछ देख सकते हैं।

फारूक ने यह भी कहा कि बोर्ड बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आयोजन को लेकर आशान्वित है, हालांकि राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के कारण कुछ फ्रेंचाइजी के इसे जारी रखने के इच्छुक नहीं होने के बाद संदेह जताया जा रहा है।

उन्होंने कहा, हम बीपीएल के बारे में बात कर रहे हैं और इस बैठक के बाद, मुझे विश्वास है कि टूर्नामेंट तय समय पर आयोजित किया जाएगा। पहला मैच 27 दिसंबर को खेला जाना है। उससे पहले हम सितंबर में खिलाड़ियों का ड्राफ्ट आयोजित करने का प्रयास करेंगे। हो सकता है कि एक या दो टीमें आना न चाहें और इस बारे में सीईओ से चर्चा की गई है। उन्होंने (मालिकों ने) यह स्पष्ट नहीं किया है कि वे क्या करेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि वे नहीं आएंगे और इसलिए उस स्थिति में हमें उन टीमों के स्वामित्व की तलाश करनी होगी।

फारूक ने कहा, आप जानते हैं कि हमारे पास सात टीमें थीं। हम पहले तय करेंगे कि कौन सी सात टीमें खेलेंगी। मैंने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से टीम मालिकों का साक्षात्कार लूंगा। हम कुछ अच्छे लोगों को देखना चाहते हैं जो इसे केवल करने के लिए नहीं करते हैं। लेकिन हम बीपीएल का आयोजन करेंगे। यह हमारे लिए एक चुनौती है, उम्मीद है कि हम सभी प्रतिकूलताओं को दूर कर लेंगे।

## 18 अक्टूबर को रिलीज होगी प्रियंका चोपड़ा की मराठी फिल्म पाणी

# मराठी फिल्म पाणी में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की निर्मित फिल्म पाणी, 18 अक्टूबर को रिलीज होगी। प्रियंका चोपड़ा अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के तले कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अपने बैनर तले मराठी फिल्म का निर्माण किया है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर पाणी का मोशन टीजर रिलीज करते हुए इसकी रिलीज डेट रिवील की है, जिसके मुताबिक पाणी 18 अक्टूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन में लिखा,यह बहुत बहुत खास है। हमारी मराठी फीचर फिल्म 'पाणी' 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है,सिनेमाघरों में मिलते हैं। राजश्री एंटरटेनमेंट और पर्पल पेबल पिक्चर्स, कोठारे विजन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से फिल्म पाणी प्रस्तुत की गयी है।निर्देशक आदिनाथ कोठारे के निर्देशन में बन रही फिल्म पाणी हनुमंत केंद्रे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। किस तरह से वह अपने गांव में पानी की समस्याओं का निवारण करते हैं।

# प्राइम वीडियो ने रिलीज किया कॉमेडी-ड्रामा 'कॉल मी बे' का ट्रेलर

प्राइम वीडियो ने अपनी बहुप्रतीक्षित ओरिजनल सीरीज 'कॉल मी बे' का हंसी और भावनाओं से भरपूर ट्रेलर लॉन्च किया है। आठ-भाग की यह सीरीज एक हल्की-फुल्की, आकर्षक कॉमेडी ड्रामा है, जो बेला चौधरी, उर्फ बे के जीवन पर आधारित है। 'कॉल मी बे' में अनन्या पांडे का बे के रूप में स्ट्रीमिंग डेब्यू है। इस सीरीज में वीर दास, गुरफतेह पीरज़ादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफ़री, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस धर्मांटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन में करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमें मिश्रा कार्यकारी निर्माता के रूप में शामिल हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुनहा ने किया है और इसे इशिता मोइत्रा ने निर्मित किया है। 'कॉल मी बे' का प्रीमियर हिंदी में और तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में डब के साथ विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर 6 सितंबर को रिलीज किया जाएगा। कॉल मी बे का ट्रेलर शुरू से ही दर्शकों को नई दिल्ली में बे की आलीशान जिंदगी की झलक दिखाता है। हालांकि, उसकी यह ग्लैमरस दुनिया अचानक उस समय बिखर जाती है, जब उसका परिवार उसे त्याग देता है। उत्साहजनक संगीत के साथ दर्शक देखते हैं कि बे किस तरह अपने नए जीवन में ढलने की कोशिश करती है, जिसमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट से लेकर मुंबई में एक पत्रकार के चुनौतीपूर्ण जीवन को अपनाना शामिल है। इस दौरान वह अप्रत्याशित दोस्ती और गठबंधन बनाती है और आने वाली चुनौतियों का सामना करके अपने अनोखे अंदाज़ और ह्यूमर से अपनी जिंदगी को जीती है। मजेदार और दिलकश पलों से भरे इस ट्रेलर ने दर्शकों को बे के प्रेरणादायक परिवर्तन को देखने के लिए उत्साहित कर दिया है।

# विष्णु मनगोली ने अमिताभ बच्चन को किया प्रभावित

**मुंबई।** सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16' के सबसे कम उम्र के प्रतियोगी विष्णु मनगोली ने अपने महत्वाकांक्षी इसरो के सपने और एआई नॉलेज से होस्ट अमिताभ बच्चन को प्रभावित कर दिया। लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16' में आज रात इस सीजन के सबसे कम उम्र के प्रतिभागियों में से एक विष्णु मनागोली शामिल होंगे। चेन्नई, तमिलनाडु के रहने वाले 18 वर्षीय विष्णु सिर्फ ग्रैंड प्राइज के लिए ही नहीं बल्कि इस दुनिया से परे एक सपने को पूरा करने के लिए भी प्रयासरत हैं। इसरो में शामिल होने और भारत के अंतरिक्ष मिशन में योगदान देने की महत्वाकांक्षाओं के साथ विष्णु का हॉट सीट तक का सफर जुनून से भरा है, जो होस्ट और दर्शकों दोनों को ही आकर्षित करेगा। उनकी बुद्धिमत्ता और समर्पण से प्रभावित होकर होस्ट अमिताभ बच्चन को विष्णु के साथ सार्थक बातचीत करते देखा जा सकेगा, जहाँ दोनों कॉलेज लाइफ से लेकर दोस्ती और उससे आगे जाकर हर चीज पर चर्चा करते हैं, जो दर्शकों के लिए एक दिलचस्प शो की दावत देता है। वर्तमान में इंजीनियरिंग के अपने दूसरे वर्ष में विष्णु मनागोली को सामान्य ज्ञान में गहरी रुचि है। सीखने की ललक है। इन दोनों ही बातों ने उन्हें कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट तक पहुँचाया। यह एक ऐसा शो है, जिसे वे बचपन से ही पसंद करते आए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता के साथ ही उनका जुनून स्पेस एरोनॉमिक्स में उनकी गहरी रुचि से और समृद्ध हो जाता है। केबीसी के इस सीजन में सबसे कम उम्र के प्रतियोगियों में से एक के रूप में विष्णु ने अपने उल्लेखनीय ज्ञान से अमिताभ बच्चन का ध्यान आकर्षित किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बात करते हुए अमिताभ बच्चन ने बताया कि कैसे एक प्रशंसक ने उन्हें ब्लॉग लिखते हुए एक ताजा तस्वीर साझा की थी, जिसमें वे एआई के उपयोग से अपनी आवाज का उपयोग कर रहे थे, और कैसे इसने उन्हें टेक्नोलॉजी की प्रगति से प्रभावित किया। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए प्रतियोगी विष्णु मनगोली ने कहा, मैं आठ साल की उम्र से ही इस शो का उत्साही फॉलोअर रहा हूँ। मैंने केबीसी किड्स स्पेशल के दौरान भाग लेने की कोशिश की थी। जब मैं अठारह वर्ष का हुआ, तो मेरे दो मुख्य लक्ष्य थेः पहला, अपने सभी दस्तावेज व्यवस्थित करना और दूसरा, केबीसी हॉटसीट पर पहुँचना। हॉटसीट पर आना बचपन का सपना रहा है और मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूँ। मैंने दैनिक समाचारों से अपडेट रहकर, किताबें पढ़कर, यूट्यूब पर खोज करके और हर उपलब्ध संसाधन का उपयोग करके तैयारी की। मेरा मानना है कि पाठ्यपुस्तकों से परे भी ज्ञान का खजाना है, और मैं जितना संभव हो उतना इकट्ठा करने और आत्मसात करने का प्रयास करता हूं।

# बॉक्स ऑफिस पर 'स्त्री 2' ने पार किया 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री 2' ने धमाकेदार ओपनिंग के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन कई रिकॉर्ड तोड़े और अब पांचवें दिन भी इसने दमदार कमाई की है। सैकनिल्क के मुताबिक, 'स्त्री 2' ने पांचवें दिन यानी सोमवार 37 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 228.45 करोड़ रुपये हो गया है। पेड प्रिव्यू के जरिए इस फिल्म ने 8.35 करोड़ रुपये कमाए थे। 'स्त्री 2' ने गुरुवार को भारत में पहले दिन 60.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले दिन जबरदस्त कमाई की और 2023 में 'एनिमल' और 'पठान' की पहले दिन की कमाई को पीछे छोड़ दिया। दूसरे दिन इस फिल्म ने 31.4 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन यह फिल्म 43.85 करोड़ रुपये का कारोबार करने में सफल रही। चौथे दिन 55 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी मुख्य भूमिका में हैं। 'स्त्री' 2018 में रिलीज हुई थी, छह साल बाद 'स्त्री 2' रिलीज हुई और फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

## श्रीमद् रामायण में मां सीता का किरदार निभाकर बहुत कुछ सीखने को मिला:

# प्राची बंसल

**मुंबई।** सोनी सब के सीरियल श्रीमद् रामायण में मां सीता का किरदार निभाने वाली प्राची बसंल ने कहा कि मां सीता का किरदार निभकार उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। प्राची बंसल ने कहा, मैं सीता के शांत और संयमित स्वभाव से जुड़ती हूं, जिसे मैं खुद में भी देखती हूं। उनके किरदार को निभाने से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। मुझे लगता था कि मेरे जीवन में बहुत-सी समस्याएं हैं, लेकिन हमारी समस्याए और चुनौतियां सीता के सामने कुछ भी नहीं हैं। अब मैंने हर चुनौती और खुशी के पीछे छिपे गहरे अर्थ को समझना सीख लिया है। इसने मुझे जीवन के अलग-अलग चरणों को और भी स्पष्ट रूप से देखने में मदद की है। मां सीता का बलिदान रामायण का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसने सदियों से महिलाओं को प्रेरित और प्रभावित किया है। उनका बलिदान सिर्फ़ एक पौराणिक कहानी नहीं है बल्कि समाज और रिश्तों के कई पहलुओं पर प्रकाश डालता है। सीता ने अपने परिवार और प्यार के लिए बहुत कुछ त्याग दिया। आज भी महिलाएँ अपने परिवार के लिए कई त्याग करती हैं। उन्हें अपना कॅरियर, सपने और यहां तक कि अपनी पहचान भी छोड़नी पड़ सकती है। प्राची बंसल ने कहा, सीता की यात्रा के इस नए चरण की तैयारी के लिए मैंने उनके चरित्र की जटिलताओं और आगे बढ़ रही कहानी को समझने में खुद को डुबो दिया है। मैं विशेष रूप से उसके भावनात्मक आर्क से रोमांचित हूं क्योंकि वह इस चुनौतीपूर्ण अवधि से गुजरती हैं। मैंने गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, उसकी पिछली कहानी की बारीकियों और उसके कार्यों को प्रेरित करने वाली अंतर्निहित प्रेरणाओं की खोज करने के लिए रचनात्मक टीम के साथ व्यापक चर्चा की है। सीता के मेरे चित्रण को आकार देने में यह सहयोगी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा मैं उस युग को चित्रित करने में प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों में तल्लीन रही हूँ। मैं सीता की कहानी में एक नया दृष्टिकोण लाने के लिए उत्साहित हूँ, साथ ही चरित्र के मूल को भी सम्मानित करती हूं। श्रीमद रामायण सोमवार से शनिवार तक शाम 7:30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होता है।

# खुद से मुझे कोई गिला शिकवा नहीं रहा: आशा नेगी

**मुंबई।** छोटे परदे की एक्ट्रेस आशा नेगी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहाड़ों पर जन्मदिन सेलिब्रेट करने की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, मुझे पता है कि उम्रदराज होना डरावना हो सकता है, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो इस बढ़ती हुई उम्र के दौरान मैं खुद को प्यार करने लगी हूं। खुद से मुझे कोई गिला शिकवा नहीं रहा... मुझे जीवन को लेकर स्पष्टता मिली है और समझदारी भी! ये मेरी कल्पना से ज्यादा खूबसूरत है। इसके बाद इस ग्लैमरस अभिनेत्री ने अपने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए अपने फॉलोअर्स को शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा, आप सभी का जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। आप सब ने मुझे बहुत प्यार और दुलार दिया है, मेरे इस खास दिन पर मुझे बहुत खास महसूस करवाया। अपने जन्मदिन के जश्न पर उन्होंने कहा, मैंने सबसे करीबी और खास लोगों के साथ जन्मदिन वैसे ही मनाया, जैसे मैं मनाना चाहती थी। मुझे नहीं लगता कि इससे भी बेहतर कुछ हो सकता था। मैं अपने इस खास दिन के कुछ पल आपसे शेयर करना चाहती हूं, उम्मीद है कि जल्द ही करूंगी! शायद इसी को ब्लिस बोलते हैं गाइज!" अभिनेत्री के इस जन्मदिन पर, उनके कभी प्रेमी रहे ऋत्विक धनजानी ने भी शुभकामनाएं दीं। धनजानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में इस खूबसूरत अभिनेत्री की एक ग्लैमरस तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "बप्पा तुझे जीवन की हर खुशी दे दें... जीवन सिर्फ और सिर्फ खुशियों से भरा रहे। जन्मदिन की शुभकामनाएं। दिवंगत बॉलीवुड स्टार सुशांत सिंह राजपूत-स्टारर शो "पवित्र रिश्ता" के सेट पर ऋत्विक और आशा की पहली मुलाकात हुई थी। दोनों ने एक दूसरे को कई सालों तक डेट करने के बाद 2020 में कोविड महामारी के दौरान ब्रेक-अप की घोषणा कर दी थी। बता दें कि मशहूर टीवी एक्ट्रेस आशा नेगी ने अपने 35 वें जन्मदिन पर अपनी बढती उम्र को लेकर बेबाक राय जाहिर की।

# पैरालंपिक चैंपियंस के सपोर्ट में आए आयुष्मान खुराना

भारत के मशहूर अभिनेता, गायक और सकारात्मक बदलाव के प्रतीक आयुष्मान खुराना ने एक बार फिर अपने प्रभाव का इस्तेमाल सामाजिक मुद्दों के लिए किया है। अब वह भारत की पैरालंपिक टीम का समर्थन कर रहे हैं, जो आज से पेरिस में आयोजित होने जा रहे 2024 ग्रीष्मकालीन पैरालंपिक्स के लिए रवाना हो रही है। यूनिसेफ इंडिया के नेशनल एम्बेसडर आयुष्मान खुराना ने यूनिसेफ के साथ मिलकर भारतीय पैरालंपिक टीम के अदम्य साहस और अविचलित दृढ़ संकल्प को पहचानते हुए उनका समर्थन करने का आह्वान किया है। आयुष्मान खुराना ने हर नागरिक से इन अद्वितीय एथलीटों का समर्थन और जश्न मनाने की अपील की, जो अपनी हिम्मत और संकल्प से पूरे देश को प्रेरित कर रहे हैं। आयुष्मान खुराना ने कहा, ₹हमारे पैरालंपिक चैंपियंस की अदम्य भावना हर किसी के लिए एक जीवंत उदाहरण है कि किसी भी चुनौती को अपने सपनों के रास्ते में नहीं आने देना चाहिए। ये एथलीट विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए प्रेरणा हैं, जो यह याद दिलाते हैं कि कोई भी चुनौती अजेय नहीं है।